



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 166]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 29, 2011/श्रावण 7, 1933

No. 166]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 29, 2011/SRAVANA 7, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग भंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क व्याप्रिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 2011

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. के मूल की या वहाँ से निर्यातित पी वी सी फ्लैक्स फिल्म के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच।

सं. 14/04/2010-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सी.शु. टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर सीमा-शुल्क का निर्धारण एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, (जिसे आगे नियमावली कहा गया है), 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि :

1. यतः मै. पायनियर पॉली लैदर्स प्रा. लि., रुद्रपुर (जिसे आगे याचिकाकर्ता कहा गया है) वे चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की या वहाँ से निर्यातित पी वी सी फ्लैक्स फिल्म (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन कल आरोप लगाते हुए अधिनियम एवं नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे यह प्राधिकारी कहा गया है) के सम्बंध एक आवेदन दायर किया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए जांच शुरू करने का अनुरोध किया है।

2. और यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देश के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 1 फरवरी, 2010 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लागू किया जाता है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी। प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जांच की शुरुआत से पूर्व पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया था।

3. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हुए 22 जून, 2010 की अधिसूचना सं. 14/4/2010-डीजीएडी के तहत प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित किए थे ।

4. प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने के बाद प्राधिकारी ने 7 जुलाई, 2010 और 19 जुलाई, 2010 को शुद्धि पत्र अधिसूचना जारी की थीं ।

क्र. प्रक्रिया:

5. प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- i. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पूर्व याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास/प्रतिनिधियों को अधिसूचित किया ।
- ii. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 1.2.2010 की जांच शुरूआत अधिसूचना की प्रतियां भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार आयातकों, उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।
- iii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों तथा संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराई ।
- iv. भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार इस अनुरोध के साथ जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की प्रति निर्यातकों के नाम और पतों सहित उनके पास भी भेजी गई थी ।
- v. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मांगने हेतु प्रश्नावलियां भेजीं ।

क्र. सं.	कंपनी का नाम
1	झेजियांग एम एस डी वार्प निटिंग एंड कोटिंग कं. लि., चीन
2	शंघाई लानक्वान प्लास्टिक प्रोडक्ट्स कं. लि., चीन
3	झेजियांग मिंगलांग होल्डिंग लि., चीन
4	झेजियांग तियानजिंग टेक्नीकल टैक्सटाइल्स कं. लि., चीन
5	हेनिंग गेंगलांग निटिंग क्लाथ्स कं. लि., चीन
6	हेंगझाऊ हांगजे न्यू मैटीरियल कं. लि., चीन
7	जूलांग टेंट एंड एडवरटिजमेंट मैटीरियल्स इंडस्ट्रीयल कं. लि., चीन
8	शंघाई अवर साइन इडिस्ट्रियल कं. लि., चीन

9	झेजियांग चैंगबैंग न्यू मैटीरियल्स कं. लि., चीन
10	हेवाई हांगडिंग प्लास्टिक मैन्यू कं. लि., चीन

- vi. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध सर उत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय सीमा में 31 मार्च, 2010 तक विस्तार प्रदान किया ।
- vii. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया है ।

क्र. सं.	कंपनी का नाम
1	जियांगजिन बेनवाई प्लास्टिक्स कं. लि., चीन (उत्पादक) तथा जियांगजिन ननर्बा इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन (निर्यातक)
2	हेटेक्स टैक्नीकल टैक्सटाइल्स (झांगजियांग) कं. लि., चीन
3	झेजियांग बोटाई प्लास्टिक कं. लि., चीन
4	झेनजियांग तियानचेंग प्लास्टिक फैब्रिक कं. लि., चीन
5	मै0 झेजियांग चैंगबैंग न्यू मैटीरियल्स कं. लि., चीन
6	मै0 शंघाई नार इंडस्ट्रियल कं. लि. (एन ए आर), चीन (उत्पादक) तथा मै0 शंघाई इन्फलैक्स सिगहैंज कं. लि., चीन (निर्यातक)
7	मै0 झेजियांग हेलाइड न्यू मैटीरियल कं. लि., चीन
8	मै0 गुआंगझोऊ डाइना मैम्बरेन स्ट्रक्चर कं0 लि0 चीन (उत्पादक) तथा मै0 गुआनझोऊ होंगजिन इकॉनामिक डेवलपमेंट कं0 लि0, चीन (निर्यातक)
9	शंघाई लानक्वान प्लास्टिक प्रोडक्ट्स कं. लि., चीन
10	झेजियांग बिंगलांग प्लास्टिक सीमेट कं. लि., चीन
11	सिकसी लिनयुआन प्लास्टिक्स वार्ट कं. लि., चीन
12	मै0 झेजियांग युलि प्लास्टिक कं. लि., चीन

- viii. मै. हेवाई युकिसन इंडस्ट्रीज कं. लि. ने अत्यधिक विलंब से प्रश्नावली का अधूरा उत्तर प्रस्तुत किया था जिसे प्राधिकारी नहीं किया था ।
- ix. नियम 6 (4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी ।

क्र. सं.	कंपनी का नाम
1	ग्राफिक एड्स प्रिंट सेल्स कंपनी, कोलकाता
2	गोल्डस्टोन इमेजिंग प्रा.लि. दिल्ली

3	एक्स प्रिंट आर बी सी पी एल, नई दिल्ली
4	हाई-साइन दुर्गा इंटरनेशनल, दिल्ली
5	ईजी इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजीज प्रा.लि.
6	कुमार डिस्ट्रीब्यूटर्स, पेरियामेट चेन्नई
7	शुभ प्लास्टिक्स, मुंबई
8	टैक-जोन ग्लोबल ट्रेडिंग कं., चेन्नई
9	आदित्या इंटरनेशनल, मुंबई
10	स्पैक्ट्रम, दिल्ली
11	कृष्णा तारपेजलिन इंडस्ट्रीज, चेन्नई

x. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों ने जांच शुरूआत संबंधी सूचना का उत्तर दिया है और आयातक प्रश्नावली का उत्तर/अनुरोध प्रस्तुत किए हैं:

क्र. सं.	कंपनी का नाम
1	मै. रेशनल बिजनेस कार्पोरेशन प्रा.लि., इंडिया
2	मै. मैक्स फ्लैक्स एंड इमेजिंग सिस्टम प्रा.लि.

xi. जांच के दौरान निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने भी अनुरोध किए हैं:

- क. ऐवेल कैम्पू कॉन प्रा. लि.
- ख. ईसिस इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजीज प्रा. लि.
- ग. 3 एम इंडिया लि.
- घ. टॉवर ओवरसीज लि.
- ड. कनाडियन स्पेशियलिटी विनायल्स
- च. ऑल इंडिया साइनेज प्रिंटर्स एंड मर्चेन्ट्स एसो. (बाद में इसका नाम साइनेज प्रिंटर्स एंड मर्चेन्ट्स एसो. (इंडिया) रख दिया गया)।
- छ. युनिटी इंटरनेशनल फाउडेशन
- ज. एवरी डेनिसियन (इंडिया) प्रा. लि.
- झ. टैक्नोवा इमेजिंग सिस्टम प्रा. लि.

xii. प्राधिकूरी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और उसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

xiii. पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने हेतु वाणिज्यिक आसूचना-एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से अनुरोध किया गया था।

xiv. आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत

- निकाली गई थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- XV. यह जांच 1 अप्रैल, 2008 से 30 सितंबर, 2009 की अवधि (18 माह, जांच अवधि) के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में जांच अवधि की प्रत्येक तिमाही (अप्रैल-जून, 2008, जुलाई-सितंबर, 2008, अक्टूबर-दिसंबर, 2008, जनवरी-मार्च, 2009, अप्रैल-जून, 2009 और जुलाई-सितंबर, 2009) शामिल थी, जिसमें इस बात पर ध्यान रखा गया था कि याचिकाकर्ता ने अप्रैल, 2008 में ही उत्पादन शुरू किया है।
- XVI. वाणिज्यिक आसूचना एवं साखियकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) ने जांच अवधि और पूर्ववर्ती 3 वर्षों के लिए विभिन्न सीमाशुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत संबद्ध वस्तु के आयातों के सौदेवार आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। घरेलू उद्योग ने विभिन्न सीमाशुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में आई बी आई एस (गौण स्रोत) के आधार पर आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। उपर्युक्त दोनों स्रोतों से आयात आंकड़ों की जांच करने पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि आई बी आई एस स्रोत के आंकड़ों में डी जी सी आई एस स्रोत के आंकड़ों की तुलना में आयातों की अत्यधिक मात्रा दर्शाई गई है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने मात्रा एवं कीमत प्रभाव के विश्लेषण हेतु आई बी आई एस (गौण स्रोत) के आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- XVII. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में उनके गोपनीयता के दावों की जांच की गई थी और प्राधिकारी ने उन पर विधिवत विचार किया था। जो सूचना गोपनीय स्वरूप की है अथवा जिसे किसी हितबद्ध पक्षकार ने गोपनीय आधार पर प्रदान किया है उसे इस जांच परिणाम में गोपनीय माना गया है, जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। तथापि, ऐसी गोपनीय सूचना के अगोपनीय रूपांतरण का इस जांच परिणाम में प्रकटन उस सीमा तक किया गया है जिस सीमा तक गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की विषय वस्तु के बारेम
- XVIII. बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार (एम ई टी) संबंधी प्रश्नावली समस्त ज्ञात निर्यातकों और चीन जन.गण. के दूतावास को भेजी गई थी। निर्यातकों को यह सूचित किया गया था कि प्राधिकारी का प्रस्ताव यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और पैरा 8 के अनुसार आवेदक के दावे की जांच करने का है। अतः चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/आयातकों से यह अनुरोध किया गया था कि वे पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/साक्ष प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि क्या सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जा सकता है।
- XIX. प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम 22 जून, 2010 को दर्ज किए जिसकी प्रति भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों को भेज दी गई थी। सभी हितबद्ध पक्षकारों से प्रारंभिक जांच परिणामों पर अपनी टिप्पणियां देने के लिए कहा गया था।
- XX. हितबद्ध पक्षकारों की सुनवाई करने के लिए प्राधिकारी ने 20 अगस्त, 2010 और 2 मई, 2011 को मौखिक सुनवाई की थी जिसमें हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे।

हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अनुरोधों पर इस जांच परिणाम में संगत सीमा तक विचार किया गया है

- xxi.** घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था ।
- xxii.** जिन प्रतिवादी निर्यातकों ने अपने अनुरोध दायर किए थे और जिन्हें प्राधिकारी ने सत्यापन हेतु आमंत्रित किया था उनका मौके पर सत्यापन आवश्यक सीमा तक किया गया था ।
- xxiii.** उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को आवश्यक तथ्यों का प्रकटन 20 जुलाई, 2011 की समसंख्या के प्रकटन विवरण के तहत किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में आवश्यक समझी गई सीमा तक विचार किया है ।
- xxiv.** *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में आवेदक द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है ।
- xxv.** जांच अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 अम.डॉ. = 46.95 रु. है ।

6. जांच के दौरान घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है और उन पर इस जांच परिणाम के संबंधित भागों में विचार किया गया है ।

विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

7. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद निम्नानुसार परिभाषित किया था :

"विचाराधीन उत्पाद "पी वी सी फ्लैक्स फिल्म" है । पी वी सी फ्लैक्स फिल्मों को पी वी सी फ्लैक्स बैनर, विज्ञापन संकेतों, बिल बोर्डों के लिए पी वी सी फ्लैक्स सीट, पी वी सी फिल्म और तिरपाल आदि के नाम से भी जाना जाता है (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) । यह उत्पाद पुनः संसाधित वस्त्र की सेंडविच लेमिनेशन से युक्त एक बहु-परती पी वी सी फिल्म है । फ्लैक्स नाम से ज्ञात इस लेमिनेटेड उत्पाद का उपयोग विज्ञापन उद्योग द्वारा किया जाता है । पी वी सी फ्लैक्स फिल्म की पूर्व एवं पश्च दीप्ति तथा चमक या छटा जैसी गुणवत्ता और विशेषताओं के अनुसार वह अलग-अलग प्रकार की हो सकती है ।

4. पी वी सी फ्लैक्स फिल्म सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39 के टैरिफ शीर्ष सं. 3920 तथा 3921 के तहत वर्गीकृत है । आई बी आई एस से प्राप्त सूचना यह दर्शाती है कि सामग्री का आयात और निकासी कई अन्य सी. शु. वर्गीकरणों में की जा रही है जिनमें 39201019, 39201012, 39204900, 39219026, 39219029, 39269099, 39199090, 39181090, 39189090, तथा 39269080. शामिल हैं । तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्जसान जांच के दायरे पर किसी भी स्लैप में बाध्यकारी नहीं है ।"

8. प्रारंभिक जांच परिणाम में प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद निम्नानुसार परिभ्रष्ट किया था :

"5. विचाराधीन उत्पाद "पी वी सी फ्लैक्स फ़िल्म" है। पी वी सी फ्लैक्स फ़िल्मों को पी वी सी फ्लैक्स बैनर, विज्ञापन संकेतों, बिल बोर्डों के लिए पी वी सी फ्लैक्स सीट, पी वी सी फ़िल्म और तिरपाल आदि के नाम से भी जाना जाता है (जिसे आगे संबद्ध बस्तु कहा गया है)। यह उत्पाद पुनः संसाधित वस्त्र की सेंडविच लेमिनेशन से युक्त एक बहु-परती पी वी सी फ़िल्म है। फ्लैक्स नाम से ज्ञात इस लेमिनेटेड उत्पाद का उपयोग विज्ञापन उद्योग द्वारा किया जाता है। पी वी सी फ्लैक्स फ़िल्म की पूर्व एवं पश्च दीप्ति तथा चमक या छटा जैसी गुणवत्ता और विशेषताओं के अनुसार वह अलग-अलग प्रकार की हो सकती है। इस उत्पाद का उपयोग होल्डिंग, बिल बोर्ड, पी ओ पी, बैनर, साइन बोर्ड आदि जैसे अनुप्रयोगों के लिए विज्ञापन उद्योग द्वारा किया जाता है। तथापि पी वी सी रिजिट फ़िल्म तथा कॉटन/केनवास की तिरपालें इस जांच के क्षेत्र से बाहर हैं।"

6. पी वी सी फ्लैक्स फ़िल्म सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39 के टैरिफ शीर्ष सं. 3920 तथा 3921 के तहत वर्गीकृत है। आई बी आई एस से प्राप्त सूचना यह दर्शाती है कि सामग्री का आयात और निकासी कई अन्य सी. शु. वर्गीकरणों में की जा रही है जिनमें 39201019, 39201012, 39204900, 39219026, 39219029, 39269099, 39199090, 39181090, 39189090, तथा 39269080. शामिल हैं। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।"

9. 22 जून, 2010 को प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने के बाद प्राधिकारी ने 7 जुलाई, 2010 को शुद्धिपत्र अधिसूचना जारी की जिसके तहत अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार अधिसूचित किया गया था ।

"* आयातों की सूचना आई टी सी (एच एस) कोडों 39201019, 39201012, 39204900, 39219026, 39219029, 39269099, 39199090, 39181090, 39189090, तथा 39269080. के अंतर्गत भी दी गई है। अतः यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है।"

"** पी वी सी फ्लैक्स फ़िल्मों को पी वी सी फ्लैक्स बैनर, विज्ञापन संकेतों, बिल बोर्डों के लिए पी वी सी फ्लैक्स सीट, पी वी सी फ़िल्म और तिरपाल, रोल्स में पी वी सी फ्लैक्स शीट (फ्लैक्स बैनर फ्रंटलिट/बैकलिट) के नाम से भी जाना जाता है और ये सभी इस जांच के दायरे में आते हैं।"

** पी वी सी रिज्ड फ़िल्म तथा कॉटन/केनवास तिरपालें इस जांच के दायरे में नहीं आती हैं।

10. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद में संशोधन करते हुए 19 अक्टूबर, 2010 को पुनः शुद्धिपत्र अधिसूचना जारी की जिसे अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार पढ़ा जाए

*** पी वी सी फ्लैक्स फिल्मों को पी वी सी फ्लैक्स बैनर, विज्ञापन संकेतों, बिल बोर्डों के लिए पी वी सी फ्लैक्स सीट, तिरपाल रोल्स में पी वी सी फ्लैक्स शीट (फ्लैक्स बैनर फ्रंटलिट/बैकलिट) के नाम से भी जाना जाता है और ये सभी इस जांच के दायरे में आते हैं"

** पी वी सी रिजड फिल्म तथा कॉटन/केनवास तिरपालें इस जांच के दायरे में नहीं आती हैं।

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में किए गए अनुरोध

निर्यातक/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

11. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के क्षेत्र के बारे में निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- क. परिभाषा के अनुसार चूंकि संबद्ध वस्तु एक "सेंडविच्ड है" इसलिए "वन साइड लेमिनेशन (ओ-एस एल), "कोटेड फ्लैक्स", "हार्डेंसिटी फ्लैक्स" और अन्य गैर सेंडविच्ड परिवर्तकों को इस पाठनरोधी मामले से अलग रखा जाना चाहिए।"
- ख. चूंकि घरेलू उद्योग के पास संबद्ध उत्पादों के विनिर्माण हेतु लेमिनेशन प्रौद्योगिकी है, इसलिए कोटेड प्रौद्योगिकी के जरिए विनिर्मित उत्पादों को इस मामले से अलग रखा जाना चाहिए।
- ग. चूंकि घरेलू उद्योग संबद्ध उत्पाद का उत्पादन कलैंडरिंग चरण से करता है, इसलिए लेमिनेशन चरण से उत्पादित उत्पादों को जांच के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए।
- घ. आयातित उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद में अत्यधिक गुणवत्तात्मक अंतर है। निर्यातकों के उत्पादकों द्वारा अलग-अलग खंडों की भरपाई की जारही है।
- ङ. चूंकि घरेलू उद्योग ने सेल्फएडहेडेसिव विनायल, वन वे विजन फिल्म/परफोरेटिड विन्डो फिल्म, रंगीन विनायल, मैश बैनर/फैब्रिक, कॉटन या कैनवास तिरपालों तथा पी वी सी रिजड फिल्म को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखा है इसलिए प्राधिकारी द्वारा क्षति विश्लेषण इन उत्पादों को अलग रखकर किया जाना चाहिए।
- च. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित न किए गए पी वीसी फ्लैक्स फिल्म ब्लैक-बैक फ्रंट लिट बैनर, मैस बैनर, ब्लॉक आउट बैनर, 18 ओ जैड बैनर तथा आर ओ एच एस कम्पलाइड बैनर के अलग-अलग ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद और इस मामले के क्षेत्र से अलग रखा जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

18. विचाराधीन उत्पाद और समाज कल्यान के लिए हरे घरेलू उद्योग के लिए अनुरोध मिल रहे हैं।

- घरेलू उद्योग और बैचले फिल्मों संबद्ध उत्पादकों की प्रौद्योगिकी उत्पादन प्रक्रिया तुलनीय है।
- पी.वी.सी. फ्लैक्स के विनिर्माण की दो प्रक्रियाएँ हैं - अर्थात् कोटेड प्रक्रिया एवं लेमिनेटिड प्रक्रिया। विनिर्माण की दोनों प्रक्रियाओं द्वारा उत्पादित पी.वी.सी. फ्लैक्स फिल्मों में हूँक है और वे समान उत्पाद हैं।
- उत्पादन प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता में और हीने से उत्पादन भिन्न नहीं हो जाता है। हालांकि, यह संभव है कि कुछ पी.वी.सी. फ्लैक्स फिल्मों में कुछ विशिष्ट अंतिम अनुप्रयोग हो सकते हैं और वे उसी बाजार खंड की भूमिका के अनुकूल हैं तथापि, समस्त पी.वी.सी. फ्लैक्स फिल्मों का अनुप्रयोग, होलिडंग बिल्ड प्रथम, फी.ओ.पी., बैनर, साइन बोर्ड आदि बनाने जैसे विज्ञापन उद्योग में होता है।
- घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध द्वारा उत्पादित ऐसे विधानित संबद्ध कल्यानीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और ज्ञानकोत्ता इनका अदल-बदल कर उपयोग करते हैं।
- विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में संशोधन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस प्रकार के अपवर्जन का कोई पर्याप्त साझ्य प्रस्तुत नहीं किया है। मात्र इस वजह से कि उत्पाद का वर्णन अलग-अलग नामों में होता है, यह अलग उत्पाद नहीं बन जाता है।
- पी.वी.सी. फ्लैक्स फिल्मों के अलग-अलग प्रकार एक ही टैरिफ वर्गीकरण में आते हैं तथापि, सामग्री का आआत और निकासी कई अन्य सीमाशुल्क वर्गीकरणों में की जा रही है।
- विचाराधीन उत्पाद के बाजार में प्रचलित निम्नलिखित विभिन्न प्रकार/नाम हैं। अनेकित उत्पादन के अनुकूल छिटपुट अंकरों के साथ कच्ची सामग्री और विनिर्माण प्रक्रिया एक समान है।

- ❖ पी.वी.सी. फ्लैक्स फिल्म।
- ❖ पी.वी.सी. फ्लैक्स बैनर।
- ❖ बैनर (फ्रंटलिट/बैकलिट/ग्लॉसी/मैटी)
- ❖ पी.वी.सी. फ्लैक्स शीटें
- ❖ पी.वी.सी. फ्लैक्स बिल बोर्ड
- ❖ पी.वी.सी. फिल्म स्था तिरपालें
- ❖ पी.वी.सी. फ्लैक्स शीटें रोलों में
- ❖ ब्लैक-बैक फ्रंटलिट बैनर (ग्लॉसी/मैटी)
- ❖ ब्लॉक आउट बैनर
- ❖ कोटेड पी.वी.सी. फ्लैक्स फिल्म
- ❖ लेमिनेट पी.वी.सी. फ्लैक्स फिल्म

- ❖ 18 ओ जैड बैनर
- ❖ आर ओ एच एस कंप्लाइंट बैनर, भारी धातु की कम मात्रा वाला
- ❖ इक्टरफ लेमिनेटेड (ओ एस एल)

- जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित उत्पादों का उत्पादन और आपूर्ति की गई है।

❖ फ्रंटलिंट फ्लैक्स/बैकलिट फ्लैक्स- ग्लॉसी/मैटी

पी वी सी फ्लैक्स फिल्मों/बैनरों/शीटों के दो प्रकार हैं- फ्रंटलिट जिसमें बैनर को सामने से चमकदार बनाया जाता है और बैकलिट जिसमें चमक पश्च भाग में प्रदान की जाती है। ग्राहकों के अधिमान के अनुसार इन्हें मैटी या ग्लॉसी बनाया जा सकता है।

❖ पी वी सी फ्लैक्स फिल्म से निर्मित तिरपाल

तिरपाल पी वी सी फ्लैक्स फिल्म का एक ऐसा प्रकार है जो उच्च जी एस का होता है जिसमें एकमात्र अंतर यह होता है कि इसे रोल्स में नहीं बेचा जा सकता बल्कि शीट के चारों किनारों पर माउंटेड आईज के साथ टुकड़ों में बेचा जा सकता है। इसे उल्लंघन रोकने के लिए जांच के द्वायरे में रखने की जरूरत है।

- जांच अवधि के बाद घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रकाष्ठ के उत्पादों का उत्पादन किया है और आपूर्ति की है।

❖ बैक फ्लैक्स

जब काले रंग की फिल्म का उपयोग पृष्ठ भाग में किया जाता है और सफेद रंग की फिल्म का उपयोग अग्र भाग में किया जाता है और रिन्फोर्समेंट फैब्रिक का उपयोग होता है तो उसे ब्लैक बैक फ्रंटलिट फ्लैक्स बैनर कहा जाता है। सामान्य फ्लैक्स बैनर और ब्लैक बैक फ्लैक्स बैनर के बीच एममात्र अंतर वैकिंग फिल्म के रंग का होता है।

❖ ग्रे आउट फ्लैक्स

ग्रे आउट पी वी सी फ्लैक्स फिल्म ग्रे रंग की बैकिंग फिल्म से युक्त होती है। एकमात्र अंतर वैकिंग फिल्म के विनिर्माण में प्रयुक्त पिगमेंट में भिन्नता होती है।

❖ वन साइडेट लेमिनेटेड (ओ एस एल)

वन साइडेट लेमिनेटेड फिल्म कुछ और नहीं है अपितु, पी वी सी फ्लैक्स फिल्मों का एक यह प्रकार है जिसमें अंतर यह होता है कि यह केवल एक तरफ ही लेमिनेट होती है। ज्ञान्य की अवधि तक बाजार में पी वी सी फ्लैक्स फिल्म के ऐसे किसी प्रकार की न तो लोई ज्ञान्यकाङ्क्षी थी और न ही इसका आयात किया गया था। यह नाम शुल्क की चोरी

करने की मंशा से अनंतिम शुल्क लगाने के बाद रखा गया है। इस उत्पाद की विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री, प्रोद्योगिकी और अंतिम उपयोग एक समान है।

- घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रकार के उत्पादों का उत्पादन और ओपूर्टु नहीं की है परंतु घरेलू उद्योग के पास इनके उत्पादन की क्षमता है।

❖ ब्लैक आउट फ्लैक्स

यह उत्पाद और कुछ नहीं है अपितु, लेमिनेशन प्रक्रिया में छिप्पेट अंतर के साथ विचाराधीन उत्पाद है। ब्लैक बैनर अथवा दृष्टरफा सफेद रंग के बैनर के मामले में किसी भी की दो परतों को उनके बीच लेमिनेट किया जाता है जबकि ब्लैक आउट बैनर के मामले में पी वी सी फिल्मों की तीन अलग-अलग परतें होती हैं अर्थात् फ्रंट फिल्म जो मिलकी व्हाइट रंग की होती है, बैक फिल्म जो पुनः मिलकी व्हाइट रंग की होती है जिसमें दोनों के बीच काले रंग की एक अतिरिक्त पर्त उपयोग में लाई जाती है। यह पृष्ठ भाग से अग्र भाग में प्रकाश को आने से रोकने तथा अग्र भाग से पृष्ठ भाग से प्रकाश को रोकने में प्रभावी होती है जिसके परिणामस्वरूप फ्लैक्स बैनर की दपाई स्वतंत्र रूप से दोनों तरफ की जा सकती है। विनिर्माण प्रक्रिया एक समान है; अपेक्षित कच्ची सामग्री अतिरिक्त ब्लैक फिल्म के साथ एक जैसी है।

❖ 18 ओ जैड बैनर

18 ओ जैड बैनर का तात्पर्य 18 ओ बैड भारा के पी वी सी फ्लैक्स डिजिटल बैनर से है जो 110 ब्रॉड एस एम के समतुल्य होता है।

आर ओ एच एस प्रकार

यह कुछेक यूरोपीय देशों द्वारा पी वी सी फ्लैक्स फिल्म को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए धातु की मात्रा में कमी करने हेतु उत्पादित एक भावक है। बाजार में मांग के ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग के पास इसके उत्पाद की क्षमता और योग्यता है।

- निम्नलिखित उत्पादों को अलग रखा जाए क्योंकि ये विचाराधीन उत्पाद नहीं हैं।

- सेल्फ ऐडहेसिव विनायल
- वन वे विजन फिल्म/परफोरेटेड विन्डो फिल्म
- कलर्ड विनायल
- फैन्सिंग हेतु मैश बैनर/फैब्रिक
- कॉटन या कैन्वेस तिस्पालें
- पी वी सी रिज्ड फिल्ड

- विचाराधीन उत्पाद की बिक्री अलग-अलग जी एस एम में की जा रही है। याचिकाकर्ता द्वासा भी उत्पाद मिश्रण और ग्राहकों की पसंद के अनुसार 220 जी एस एम से 550 जी एस एम तक के अलग-अलग जी एस एम में इसकी बिक्री की जाती है।
- इस सामग्री का आयात और निकासी कई अन्य सी. शु. वर्गीकरणों में की जाती है। अतः याचिकाकर्ता का प्राधिकारी से अनुरोध है कि निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क कृपया समस्त संगत अध्यायों और हर हालत में अध्याय 39, 47, 48, 53 और 59 के अंतर्गत आने वाले विचाराधीन उत्पाद के सभी आयातों पर लगाने की संस्तुति की जाए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

13. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद और संभान वर्स्सु के मुद्दे पर हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की जांच की है। प्राधिकारीनोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों के दावे के अनुसार बाजारी भाषा में विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न प्रकार/नाम जिन्हानुसार हैं:-

- ❖ पी वी सी फ्लैक्स फिल्म ।
- ❖ पी वी सी फ्लैक्स बैनर ।
- ❖ बैनर (फ्रंटलिट/बैकलिट/ग्लॉसी/मैटी)
- ❖ पी वी सी फ्लैक्स शीटें
- ❖ पी वी सी फ्लैक्स बिल बोर्ड
- ❖ पी वी सी फ्लैक्स शीटें रोलों में
- ❖ ब्लैक-बैक फ्रंटलिट बैनर (ग्लॉसी/मैटी)
- ❖ ब्लॉक आउट बैनर
- ❖ कोटेड पी वी सी फ्लैक्स फिल्म
- ❖ लेमिनेट पी वी सी फ्लैक्स फिल्म
- ❖ 18 ओ जैड बैनर
- ❖ आर ओ एच एस कंप्लाइंट बैनर, भारी धातु की कम मात्रा वाला
- ❖ इक्तरफ लेमिनेटेड (ओ एस एल)
- ❖ पी वी सी फ्लैक्स तिरपाल

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान फ्रंटलिट/बैकलिट फ्लैक्स-ग्लॉसी/मैटी प्रकार की पी वी सी फ्लैक्स फिल्मों और पी वी सी फ्लैक्स तिरपालों का उत्पादन कर आपूर्ति की है। आगे यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के बाद घरेलू उद्योग ने ब्लैक बैक फ्लैक्स, ग्रे आउट फ्लैक्स तथा बन साइट लेमिनेटेड (ओ एस एल) पी वी सी फ्लैक्स फिल्मों का उत्पादन कर आपूर्ति की है।

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास ब्लॉक आउट फ्लैक्स, 18 ओ जैड बैनर तथा आर ओ एच एस प्रकार की पी वी सी फ्लैक्स फिल्मों का उत्पादन करने की क्षमता है।

16. चूंकि पी वी सी फ्लैक्स फिल्मों के विभिन्न प्रकार, नाम, ग्रेड समान वस्तुएं हैं और ये तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इनका विनिर्माण समान विनिर्माण प्रक्रिया, संयंत्र तथा मशीनरी और समान मूलभूत कच्ची सामग्री के जरिए किया जा सकता है जिसका उपयोग घरेलू उद्योग करता है। इसलिए प्राधिकारी ब्लैक ब्लैक फ्लैक्स, ग्रे आउट फ्लैक्स, वन साइड लेमिनेटेड (ओ एस एल), पी वी सी फ्लैक्स फिल्म, 18 ओ जैड बैनर तथा आर ओ एच एस प्रकार की पी वी सी फ्लैक्स फिल्में विचाराधीन उत्पाद की भाग हैं।

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पी वी सी फिल्मों का प्रौद्योगिक रूप से उपयोग विज्ञापन क्षेत्र में संकेतन सामग्री के रूप में प्रयोग किया जाता है। उत्पाद का विनिर्माण दो प्रक्रियाओं के जरिए होता है - लेमिनेटिंग प्रक्रिया और कोटिंग प्रक्रिया। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि दोनों विनिर्माण प्रक्रियाओं में प्रयुक्त प्रमुख कच्ची सामग्री एक समान है। इसके अलावा, जहां तक विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न प्रकारों/नामों/ग्रेडों का संबंध है, इनका विनिर्माण किसी भी प्रक्रिया के जरिए और समान कच्ची सामग्री के प्रयोग से होता है जिसमें अधेक्षा के अनुसार उत्पाद मिश्रण में बदलाव किया जाता है। प्राधिकारी मानते हैं कि ये तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और ये नियमों के अनुसार समान वस्तुएं हैं और इसलिए इन्हें वर्तमान जांच के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता। इसके अलावा, विचाराधीन उत्पाद के ऐसे किसी प्रकार/नाम/ग्रेड को अलग रखे जाने से प्रक्रिया नकारात्मक बन जाएगी।

18. उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यही मानते हैं कि पी वी सी फ्लैक्स फिल्मों के निम्नलिखित प्रकार/नाम/ग्रेड विचाराधीन उत्पाद हैं और वे समान वस्तुएं हैं :-

- ❖ पी वी सी फ्लैक्स फिल्म।
- ❖ पी वी सी फ्लैक्स बैनर।
- ❖ बैनर (फ्रंटलिट/बैकलिट/ग्लॉसी/मैटी)
- ❖ पी वी सी फ्लैक्स शीट्टे
- ❖ पी वी सी फ्लैक्स बिल ब्लॉड
- ❖ पी वी सी फ्लैक्स शीट्टे सोलो में
- ❖ ब्लैक-बैक फ्रंटलिट बैनर (ग्लॉसी/मैटी)।
- ❖ ब्लॉक आउट बैनर
- ❖ कोटेड पी वी सी फ्लैक्स फिल्म
- ❖ लेमिनेट पी वी सी फ्लैक्स फिल्म
- ❖ 18 ओ जैड बैनर
- ❖ आर ओ एच एस कंप्लाइट बैनर, भारी धातु की कम मात्रा वाला
- ❖ इक्टरफ लेमिनेटेड (ओ एस एल)

❖ पी वी सी फ्लैक्स तिरपाल

❖ ग्रेआउट फ्लैक

19. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की जांच करने के बाद प्राधिकारी यह प्रमाणित करते हैं कि पी वी सी रिजड़ फ़िल्म, कॉटन/केनवास तिरपाल, पी वी सी फ़िल्म, सेल्फ ऐडहेसिव बिनायल, वन वे विजन फ़िल्म/परफोरेटिक विजन फ़िल्म, कलर्ड विनायल एवं मैस बैनर/फैब्रिक को विचाराधीन उत्पाद तथा वर्तमान जांच के क्षेत्र व दायरे से अलग हैं।

20. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए इस जांच के क्षेत्र के भीतर विचाराधीन उत्पाद निम्नानुसार हैं:

विचाराधीन उत्पाद "पी वी सी फ्लैक्स फ़िल्म" है। पी वी सी फ्लैक्स फ़िल्मों को पी वी सी फ्लैक्स बैनर, विज्ञापन संकेतों, बिल बोर्डों के लिए पी वी सी फ्लैक्स सीट तथा पी वी सी फ्लैक्स तिरपालों आदि के नाम से भी जाना जाता है (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है)। तथापि, पी वी सी रिजड़ फ़िल्म, कॉटन/केनवास तिरपाल, पी वी सी फ़िल्म, सेल्फ ऐडहेसिव विनायल, वन वे विजन फ़िल्म/परफोरेटिक विजन फ़िल्म, कलर्ड विनायल एवं मैस बैनर/फैब्रिक इस जांच के द्वायरे से अलग हैं।

पी वी सी फ्लैक्स फ़िल्म सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39 के टैरिफ शीर्ष सं. 3920 तथा 3921 के तहत वर्गीकृत है। आई बी आई एस से प्राप्त सूचना यह दर्शाती है कि जिनमें 39201019.

ग निर्दिष्ट प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस अनुरोध को स्वीकार करने में त्रुटि की है कि वह विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है और उसका उत्पादन 100 % बनता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

26. दिनांक 27 फरवरी, 2010 की अधिसूचना सं. 18/2010-सी.शु. (गैर टैरिफ)- नई दिल्ली द्वारा यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में निम्नानुसार उपबंध है :

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातिकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ केवल शेष उत्पादकों के उल्लेख के रूप में निकाला जाएगा ।

27. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता देश में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है और जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादन में उसका 100% हिस्सा है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य के साथ इसके प्रतिकूल कोई सूचना प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई थी। आगे यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के बाद जो भी घरेलू उत्पादक सामने आए हैं वे नियमानुसार वर्तमान जांच के दायरे में नहीं आते हैं। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद की कच्ची सामग्री/सघटकों का आयात करना जिम्मों के तहत घरेलू उद्योग के दर्जे के अयोग्य हो जाना नहीं माना जाता है। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है और देश में संबद्ध वस्तु का एकमात्र

करते हैं कि चीन के कुछ उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा भी की सी फ़िल्मों और फैब्रिक की खरीद कर लेमिनेशन की चरण से संबद्ध वस्तु का विनिर्माण किया जा रहा है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी प्रक्रिया/चरण के जरिए उत्पादित विचाराधीन उत्पाद तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है और ये नियामानुसार समान वस्तुएं हैं। इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकार सकारात्मक साक्ष्य के साथ यह सिद्ध नहीं कर सके हैं कि विनिर्माण प्रक्रिया/चरण में अंतर होने से उत्पाद अलग बन जाता है।

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पी बी सी फ्लैक्स फिल्मों का प्राथमिक रूप से उपयोग होल्डिंग, बिल बोर्ड, पी ओ पी, बैनर, साइनबोर्ड आदि तैयार करने के लिए विज्ञापन क्षेत्र में होती है। यद्यपि, विचाराधीन उत्पाद का आयात और निकासी कई अन्य सी.शु. वर्गीकरणों में की जा रही है। तथापि, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और आपूर्त उत्पाद भारत में आयातित विचाराधीन उत्पाद के अन्य विभिन्न प्रकारों की अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं के संबंध में तुलनीय हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देश से आयातित वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया व प्रौद्योगिकी, कार्य व उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं वस्तु के विणन एवं टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय हैं। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता दोनों का अदल-बदल कर उपयोग करते हैं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु नियमों के अंतर्गत संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र तथा आधार

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

24. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उसके पास जांच अवधि के दौरान घरेलू उत्पादन का 100% हिस्सा है और इसलिए वह घरेलू उद्योग है और नियमों के अंतर्गत आधार संबंधी अपेक्षा को पूरा करता है।

निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

25. आधार एवं क्षेत्र के भारे में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:-

- याचिकाकर्ता की पास घरेलू उद्योग होने का दावा करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि उसने संबद्ध वस्तु के प्रमुख धटक का आयात किया है।
- घरेलू उद्योग ने सपाट तौर पर यह कहा गया है कि दोनों कंपनियों ने जांच अवधि के बाद संबद्ध वस्तु का उत्पादन शुरू किया। दोनों विनिर्माताओं के ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

ग निर्दिष्ट प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस अनुरोध को स्वीकार करने में त्रुटि की है कि वह विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है और उसका उत्पादन 100 % बनता है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

26. दिनांक 27 फरवरी, 2010 की अधिसूचना सं. 18/2010-सी.शु. (गैर टैरिफ)- नई दिल्ली द्वारा यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में निम्नानुसार उपबंध है :

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के नियर्तिकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ केवल शेष उत्पादकों के उल्लेख के रूप में निकाला जाएगा ।

27. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता देश में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है और जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादन में उसका 100% हिस्सा है । किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य के साथ इसके प्रतिकूल कोई सूचना प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई थी । आगे यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के बाद जो भी घरेलू उत्पादक सामने आए हैं वे नियमानुसार वर्तमान जांच के दायरे में नहीं आते हैं । प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद की कच्ची सामग्री/सघटकों का आयात करना नियमों के तहत घरेलू उद्योग के दर्जे के अयोग्य हो जाना नहीं माना जाता है । अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है और देश में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक होने के कारण उसके पास नियम 5(3) के अनुसार आधार है ।

अ

गोपनीयता

घरेलू उद्योग के अनुरोध

28. गोपनीयता के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :

- (क) नियमों में कुछेक सूचना को गोपनीयता प्रदान करने की स्पष्ट अनुमति है जिसका घरेलू उद्योग ने सही उपयोग किया है ।
- (ख) उत्पादन लागत, बिक्री लागत, परियोजना रिपोर्ट आदि से संबंधित सूचना अत्यधिक संवेनशील है जिसका प्रकटन नहीं किया जा सकता ।

- (ग) परियोजना रिपोर्ट में अत्यधिक संवेदनशील वाणिज्यिक सूचना होती है और इसीलिए उसका प्रकटन नहीं किया जा सकता ।
- (घ) घरेलू उद्योग के बारे में वाणिज्यिक रूप से संवेदनशील सूचना का प्रकटन करने की मांग करने वाले अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने स्वयं अपने उत्तरों/अनुरोधों में कई सूचनाओं का प्रकटन नहीं किया है ।

निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

29. गोपनीयता के बारे में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :

क. निर्दिष्ट प्राधिकारी को गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना को मात्र इस वजह से गोपनीय मानना अपेक्षित नहीं है कि उसे निर्दिष्ट प्राधिकारी को गोपनीय आधार पर प्रदान किया गया है । परीक्षण उत्पादन की तारीख, वाणिज्यिक उत्पादन की तारीख, उत्पादन प्रक्रिया चार्ट, वार्षिक रिपोर्ट, आई बी आई एस से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, कोरियाई कीमत का स्रोत एवं सूचना, समुद्री भाड़े, समायोजनों का साक्ष्य, संयंत्र एवं मशीनरी के बौरे, उत्पादित संबद्ध वस्तु की किसम और प्रकार, उत्पादन मात्रा (वास्तविक एवं संभावित) वास्तविक क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री मात्रा (वास्तविक एवं संभावित), निर्यात बिक्री मात्रा, संबद्ध देशों के बाजार हिस्से जैसी व्यापक सूचना को गोपनीय रखा गया है ।

ख. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निर्यात कीमत, पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन, सी एन वी, एन आई पी आदि से संबंधित ब्लौरों का प्रकटन नहीं किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

30. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावों की जांच की है । प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार अनुरोध करने पर विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रसन्नत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण वाली सार्वजनिक फाइल सभी हितबद्ध पक्षकारों को निरीक्षण हेतु उपलब्ध कराई ।

31. सूचना की गोपनीयता के बारे में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नानुसार उपबंध है :-

गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उप नियम (7), नियम 12 के उपनियम (2), (3), नियम 15 के उपनियम 4 और नियम 17 के उपनियम (4) में निहित किसी बात के होते हुए भी नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियों अथवा जांच के दौरान किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रदत्त किसी अन्य सूचना को गोपनीयता के बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी के संतुष्ट होने के बाद उन्हें उसी रूप में माना जाएगा और ऐसी किसी सूचना का प्रकटन ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को नहीं किया जाएगा ।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रदाता किसी पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश प्रस्तुत करना उचित नहीं है तो ऐसा पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस आशय के कारणों का एक विवरण प्रस्तुत कर सकता है कि ऐसा सारांशीकरण क्यों संभव नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने का इच्छुक नहीं है अथवा वह सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन करने का प्राधिकार नहीं देना चाहता है तो वह ऐसी सूचना की अनेदेखी कर सकता है।

32. अंतिम जांच परिणाम जारी करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों के प्रकटन से संबंधित उपबंध पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 में निहित है। नियम 16 में भी गोपनीय तथ्यों का प्रकटन "संबंधित हितबद्ध पक्षकारों" को करना अपेक्षित है। तथापि, अगोपनीय तथ्यों को समस्त हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट करना अपेक्षित है। निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास किसी भी स्तर पर प्रतिस्पर्धी अथवा विरोधी हित रखने वाले पक्षकारों को गोपनीय सूचना का प्रकटन करने की शक्ति नहीं है। अतः यह पर्याप्त होगा, यदि निर्यात कीमत, सामान्य मूल्य और क्षति रहित कीमत की पुष्टि और तुलना में प्रयुक्त कार्यप्रणाली के कारणों का पूर्ण स्पष्टीकरण निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किया जाए बजाए वास्तविक आंकड़ों के प्रकटन के। सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और क्षति रहित कीमत पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत गोपनीय सूचना पर आधारित होती है और इनकी गणना के प्रकटन से किसी प्रतिस्पर्धी को पर्याप्त प्रतिस्पर्धी लाभ मिलेगा और इसके प्रकटन से सूचना प्रदाता व्यक्ति पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

33. यह नोट किया जाता है कि विश्वास और आत्मविश्वास कायम रखते हुए जांच को सुकर बनाने के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रदत्त वाणिज्यिक रूप से संवेदनशील तथा गोपनीय सूचना के प्रकटन से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मोर्चों पर बाजारी वातावरण पूर्णतः ध्वस्त हो जाएगा। घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, बिक्री लागत तथा परियोजना रिपोर्ट आदि से संबंधित गोपनीय सूचना के प्रकटन से घरेलू और विदेशी प्रतिस्पर्धियों को अनुचित लाभ मिलेगा और घरेलू उद्योग उपभोक्ताओं के सामने अलाभकारी स्थिति में आ जाएगा। इसी प्रकार सामान्य मूल्य, निवल निर्यात कीमत, पहुंच कीमत आदि जैसी निर्यातकों से संबंधित गोपनीय सूचना के प्रकटन से उनके प्रतिस्पर्धियों और क्रेताओं की तुलना में उनके वाणिज्यिक हित पर प्रभाव पड़ेगा।

34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग तथा उत्पादकों व निर्यातकों की वाणिज्यिक संवेदनशील सूचना पर आधारित निर्यात कीमत व पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन, सी एन वी, एन आई पी आदि से संबंधित ब्यौरों का प्रकटन नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, गोपनीय सूचना के आधार पर प्राधिकारी द्वारा निकाला गया निष्कर्ष भी गोपनीय बन जाता है यदि ऐसे निष्कर्ष के प्रकटन से किसी भी रूप में गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना का कारंगर प्रकटन हो सकता हो। तथापि, परंपरा के अनुसार एन आई पी का प्रकटन घरेलू उद्योग को किया जाता है और निर्यात कीमत का प्रकटन

केवल संबंधित निर्यातकों को किया जाता है। तथापि, पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन और परिकलित सामान्य मूल्य (सी एन वी) की गणना की कार्यप्रणाली का प्रकटन इस जांच परिणाम में किया जाता है।

च. विविध मुद्दे

निर्यातकों/आयातकों/हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

35. विविध मुद्दों के बारे में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध मिम्नानुसार हैं :-

- प्रथम सार्वजनिक सुनवाई में याचिकाकर्ताओं ने दावों किया है कि उसके पास 50,000 मी. ट. वार्षिक की क्षमता है। अब याचिकाकर्ता वस्तुतः 12,500 मी. ट. की क्षमता होने का दावा कर रहा है जो उसकी कुल क्षमता का तिमाही ब्यौरा है। तथापि, उसके उत्पादन के आंकड़े स्पष्टतः ऐसे किसी तर्क पर खरे नहीं उत्तरते हैं।
- घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई उत्पादन क्षमता झूठी है। याचिकाकर्ता द्वारा स्थापित घरेलू उत्पादन संयंत्र दो लेमिनेटर हैं। कुल लेमिनेशन मशीनों द्वारा कुल उत्पादन का परिष्करण किसी भी फ्लैक्स विनिर्माण इकाई में एक दिन में उक्त दिन के कुल उत्पादन की व्यापक मात्रा होगी। कोई लेमिनेटर ईष्टतम स्तर पर एक मिनट में 25 भीटर पी वी सी फ्लैक्स शीट को तैयार (लेमिनेट) करता है। यदि सबसे बड़ी चौड़ाई की पी वी सी फ्लैक्स रोल अर्थात् 30.20 मीटर का उत्पादन किया जाता है तो इसका एक दिन का उत्पान 96,000 वर्ग मी.ट का होगा। यदि औसत चौड़ाई की पी वी सी फ्लैक्स रोल अर्थात् 1.93 मी.ट. का उत्पादन किया जाता है तो इसका एक दिन का उत्पादन 57,900 वर्ग मी.ट का होगा। अतः वर्ष की तिमाही में कुल उत्पादन 2770 मी.ट. का होगा। याचिकाकर्ता द्वारा 12,500 मी.ट. तिमाही के बारे में किया गया दावा उसकी कुल उत्पादन क्षमता के अनुसार झूठा है।
- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आंकड़ों का सत्यापन किए बिना प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किए थे।
- घरेलू बिक्री आंकड़े रेंज में दर्शाए गए हैं जबकि आयात के आंकड़े विशिष्ट संख्याओं में दर्शाए गए हैं। किसी विशिष्ट संख्या की तुलना रेंज के आंकड़ों से किस प्रकार की जा सकती है।
- याचिकाकर्ता ने वर्ष 2010 में आदित्य राजस्थान से पुराने लेमिनेटर की खरीद की थी।
- घरेलू फैक्टरी की शुरुआत का महीना अप्रैल, 2008 था और पाटनरोधी जांच की शुरुआत का आवेदन उसी माह (अप्रैल, 2008 में ही किया गया था)। यह स्पष्ट होता है कि याचिकाकर्ता ने इस नई विनिर्माण इकाई की शुरुआत पाटनरोधी शुल्क लगवाए जाने की गलत मंशा के साथ की थी।
- मूलभूत मुद्दा यह है कि पाटन के शुरू हुआ, जो अनुत्तरित रहता है, यह स्पष्ट होता है कि आवेदक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से उस महत्वपूर्ण सूचना जानबूझकर छिपाई है जिसका जांच की शुरुआत पर ही गंभीर प्रभाव पड़ सकता था।
- यह जांच व्यापार सूचना संख्या 2/2004 के अनुसार नहीं है। अनुरोध है कि घरेलू उद्योग ने वर्तमान मासमे में अप्रैल, 2008 से अक्टूबर, 2009 (18 माह) की अवधि की ही सूचना प्रदान

की है। ऐसा कोई कारण नहीं है कि क्यों कम से कम सौदेवार आयात आंकड़े पूर्ववर्ती वर्षों के लिए प्रदान नहीं किए जा सके। यह अनुरोध किया जाता है कि पाटन हेतु जांच अवधि क्षति विश्लेषण हेतु जांच अवधि से अलग होनी चाहिए। यदि ये दोनों समवर्ती होती हैं तो किसी तुलना की कोई संभावना नहीं है।

- 18 माह की जांच अवधि अनुबत्य है क्योंकि पाटन की जांच अवधि क्षति जांच अवधि से अलग होती है। क्षति एवं पाटन की उचित तुलना के लिए दोनों विश्लेषणों हेतु जांच अवधि अलग-अलग होनी चाहिए।
- घरेलू उद्योग को लागत, हानि या क्षति होती है तो वह किसी नई कंपनी को होने वाली सामान्य शुरुआती समस्याओं, खराब अवसंरचना और कार्यान्वयन की वजह से होती है।
- प्राधिकारी ने किलोग्राम के आधार पर शुल्क की सिफारिश की है जबकि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त आंकड़े वर्ग मीटर पर आधारित हैं। परिवर्तन का आधार भी प्राधिकारी ने उपलब्ध नहीं कराया है।
- वैट के अप्रत्यादेय भाग हेतु कोई कटौती चीन में निर्यात कीमत में से करना अपेक्षित नहीं है।
- कोरिया से पर्याप्त आयात होने के बावद जू याचिकाकर्ता ने चीन जन.गण. की तुलना में उसे प्रतिस्पर्धा से अलग रखने के लिए जानबूझकर शामिल नहीं किया गया है।
- घरेलू उद्योग के पास घरेलू बाजार मांग को पूरा करने की उत्पादन क्षमता नहीं है।
- पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से एस एम ई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- यह मामला कम बीजक का है न कि पाटनरोधी शुल्क का।
- कोई पाटनरोधी शुल्क संदर्भ कीमत आधार पर लागू किया जाए क्योंकि हाल के वर्षों में पी वी सी फ्लैक्स की कीमत में भारी वृद्धि हुई है और पी वी सी फ्लैक्स के विभिन्न ग्रेडों के बीच कीमत में काफी अधिक अंतर है।
- प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग की क्षमता की गणना 277 जी एस एम की औसत मौटाई पर 359 मिलियन वर्ग मी.ट. के रूप में किये जाने से 99443 मी.ट. के उत्पादन का संकेत मिलता है जो गलत है। इसके अलावा, प्राधिकारी का यह निष्कर्ष आधारहीन है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का वास्तविक क्षमता उपयोग 1381% की तुलना में 21.64% बनता है।
- घरेलू उद्योग की क्षमता का आकलन दो कलेंडरों की क्षमता को ध्यान में रखते हुए गलत ढंग से किया है जबकि ऐसा लेमिनेटिंग मशीनों के अनुसार किया जाना चाहिए था। वास्तविक उत्पादन क्षमता लेमिनेटर की उत्पादन क्षमता होनी चाहिए न कि कलेंडर मशीन की उत्पादन क्षमता।
- घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान केवल 2 लेमिनेटर स्थापित किए थे। स्पष्ट है कि तीसरा लेमिनेटर कार्य करने की स्थिति में नहीं था क्योंकि कोरिया से आयातित मशीनें भारतीय स्थितियों में उत्पादन के उपयुक्त नहीं थीं।
- डी जी ए डी को घरेलू उद्योग के निष्पादन की तुलना करने के लिए परियोजना रिपोर्ट पर ही भरोसा नहीं करना चाहिए अन्यथा भी ऐसी रिपोर्टों का अगोपनीय रूपांतरण अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराना चाहिए।

- पाटन मार्जिन की गणना हेतु कार्य प्रणाली उपलब्ध नहीं कराई गई है। डी जी ए डी ने मात्र सामान्य मूल्य की गणना के समय विचारित संघटकों की सूची तैयार की है।
- उचित क्षति मार्जिन निर्धारित करने के लिए यह आवश्यक है कि व्यापार के समान स्तर पर क्षति रहित कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना की जाए। स्थापित नियम के अनुसार डी जी ए डी स्थानीय उत्पाद शुलक अथवा आयातों पर लगाए गए समतुल्य शुलक अर्थात् सी बी डी पर विचार किए बिना क्षति रहित कीमत और सामान्य मूल्य की गणना करता है। चूंकि यह शुलक संख्यात्मक रूप से समान है, इसलिए इनकी एक-दूसरे के साथ समायोजना किए जाने अथवा विचार न किए जाने पर लेखा व्यवहार कोई विकृति नहीं आती है। घरेलू उद्योग को स्थानीय उत्पाद कर के भुगतान पर छूट के आधार पर लाभ मिल रहा है जबकि सी बी डी आयातों पर लागू है। परिणामतः घरेलू विनिर्माण पर उत्पाद शुल्क और आयातों पर सी बी डी का समायोजनन एक दूसरे में नहीं किया जा सकता और इस प्रकार क्षति का उचित निर्धारण बाधिक हुआ है।
- पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में डी जी ए डी के लिए यह अनिवार्य बनाया गया है कि वह उसमें निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार घरेलू समान उत्पाद की क्षति रहित कीमत का निर्धारण करे। तथापि, ऐसा प्रतीत होता है कि डी जी ए डी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III कोई ध्यान नहीं दिया है।
- वास्तविक क्षति और वास्तविक विकृति साथ-साथ नहीं हो सकती। आरोपित पाठित आयातों के आरोपित आर्थिक तथा वित्तीय प्रभाव एवं घरेलू उद्योग को हुई आरोपित वास्तविक क्षति के निर्धारण/घरेलू उद्योग की स्थापना की वास्तविक विकृति को समस्त संगत आर्थिक कारकों के मूल्यांकन पर आधारित होना चाहिए। तथापि, कोई एकल कारक पाटनरोधी जांच शुरू करने अथवा वास्तविक क्षति का कोई निष्कर्ष निकालने का मजबूत आधार नहीं हो सकता।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

36. विविध मुद्दों के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी को जानबूझकर गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान ही मार्च, 2009 में 1128.72 मीट. का उत्पादन स्तर हासिल कर लिया था। जांचोत्तर अवधि में घरेलू उद्योग ने मार्च, 2011 में 1758.18 मी.ट. का उत्पादन किया। इससे क्रमशः 31650 मी.ट. का वार्षिक उत्पादन का पता चलता है जबकि जांच अवधि के दौरान जांच अवधि की पिछली चार तिमाहियों में केवल 8389 मी.ट. (वार्षिक आधार पर) का वास्तविक उत्पादन हुआ था। प्राप्तव्य उत्पादन और प्राप्त उत्पादन के बीच इतने भारी अंतर से क्षति का मात्रा की ओर पुष्टि होती है।
- कंपनी द्वारा परियोजना रिपोर्ट में दर्शायी गई क्षमता भार आधार पर 50,000 मी.ट. है। इस परियोजना रिपोर्ट का मूल्यांकन किया गया है और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा *** करोड़ रुपए का ऋण मंजूर किया गया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण पत्र से 150 मी.ट. प्रति दिन की क्षमता का पता चलता है जिससे यह क्षमता 50,000 मी.ट. वार्षिक बनती है।

और औद्योगिक सहायता सचिवालय-वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी प्रमाण-पत्र से भी 50,000 मी.ट. की कंपनी की क्षमता का पता चलता है।

- याचिकाकर्ता के पास वाणिज्यिक उत्पादन की शुरूआत से पूर्व तथा जांच अवधि के दौरान दो कलेंडर मशीनें और तीन लेमिनेटर थे।
- जांच अवधि के दौरान तीसरे लेमिनेटर पर उच्च जी एस एम के विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन कर आपूर्ति की गई है।
- क्षमता का स्तर समग्र रूप से ऐसा संकेतक नहीं है जिसके बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए जांच परिणाम दर्ज करना अपेक्षित हो। जिस प्राधिकारी के जिस बात पर विचार करना अपेक्षित है, वह है कि क्या पाटन का उत्पादन क्षमताओं के उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और क्या धरेलू उद्योग प्राप्त हुए स्तर से अधिक उत्पादन कर सकता था।
- किसी भी लेमिनेटर की खरीद किसी आदित्य-राजस्थान नामक कंपनी से नहीं की गई थी। धरेलू उद्योग ने जांचोतर अवधि के बाद आदित्य (राजस्थान) से कुछ पुर्जे खरीदे थे।
- डब्ल्यू टी ओ दिशा-निर्देशों के अनुसार प्राधिकारी के लिए इस शर्त के अधीन लंबी जांच अवधि पर विचार करना अपेक्षित होता है कि पक्षकार लंबी अवधि तक मौजूद रहा होगा। यदि कंपनी अल्प अपधिक तक मौजूद रहती है तो दिशा-निर्देशों में स्वयं स्पष्ट है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसी अल्प अवधि पर विचार करें।
- तिमाही तुलना नियमों के अंतर्गत प्रतिबंधित नहीं है।
- कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुमान लगाया कि याचिकाकर्ता के पास मात्र 12,500 मी.ट./वार्षिक की उत्पादन क्षमता है। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि उसके पास एक वर्ष में 50,000 मी.ट. पी वी सी फ्लैक्स फिल्म का उत्पादन करने की क्षमता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि जांच अवधि में उत्पाद की मांग वार्षिक आधार पर 40745 (वास्तविक मांग-जांच अवधि-61118) मी.ट. की थी, यह स्पष्ट हो जाता है कि याचिकाकर्ता बाजार में उत्पाद की समूची मांग को पूरा करने की स्थिति में रहा होगा। दूसरे शब्दों में पाटन न होने की स्थिति में याचिकाकर्ता देश में 100% बाजार हिस्सा प्राप्त कर सकता था। तथापि, याचिकाकर्ता जांच अवधि की ति.4 में बमुश्किल 24.25% बाजार हिस्सा प्राप्त कर सका जिसमें उसके बाद भारी गिरावट आई। इस बात को देखते हुए कि याचिकाकर्ता ने एक नया संयंत्र स्थापित किया है, यह याचिकाकर्ता की न्यूनतम अपेक्षा थी कि उसके बाजार हिस्से में धीरे-धीरे वृद्धि होगी। लेकिन अंतिम तिमाही में इसमें भारी गिरावट आई।
- याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि उसके पास समूची भारतीय मांग को पूरा करने की क्षमता है और इस वजह से आयात सर्वथा अनावश्यक है। इसके अलावा, जांच अवधि के बाद दो और कंपनियों ने उत्पादन शुरू कर दिया है (एस आर एफ लि. तीसरा उत्पादक है)। अतः संयुक्त भारतीय क्षमता समूची भारतीय मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। लेकिन देश में उत्पाद के पाटन के कारण इन कंपनियों की ये क्षमताएं व्यापक रूप से अप्रयुक्त पड़ी हुई हैं।
- हितबद्ध पक्षकार ने यह तर्क दिया है कि परियोजना रिपोर्ट कोई बाइबिल नहीं है और इस पर पूर्ण विश्वस नहीं किया जाना चाहिए। कंपनी की परियोजना रिपोर्ट को परियोजना का अंतिम रूप देने हेतु सक्षम प्राधिकारियों ने अनुमोदित किया था।

- कुछ निर्यातकों पर अपने प्रारंभिक निर्धारण में प्राधिकारी द्वारा संस्तुत अंतरिम पाटनरोधी शुल्क की मात्रा काफी कम है।
- केवल हितबद्ध पक्षकारों को ही जांच में भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। प्राधिकारी को इसी आधार पर ईसिस, 3 एम, ऑल इंडिया साइनेज प्रिंटर्स एंड मर्चेन्ट्स एसो. (ए आई एस पी एम ए) आदि के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया जाना चाहए।
- शंघाई एन ए आर इंडस्ट्रियल कंपनी लि. तथा शंघाई इन्फ्लैक्स साइनेज कंपनी लि. के संबंध में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की समीक्षा की जाए क्योंकि उन्होंने अपनी एक संबद्ध कंपनी अर्थात् मै. शंघाई एन ए आर इंटरनेशनल डेवलपमेंट कंपनी लि. के बारे में महत्वपूर्ण सूचना को छिपाया है जिसने जांच अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है।
- जब तक निर्यातक संबंधित आयातक द्वारा किए गए भुगतान का पूर्ण साक्ष्य प्रदर्शित नहीं करते हैं तब तक यह निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए कि निर्यात कीमत की पुष्टि दावा की गई सीमा तक नहीं की गई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने अपना वाणिज्यिक उत्पादन 22 अप्रैल, 2008 को शुरू किया था और जांच अवधि अप्रैल, 2008 से सितंबर, 2009 तक की है। इस इकाई ने अपने लेखा परीक्षित लेखों, परियोजना रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों में यह सूचना दी है कि इसकी क्षमता 50,000 मी.ट. है। परियोजना रिपोर्ट में कंपनी द्वारा प्रदत्त व्यारों से यह देखा जाता है कि उसने दो कलैंडर लाइनें स्थापित की हैं जिनकी क्षमता 330 दिन के लिए 3 पारी आधार पर 115 मिलियन वर्ग मी. तैयार उत्पादों का उत्पादन करने की है। फिल्म की मोटाई का औसत भाग 435 ग्राम प्रति वर्ग मी.ट. के रूप में लेते हुए मी.ट. के रूप में संयंत्र की क्षमता की गणना 50,000 मी.ट. वार्षिक के यथ में की गई थी।

38. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संयंत्र की क्षमता उत्पादित उत्पाद के भार और वर्ग मी.ट. पर निर्भर होती है और किसी भी मापदंड में कोई परिवर्तन किए जाने से संयंत्र की क्षमता में परिवर्तन आ जाएगा। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने 277 ग्राम प्रति वर्ग मी.ट. की औसत मोटाई के 35.9 मिलियन वर्ग मी.ट. के तैयार उत्पादों का उत्पादन किया है। चूंकि उत्पादित उत्पाद समान और समनुरूप नहीं है और स्थापित क्षमता की घोषणा करते समय तथा प्रस्तुत अनुमान और वास्तविक उत्पादन के अनुमानों में भारी अंतर है, इसलिए जांच अवधि के दौरान स्थापित क्षमता का समाधान उत्पादों के वास्तविक मिश्रण के संबंध में किए जाने की जरूरत है।

39. इस प्रकार पुनः निर्धारित क्षमता 31890 मी.ट. वार्षिक बनती है और जांच अवधि के दौरान वास्तविक क्षमता उपयोग 50,000 मी.ट. वार्षिक की मूल घोषित क्षमता के आधार पर 13.81% की तुलना में 21.64% बनती है।

40. प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि प्रवेश बिल और अन्य संगत दस्तावेजों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने दो कलेंडर मशीनों, अन्य संबद्ध मशीनों तथा 3 लेमिनेटरों की खरीद वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत से पूर्व तथा जांच अवधि के दौरान की थी (न कि दो लेमिनेटरों की जैसा कि विरोधी पक्षकारों ने दावा किया है)। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने यह दर्शाते हुए सनदी लेखाकारों का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया है कि उसने वस्तुतः 22 अप्रैल, 2008 को 3 लेमिनेटरों का उपयोग किया था। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान 220-560 जी एस के विचाराधीन उत्पाद की आपूर्ति की थी।

41. सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने यह भी पाया था कि वर्ष 2007 में खरीदा गया लेमिनेटर काम नहीं कर रहा था। घरेलू उद्योग ने स्पष्ट किया कि यह विशिष्ट लेमिनेटर उच्च जी एस एम उत्पाद के लिए उपयुक्त है और बाजारी परिदृश्य में परिवर्तन होने के कारण उच्च जी एस एम उत्पाद की मांग में गिरावट आई है, इसलिए इस लेमिनेटर को न्यून जी एस एम उत्पादों के विनिर्माण हेतु उपयुक्त बनाने के लिए परिवर्तित किया जा रहा है।

42. आगे प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के पश्चात निम्न जी एस एम के लिए आयातित चौथे लेमिनेटर पोस्ट की खरीद की है एवं उसकी संस्थापना की है, जिसे मौके पर सत्यापन के दौरान प्रचालनात्मक पाया गया था।

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने सर्वप्रथम सितंबर, 2009 में डी जी ए डी को पाटनरोधी संबंधी एक आवेदन प्रस्तुत किया था जबकि कंपनी ने दिनांक 22 अप्रैल, 2008 से वाणिज्यिक उत्पाद शुरू किया है। अतः प्राधिकारी का यह तर्क कि घरेलू उद्योग में उत्पादन का प्रारंभ अप्रैल, 2008 से हुआ था तथा पाटनरोधी जांच शुरू करने संबंधी आवेदन भी उसी महीने (अप्रैल, 2008) में दायर किया गया था, निराधार है।

44. प्राधिकारी ने मांग, बाजार हिस्से तथा बिक्री का निर्धारण करते समय वास्तविक संख्या पर विचार किया है।

45. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि जांच की अवधि एवं क्षति अवधि समान नहीं हो सकती है और प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई 18 महीने की अवधि गलत है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नियमों के अंतर्गत जांच की अवधि को 18 महीने मानने के लिए कोई निषेध नहीं है।

46. आगे प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमों अथवा डब्ल्यू टी ओ के पाटनरोधी करार में जांच की अवधि तथा क्षति की अवधि के लिए कोई विशिष्ट अवधि का उल्लेख नहीं किया गया है। यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी प्रत्येक मामले की जांच अवधि आधारित अपेक्षाओं के आधार पर 6 महीने से 18 महीने के बीच की अवधि पर विचार करते रहे हैं। वर्तमान मामले में तथियों, विशेष रूप से इस तथ्य कि वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग ने अप्रैल, 2008 में ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है, पर विचार करते हुए 18 महीने की जांच अवधि को उचित माना गया है।

47. जहां तक इस तर्क का संबंध है, कि यह जांच व्यापार नोटिस सं. 2/2004 के अनुसार नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि से पूर्व 3 वर्षों के आंकड़े उपलब्ध करवाने की अपेक्षा वास्तविक हास का दावा करने वाली याचिकाओं के मामले में लागू नहीं होगी ।

48. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि प्रारंभिक जांच के दौरान, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह जानकारी उपलब्ध कराई है कि पाटन कब शुरू हुआ है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने याचिका के गोपनीय तथा अगोपनीय दोनों ही रूपांतरों में पाटन से संबंधित संगत सूचना उपलब्ध कराई है ।

49. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि डब्ल्यू टी ओ के 2008 के प्रस्ताव के अनुसार जिसमें यह कहा गया है कि कोई उद्योग किसी भी परिस्थिति में एक स्थापित उद्योग नहीं माना जाएगा जब तक स्थापित उत्पादकों की समग्र उत्पादन क्षमता घरेलू मांग के 10% से अधिक न हो, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रस्ताव अब तक पाटनरोधी करार एवं पाटनरोधी नियमों का हिस्सा नहीं है ।

50. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि यदि घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो तो क्षति अथवा लागत सामान्य शुरुआती समस्याओं का परिणाम होते हैं । प्राधिकारी ने मामले की जांच की है और वह नोट किया है कि क्षति का दावा शुरुआती समस्याओं के कारण नहीं है ।

51. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि दक्षिण कोरिया से आयात की मात्रा उल्लेखनीय होने के बावजूद वर्तमान जांच में उस पर विचार नहीं किया गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के लगभग 93% आयात संबद्ध देश से किए गए हैं । यद्यपि, कोरिया से आयात न्यूनतम सीमा से अधिक है, तथापि कीमतें संबद्ध देश की कीमतों की तुलना में काफी अधिक हैं ।

52. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि मांग एवं आपूर्ति के बीच अंतर है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण से आयात किसी भी प्रकार से बाधित नहीं होंगे अतः इससे घरेलू उपभोक्ताओं के उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

53. जहां तक बीजक के निम्न निर्धारण के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि बीजक का निम्न निर्धारण सीमाशुल्क अधिनियम और अन्य संगत अधिनियमों के अंतर्गत एक अपराध है और डी जी ए डी के अधिदेश से परे है ।

54. जहां तक इस मामले में क्षति की अवधि के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसे मामले में जहां जिस घरेलू उद्योग से आंकड़े एकत्र किए जा रहे हैं वह एक कमतर अवधि से प्रचालनरत है, क्षति विश्लेषण हेतु आंकड़ों के संग्रहण की अवधि, तीन वर्ष से कम होनी चाहिए । तथापि ऐसे मामले में क्षति अवधि में पाटन संबंधी जांच हेतु आंकड़ों के संग्रहण की पूरी अवधि शामिल होनी चाहिए, जिसका इस मामले में भी अनुपालन किया गया है । इस मत की पुष्टि मई, 2000 की पाटनरोधी पद्धतियों संबंधी डब्ल्यू टी ओ की समिति द्वारा भी की गई है ।

55. प्रकटन विवरण के बाद कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया कि पाटनरोधी शुल्क यदि कोई हो, संदर्भ कीमत आधार पर लगाया जाना चाहिए। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह अनुरोध किसी पर्याप्त साक्ष्य से रहित था। इसके अलावा केन्द्र सरकार द्वारा नियत शुल्क आधार पर अनंतिम शुल्क लगाया गया था और प्राधिकारी अन्यथा संस्तुति करने का कोई कारण नहीं पाते हैं।

56. घरेलू उद्योग के निष्पादन की तुलना करने के लिए प्राधिकारी ने केवल परियोजना रिपोर्ट पर भरोसा नहीं किया है। घरेलू उद्योग के निष्पादन का निर्धारण विभिन्न आर्थिक मापदंडों और सत्यापित आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

57. जैसा कि उल्लेख किया गया है, घरेलू उद्योग के पास जांच अवधि के दौरान 3 लेमिनेटर प्रचालनरत थे। प्राधिकारी ने सत्यापन और घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए तकनीकी आंकड़ों के आधार पर दोनों लेमिनेटरों की गति पर विचार किया है और यह पाया है कि घरेलू उद्योग वाणिज्यिक उत्पादन से पूर्व स्थापित दोनों नए लेमिनेटिंग मशीनों के उपयोग से संबद्ध वस्तु के 97.3 मिलियन वर्ग मी. या 27,000 मी.ट. (277 जी एस एम पर आधारित) वार्षिक का अधिकतम उत्पादन करने में सक्षम है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग के पास एक और ऐसी लेमिनेटिंग मशीन थी, जो संबद्ध वस्तु के उच्च जी एस एम का उत्पादन करने में सक्षम थी। अतः प्राधिकारी ने यह पाया है कि यद्यपि दोनों लेमिनेटिंग मशीनों की स्थापित क्षमता पर विचार किया जाए तो घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग लगभग 25 प्रतिशत होगा और इसलिए इस जांच परिणाम में किए गए क्षति विश्लेषण पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

58. प्रकटन विवरण के बाद विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया कि उचित क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए स्थानीय उत्पाद शुल्क अथवा आयातों पर लगाया गया समतुल्य शुल्क अर्थात् सी वी डी पर विचार कर व्यापार के समान स्तर पर दोनों की तुलना और पहुंच मूल्य की गणना करना आवश्यक है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रदत्त उत्पाद शुल्क छूट का लाभ उद्योगों की क्षति पूर्ति करने और उसे पुनः प्रोत्साहित करने के लिए होता है ताकि वे भौगोलिक रूप से लाभकारी क्षेत्रों में स्थापित हो सकें। अतः प्राधिकारी ने यह पाया है कि पहुंच मूल्य की गणना करते समय ऐसे शुल्कों को नहीं लिया जा सकता।

४. पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु पद्धति

बाजार अर्थव्यवस्था के दावे

घरेलू उद्योग के अनुरोध

59. बाजार अर्थव्यवस्था के दावे के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं :
- प्राधिकारी द्वारा चीन एवं चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का हकदार नहीं माना जाएगा; जब तक कि एक या अधिक चीनी उत्पादक यह स्थापित नहीं करते हैं कि वे बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के हकदार हैं।
 - बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक उत्तर देने वाला प्रत्येक नियातक निम्नलिखित सभी शर्तों को पूरा न करता हो :

- i. यदि कोई एक प्रमुख हितबद्ध पक्षकार राज्य के स्वामित्व वाली/नियंत्रण वाली कंपनी है तो उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता ।
 - ii. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक चीन के निर्यातक यह स्थापित नहीं करते हैं कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं ।
 - iii. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक उत्तर देने वाले निर्यातक यह स्थापित नहीं करते हैं कि उनके बही खातों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखा परीक्षा मानदंडों के अनुसार की गई है ।
 - iv. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक यदि कोई एक मानदंड भी संतोषजनक ढंग से पूरा नहीं किया जाता तो बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है ।
 - v. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि उत्तर देने वाली कंपनी तथा उसका समूह समग्र रूप से बाजार अर्थव्यवस्था का दावा न करे । यदि समूह में भागीदारी एक या अधिक कंपनियों ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है तो बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे संबंधी दावे को अस्वीकार किया जा सकता है ।
 - vi. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि परिवर्तन की प्रक्रिया को दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ पूरी तरह स्थापित नहीं किया जाता ।
- ई यू द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान करना निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए अनिवार्य नहीं है ।
- कंपनी के विशिष्ट सामान्य मूल्य का प्रश्न उसी स्थिति में उठाया जाएगा यदि चीन की कंपनियां यह स्थापित करने में समर्थ रहती हैं कि वे बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के हकदार हैं ।

निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

60. बाजार अर्थव्यवस्था दावे के संबंध में निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं :

- ऐसे ई टी दावों तथा सामान्य मूल्य के परिकलन से पूर्ण रूप से वंचित किया जाना गलत है ।

प्राधिकारी द्वारा निर्धारित "असंभव मानकों" के आधार पर निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था के दावों को खारिज किया जाना गलत है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाइनरोधी जांचों में चीन जन गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । अतः पाइनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त नियमों के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त अनुमान के खंडन के अधीन है ।

62. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध । के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं । चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

(क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बहु खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

छ.1 झेजियांग बोटाई प्लास्टिक कं. लि.

63. अनंतिम जांच परिणामों के पश्चात, उत्पादक एवं निर्यातक के परिसर में मौके पर सत्यापन किया गया था । कंपनी द्वारा टिप्पणियां प्रस्तुत किए जाने का अनुरोध करते हुए एक विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी । विशेष रूप से कंपनी से उनके निवेदन में मौजूद विभिन्न कमियों के बारे में तथा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार हेतु उनके दावे के समिन में कंपनी द्वारा संगत रिकॉर्ड प्रस्तत नहीं कर पाने के बारे में पूछा गया था ।

64. प्रकटन विवरण के बाद संबद्ध कंपनी ने यह बताया कि सत्यापन दल ने कई दस्तावेज मांगे परंतु वे उनके लिए उपलब्ध कराना वास्तविक रूप से संभव नहीं थे । प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध कंपनी से प्राप्त टिप्पणियां अपूर्ण, अस्पष्ट हैं अतः स्वीकार्य नहीं हैं । विशेष रूप से कंपनी पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में उल्लिखित पूर्वानुमानों का खंडन करने में समर्थ नहीं रहे थे क्योंकि वे सत्यापन के समय पर बाजार अर्थव्यवस्था के पूर्वानुमानों के खंडन के लिए अपेक्षित संगत रिकॉर्ड

प्रस्तुत नहीं कर पाए थे। उपर्युक्त कारणों के मद्देनज़र, प्राधिकारी ने संबद्ध कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है।

छ.2 हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (झांगजियांग) कं. लि.

65. प्राधिकारी की समुक्तियां निम्नानुसार हैं :-

- प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत उत्तर के अनुसार मै. हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (झांगजियांग) कं. लि. वर्ष 2008 में स्थापित हेटेक्स ब्रांश जी एम बी एच, जर्मनी के 100% स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है।
- प्राधिकारी द्वारा आंकड़ा के सत्यापन के बाद संबद्ध देश द्वारा प्रस्तुत सूचना से प्राधिकारी की जानकारी में यह बात आई है कि कंपनी ने कुछेक कंपनियों अर्थात् मै. हैनिंग टियानचांग प्लास्टिक्स फैब्रिक कं. लि., मै. हैंजिंग गैंगलॉंग निटिंग क्लोद्स कं. लि. इत्यादि जैसी कुछेक कंपनियों जो वर्तमान जांच में प्रतिवादी हैं और उन्हें प्राधिकारी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था घोषित किया गया है से प्रमुख कच्ची सामग्री की अत्यधिक मात्रा में खरीद की है।
- मै. झेजियांग गैंगलॉंग न्यू मैटीरियल कं. द्वारा प्रस्तुत उत्तर में यह कहा गया था कि मई, 2009 से पूर्व कंपनी को मै. हैंजिंग गैंगलॉंग निटिंग क्लोद्स कं. लि. के नाम से जाना जाता था। इसके अलावा मै. झेजियांग गैंगलॉंग न्यू मैटीरियल कं. लि. के संबंध में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह स्पष्ट है कि यह कंपनी मै. हैंगजिन गैंगलॉंग निटिंग क्लोद्स कं. लि. के नाम से भी जानी जाती है। संबद्ध कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई कई सूचना के अनुसार उन्होंने मै. झेजियांग गैंगलॉंग न्यू मैटीरियल कं. लि. (मै. हैंजिंग गैंगलॉंग निटिंग क्लोद्स कं. लि.) से अन्य आपूर्तिकर्ताओं की कीमत से कम कीमत पर पी वी सी फिल्स की अत्यधिक मात्रा में खरीद की है।
- उन्होंने चीन में हैनिंग टियानचांग प्लास्टिक फैब्रिक कं. लि. नामक एक कंपनी से अत्यधिक मात्रा में पॉलिएस्टर मेश की खरीद की है। यह नोट किया गया है कि यह कंपनी और कोई नहीं बल्कि मै. झेजियांग टियानचांग प्लास्टिक फैब्रिक कं. लि. है जो वर्तमान जांच में एक प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक है जिसे प्राधिकारी द्वारा गैर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया गया है।

66. प्रकटन विवरण के बाद संबद्ध कंपनी ने यह बताया कि जिस आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध कंपनी के एम ई टी दावे को रद्द किया है, वह तथ्यतः गलत और विधितः अस्वीकार्य है। तथापि, संबद्ध कंपनी ने प्राधिकारी के इस अभिमत का खंडन नहीं किया है कि उसने गैर-बाजारी स्रोतों से पर्याप्त मात्रा में कच्ची सामग्री की खरीद की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध कंपनी ने निर्णायक रूप से और पर्याप्तः यह सिद्धनहीं किया है कि गैर बाजारी स्रोतों से संबद्ध कंपनी द्वारा खरीदी गई कच्ची सामग्री पर गैर बाजारी शक्तियों का प्रभाव नहीं पड़ता है। उपर्युक्त के मद्देनज़र, प्राधिकारी ने मै. हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (झांगजियांग) कं. लि. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है।

छ.3 शंघाई एन ए आर इंडस्ट्रियल कं. लि. तथा शंघाई इन्फ्लैक्स सिगारेज कं. लि.

67. प्राधिकारी की समुक्तियां निम्नानुसार हैं :

- शंघाई एन ए आर इंडस्ट्रियल कं. लि., शंघाई इन्फ्लैक्स साइनेज कं. लि. की मूल कंपनी है। मूल कंपनी द्वारा ऐसे इटी का दावा प्रस्तुत नहीं किया है।
- यह दावा किया गया था कि शंघाई एन ए आर की स्थापना वर्ष 2005 में की गई थी। सबसे पहले संस्था के अंतर्नियम 20 अक्टूबर, 2005 को ही किया गया था। इसके बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कोई संतोषप्रद उत्तर नहीं दिया था। अतः कंपनी के सी वी आर.जिसे स्वयं कंपनी के शुरू किए जाने से पूर्व जारी किया गया था, की प्रमाणिकता;

68. अनन्तिम जांच परिणामों के पश्चात, उत्पादक एवं निर्यातक के परिसर में मौके पर सत्यापन किया गया था। कंपनी द्वारा टिप्पणियां प्रस्तुत किए जाने का अनुरोध करते हुए एक विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी। विशेष रूप से कंपनी से उनके निवेदन में मौजूद विभिन्न कमियों के बारे में तथा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार हेतु उनके दावे के सम्बन्ध में कंपनी द्वारा संगत रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर पाने के बारे में पूछा गया था।

69. यह नोट किया गया है कि सत्यापन रिपोर्ट के संबंध में संबद्ध कंपनी से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है। विशेष रूप से कंपनी पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में उल्लिखित पूर्वानुमानों का खंडन करने में समर्थ नहीं रहे थे क्योंकि वे सत्यापन के समय पर बाजार अर्थव्यवस्था के पूर्वानुमानों के खंडन के लिए अपेक्षित संगत रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर पाए थे। प्रकटन विवरण के बाद संबद्ध कंपनियों ने किसी पर्याप्त समर्थकारी दस्तावेजों को प्रस्तुत किए बिना अपने बाजार अर्थव्यवस्था के दावे को दोहराया। उपर्युक्त कारणों के मद्देनजर, प्राधिकारी ने संबद्ध कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है।

छ.4. झेजियांग तियानचाँग प्लास्टिक फैब्रिक कं0 लिं

70. अनन्तिम जांच परिणामों के बाद उत्पादक एवं निर्यातक के परिसर में मौके पर सत्यापन किया गया था। पूर्व सूचना के बावजूद कम्पनी ने अपेक्षित दस्तावेज सत्यापन हेतु तैयार नहीं रखे थे। इसके अतिरिक्त, लागत निर्धारण से संबंधित दस्तावेज सत्यापन हेतु प्रस्तुत ही नहीं किए गए थे। संबद्ध कंपनी ने वर्ष 2004 में चीनी विदेशी संयुक्त उद्यम के रूप में स्थापना का दावा किया था। तथापि कम्पनी द्वारा सत्यापन दल को उपलब्ध कराई गई उत्पाद विवरणी में यह देखा गया था कि कम्पनी की स्थापना वर्ष 2002 में 'ऐ ई सी (झेजियांग तियान चाँग) प्लास्टिक फैब्रिक कंपनी लिं' के नाम से की गई थी। इसके अतिरिक्त अधिकारियों के साथ वार्तालाप के दौरान सत्यापन दल की जानकारी में यह भी आया था कि कम्पनी की स्थापना मूल रूप से वर्ष 1994 में की गई थी। वेब आधारित सूचना से प्राधिकारी

यह नोट करते हैं कि कंपनी की स्थापना मूल रूप से वर्ष 1997 में की गई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम्पनी के गठन एवं उसकी प्रगति को स्थापित करने के लिए कोई भी उपलब्ध सूचना विश्वसनीय प्रतीत नहीं होती है।

71. कम्पनी से उसकी टिप्पणियाँ मांगते हुए एक विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट कम्पनी को जारी की गई थी। विशेष रूप से कम्पनी से उसके अभ्यावेदनों में पाई गई विभिन्न कमियों के बारे में और इस तथ्य के बारे में पूछा गया था कि कम्पनी बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के अपने दावे के समर्थन में संगत रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर पाई थी।

72. प्रकटन विवरण के बाद संबद्ध कंपनी ने यह बताया कि सत्यापन दल ने कई दस्तावेज मांगे परंतु वे उनके लिए उपलब्ध कराना वास्तविक रूप से संभव नहीं थे। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध कम्पनी से प्राप्त टिप्पणियाँ अपूर्ण, अस्पष्ट और संतोषप्रद नहीं थीं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि कम्पनी ने सत्यापन के लिए लागत निर्धारण संबंधी दस्तावेजों सहित अपेक्षित दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए थे। इसके अतिरिक्त, कम्पनी के उद्गम एवं प्रगति को पर्याप्त वास्तविक साक्ष्य एवं रिकॉर्ड से प्रमाणित नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध कम्पनी प्राप्त के स्रोत एवं आपूर्तिकर्ताओं को अपेक्षित भुगतान के विवरणों के साथ अपनी स्थापना के समय से उनके द्वारा अधिग्रहीत अचल परिसम्पत्तियों का ब्यौरा प्रस्तुत करने में असफल रही थी।

73. विशेष रूप से कम्पनी पाटनरोधी नियमों के अनुबंध। क्रे पैरा 8(3) के अंतर्गत उल्लिखित परिकल्पनाओं का खंडन करने में असफल रही थी क्योंकि वह सत्यापन के समय बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पनाओं का खण्डन करने के लिए अपेक्षित संगत रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर पाई थी। उपर्युक्त कारणों की वृच्छि से प्राधिकारी संबद्ध कम्पनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं करते हैं।

छ.5 झेजियांग युली प्लास्टिक कं0 लि0

74. मै0 झेजियांग युली प्लास्टिक कं0 लि0 जिसका मूल नाम हायनिंग युली प्लास्टिक कं0 लि0 था, ने मूल रूप से 11 नवम्बर, 2005 को सीमित देयता कम्पनी के रूप में स्थापना का दावा किया था। संबद्ध कम्पनी के प्रमुख शेयरधारक जिन्होंने नकद में निवेश किया है, वर्तमान जांच में अन्य उत्तरदाता गैर-बाजार अर्थव्यवस्था कम्पनी के कर्मचारी हैं। प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद उत्पादक एवं नियांतक के परिसरों में मौके पर सत्यापन किया गया था। कम्पनी से उसकी टिप्पणियाँ मांगते हुए विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी। विशेष रूप से कम्पनी से उसके अभ्यावेदनों में पाई गई विभिन्न कमियों के बारे में और इस तथ्य के बारे

में पूछा गया था कि कम्पनी बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के अपने दावे के समर्थन में संगत रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर पाई थी।

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध उत्पादक/निर्यातक से अत्यधिक विलम्ब से प्राप्त टिप्पणियाँ अपूर्ण, अप्रासंगिक, अस्पष्ट हैं और इसलिए स्वीकार्य नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अधिकांश शेयरधारक दूसरी उत्तरदाता गैर-बाजार अर्थव्यवस्था कंपनी से जुड़े हुए हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि संबद्ध कम्पनी ने दूसरी उत्तरदाता गैर-बाजार अर्थव्यवस्था कंपनी से प्रमुख कच्ची सामग्रियों की बड़ी मात्रा प्राप्त की थी। इसके अतिरिक्त, शेयरधारिता और आय विवरणी के रूप में कंपनी के वित्तीय लेखों में अनियमितता पाई गई थी। विशेष रूप से कम्पनी पाटनरोधी नियमों के अनुबंध। के पैरा 8(3) के अंतर्गत उल्लिखित परिकल्पनाओं का खंडन करने में असफल रही थी क्योंकि वह सत्यापन के समय बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पनाओं का खण्डन करने के लिए अपेक्षित संगत रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर पाई थी। उपर्युक्त कारणों की दृष्टि से प्राधिकारी संबद्ध कम्पनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं करते हैं। प्रकटन विवरण के बाद संबद्ध कंपनी ने प्राधिकारी के अभिमत का खंडन किया और अपने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को दोहराया। तथापि, संबद्ध कंपनी के तर्क किसी समस्तकारी दस्तावेजी साक्ष्य से रहित थे। संबद्ध कंपनी ने प्राधिकारी के इस अभिमत का खंडन नहीं किया है कि उसने गैर बाजारी स्रोतों से पर्याप्त मात्रा में प्रमुख कच्ची सामग्री की खरीद की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध कंपनी ने निर्णयक रूप से और पर्याप्त: यह सिद्धनहीं किया है कि गैर बाजारी स्रोतों से संबद्ध कंपनी द्वारा खरीदी गई कच्ची सामग्री पर गैर बाजारी शक्तियों का प्रभाव नहीं पड़ता है। उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी ने मे. झेजियांग यूली प्लास्टिक कं. लि. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है।

छ.6 झेजियांग हैलाइड न्यू मैटैरियल कं0 लि�0

76. प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद उत्पादक एवं निर्यातक के परिसरों में मौके पर सत्यापन किया गया था। कम्पनी से उसकी टिप्पणियाँ मांगते हुए विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी। विशेष रूप से कम्पनी से उसके अभ्यावेदनों में पाई गई विभिन्न कमियों के बारे में और इस तथ्य के बारे में पूछा गया था कि कम्पनी बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के अपने दावे के समर्थन में संगत रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर पाई थी।

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध कम्पनी से प्राप्त टिप्पणियाँ अपूर्ण, अस्पष्ट और संतोषप्रद नहीं थीं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि कम्पनी ने सत्यापन के लिए लागत निर्धारण संबंधी दस्तावेजों सहित अपेक्षित दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए थे। विशेष रूप से कम्पनी पाटनरोधी नियमों के अनुबंध। के पैरा 8(3) के अंतर्गत उल्लिखित परिकल्पनाओं का

खंडन करने में असफल रही थी क्योंकि वह सत्यापन के समय बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पनाओं का खण्डन करने के लिए अपेक्षित संगत रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर पाई थी। उपर्युक्त कारणों की दृष्टि से प्राधिकारी संबद्ध कम्पनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं करते हैं। प्रकटन विवरण के बाद संबद्ध कंपनी ने अपने बाजार अर्थव्यवस्था के दावे को दोहराया। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने इस तथ्य का खंडन नहीं किया है कि उसने गैर-बाजारी स्रोतों से प्रमुख कच्ची सामग्री की खरीद की है। इसके अलावा, गैर-बाजार दर्ज का प्रकटन पश्चात खंडन संतोषजनक नहीं है। उपर्युक्त कारणों से प्राधिकारी संबद्ध कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं करते हैं।

छ.7 सिक्सी लिमिटेड प्लास्टिक वार्ट कं0 लि�0

78. प्राधिकारी द्वारा मौके पर सत्यापन के दौरान सिक्सी लिमिटेड प्लास्टिक वार्ट कं0 लि�0 ने इस आशय का एक लिखित निवेदन प्रस्तुत किया था कि वे एम ई टी दर्ज का दावा छोड़ते हैं। तत्पश्चात बहुत बाद के चरण में संबद्ध कंपनी ने अपने नए कानूनी प्रतिनिधि के जरिए सूचित किया था कि उन्होंने दबाव के अंतर्गत अपना एम ई टी दावा छोड़ा था। प्रकटन विवरण के बाद उन्होंने दोहराया कि उन्होंने एम ई टी दावा छोड़ा नहीं है। तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम्पनी ने सत्यापन के दौरान जानबूझ कर और लेक्चर से अपना एम ई टी दावा छोड़ा था।

छ.8 मै0 गुआँगझोऊ दीमा मेम्ब्रेन स्ट्रक्चर कं0 लि�0 (दीमा)

79. मै0 गुआँगझोऊ दीमा मेम्ब्रेन स्ट्रक्चर कं0 लि�0 जो कि संबद्ध वस्तु का उत्पादक है, ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार हेतु अपना दावा छोड़ दिया है।

छ.9 गुआँगझोऊ हाँग्सिन इकॉनॉमिक डेवलपमेंट कं0 लि�0, चीन जन गण

80. गुआँगझोऊ हाँग्सिन इकॉनॉमिक डेवलपमेंट कं0 लि�0, चीन जन गण ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार हेतु अपना दावा छोड़ दिया है।

झेजियांग गैगलाँग न्यू मैटेरियल कं0 लि�0, चीन जन गण, (गैगलाँग)

81. झेजियांग गैगलाँग न्यू मैटेरियल कं0 लि�0, चीन जन गण, (गैगलाँग) ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार हेतु अपना दावा छोड़ दिया है।

छ.10 मै0 जियाँगयिन नान्वेई प्लास्टिक कं0 लि0, जियाँगयिन, चीन जन गण एवं मै0 जियाँगयिन नान्वेई इंटरनेशनल ट्रेड कं0लि0, जियाँगयिन, चीन जन गण (नान्वेई इंटरनेशनल)

82. मै0 जियाँगयिन नान्वेई प्लास्टिक कं0 लि0, जियाँगयिन (उत्पादक) और मै0 जियाँगयिन नान्वेई इंटरनेशनल ट्रेड कं0लि0, (निर्यातक) ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार हेतु अपना दावा छोड़ दिया है।

ज. न्यूनतम सीमाएँ

83. प्राधिकारी को वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) तथा अन्य गौण स्रोतों से प्राप्त आयात आंकड़ों तथा चीन जन गण के सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा न्यूनतम स्तर से अधिक है।

झ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

घरेलू उद्योग द्वारा निवेदन

84. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में उद्योग के निवेदन निम्नानुसार हैं :-

- केवल भारतीय सीमाशुल्क आंकड़ों से मिलान के बाद ही निर्यातक के आंकड़ों को स्वीकार किया जाना चाहिए।
- समायोजन न की गई वैट लागत के तथ्य को चीनी उत्पादकों द्वारा स्वीकार किया गया है और उसका समायोजन किए जाने की आवश्यकता है।
- संबंधित व्यवसायी पक्षकार के लाभ को घटाया जाना चाहिए। सामान्य मूल्य में एस जी ए तथा लाभ शामिल है जो विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन एवं बिक्री के संबंध में है। व्यवसायी कंपनी केवल उत्पाद की बिक्री का कार्य करती है। अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण में शामिल एस जी ए एवं लाभ वस्तु की बिक्री में शामिल व्यय को दर्शाने के लिए पर्याप्त नहीं है।

- यद्यपि माप की इकाई एस क्यू एम होने पर विभिन्न ग्रेडों की सहयोजी लागत एवं कीमत में काफी अंतर होता है, तथापि यदि माप की इकाई भार हो तो सहयोजी लागत एवं कीमत में अत्यधिक अंतर नहीं होता है।
- किसी भी निर्यातक ने यह स्थापित नहीं किया है कि उत्पाद का भार सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु उपयुक्त मानदण्ड नहीं है।

निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निवेदन

85. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन के संबंध में निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निवेदन निम्नानुसार हैं :-

- उन आधारों को प्रकट किया जाना चाहिए जिन पर तीसरे देश के रूप में कोरिया का चयन किया गया है। कोरियाई सामग्री उस सामग्री से बहुत अलग है जिसका उत्पादन चीनी कंपनियों एवं याचिकाकर्ता द्वारा किया जाता है।
- संबद्ध वस्तु के सभी ग्रेडों के लिए एक ही सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, क्षति रहित कीमत अंगीकार किया जाना अनुचित है। पाटन एवं पाटन मार्जिन का परिकलन त्रुटिपूर्ण है।
- प्राधिकारी ने किलोग्राम के आधार पर शुल्क की सिफारिश की है जबकि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त आंकड़े वर्ग मीटर पर आधारित हैं। माप की सामान्य इकाई के रूप में भार को अपनाया जाना बहुत अनुचित है।
- निर्यात कीमत से बैट के गैर प्रतिपूर्ति योग्य हिस्से को घटाया जाना चाहिए नहीं है।
- पी वी सी के भार तथा फैब्रिक के आधार पर विभिन्न विनिर्देशनों के खपत मानदण्ड में काफी अंतर होता है और अलग-अलग कंपनियों की उत्पाद संरचना अलग-अलग है। इसलिए घरेलू उद्योग के आँकड़ों या अन्य निर्यातकों के मानदण्डों के आधार पर परिकलित सामान्य मूल्य का परिकलन अनुचित है।
- सामान्य मूल्य और क्षतिरहित कीमत के मापदण्ड निर्यातक देश विशिष्ट एवं आयातक देश विशिष्ट होने चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य से संबंधित मुद्दे की जाँच

86. जहाँ तक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से चयन का संबंध है, प्राधिकारी ने जाँच शुरूआत अधिसूचना में इंगित किया था कि आवेदक ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले उपयुक्त तीसरे देश के रूप में दक्षिण कोरिया का प्रस्ताव किया है। तथापि कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह

उल्लेख करते हुए सहोदर देश के रूप में दक्षिण कोरिया की उपयुक्तता पर आपत्ति की है कि दक्षिण कोरिया से आयातित वस्तु मुख्य रूप से मँहगी किस्म की है अर्थात् बैकलिट जबकि चीन द्वारा मुख्य रूप से अपेक्षाकृत सस्ती किस्म का निर्यात किया जाता है अर्थात् फ्रॉटलिट किस्म न तो घरेलू उद्योग और न ही अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को अपेक्षित सूचना उपलब्ध कराई है।

87. विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि संबद्ध वस्तु के सभी ग्रेडों के लिए एक ही सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, क्षति रहित कीमत अंगीकार किया जाना अनुचित है। प्रारंभिक जाँच परिणामों के बाद घरेलू उद्योग ने भी प्राधिकारी से संबद्ध वस्तु के जी एस एम पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन की जाँच करने का अनुरोध किया है। मामले की जाँच की गई है और यह नोट किया गया है कि भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात विभिन्न जी एस एम के अंतर्गत किया गया है और उनका मापन वर्ग मीटर में किया गया है। निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना से यह नोट किया गया है कि यदि संबद्ध वस्तु के जी एस एम पर विचार करते हुए संबद्ध वस्तु के वर्ग मीटर को भार (किग्रा.) में बदला जाता है तो विभिन्न जी एस एम की प्रति किग्रा. कीमत में बहुत अधिक अंतर नहीं आता है।

88. इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी ने किलोग्राम आधार पर शुल्क की सिफारिश की है जबकि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त ऑँकड़े वर्गमीटर आधार पर हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद का भार उसके जी एस एम पर निर्भर करता है। हितबद्ध पक्षकारों ने जी एस एम तथा एस क्यू एम दोनों रूपों में पी यू सी के लिए अपेक्षित ऑँकड़े प्रस्तुत किए हैं और इसी आधार पर भार निकाला गया है और माप की इकाई के रूप में अंगीकार किया गया है।

89. विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि निर्यात कीमत से वैट के गैर प्रतिपूर्ति योग्य हिस्से को घटाया जाना वांछित नहीं है क्योंकि परिशिष्ट। में निर्यातक द्वारा वैट घटक को शामिल किए बिना बुनियादी कीमत की सूचना दिया जाना अपेक्षित होता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वैट में अंतर है जिसका भुगतान क्षति रहित कीमत की गणना करते समय चीन की सरकार को किया गया है। विशिष्ट वैट का चीनी उत्पादक/निर्यातक द्वारा लागत के रूप में बहन किया जाता है और क्षति रहित कीमत का परिकलन करते समय उसका समायोजन किए जाने की आवश्यकता है।

90. विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि पी वी सी के भार तथा फैब्रिक के आधार पर विभिन्न विनिर्देशनों के खपत मानदण्ड में काफी अंतर होता है और अलग-अलग कंपनियों की उत्पाद संरचना अलग-अलग है। इसलिए घरेलू उद्योग के ऑँकड़ों या अन्य

निर्यातकों के मानदण्डों के आधार पर परिकलित सामान्य मूल्य का परिकलन अनुचित है और निर्यात विशिष्ट खपत मानदण्डों का प्रयोग किया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मौके पर सत्यापन के दौरान किसी भी उत्तरदाता निर्यातक ने, इस बात की पुष्टि नहीं की है। इसके अलावा, उत्पाद का भार सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु उपर्युक्त मानदण्ड है।

91. विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि मापदण्ड अर्थात् सामान्य मूल्य और क्षति रहित कीमत आयातक या निर्यातक विशिष्ट नहीं हो सकते हैं बल्कि उन्हें निर्यातक देश विशिष्ट एवं आयातक देश विशिष्ट (भारत) होना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि साझे सामान्य मूल्य एवं क्षति रहित कीमत का परिकलन और निर्धारण नियमों एवं अपनाई जा रही पद्धतियों के अनुसार किया गया है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, पाटन मार्जिन और क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु निर्धारित प्रक्रिया एवं लगातार चली आ रही प्रथा का पालन किया है और उनके निर्धारण हेतु अपनाई गई पद्धति को प्रकट किया गया है।

92. यदि उत्पादकों/निर्यातकों ने प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुरूप एन एम ई अवधारणा का खण्डन किया होता तो प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 9 के अनुसार चीन जन गण के प्रत्येक सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के लिए अलग सामान्य मूल्य निर्धारित किया होता। चूँकि वर्तमान जांच में कोई भी उत्तरदाता उत्पादक/निर्यातक प्राधिकारी के लिए संतोषप्रद सीमा तक एन एम ई अवधारणा का खण्डन नहीं कर पाया है, अतः प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अनुबंध I के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। इस संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 में उपबंधित है कि:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहाँ उचित हो, उचित समय-सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त

प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।

93. संबद्ध देश के उत्पादक/निर्यातक के आँकड़ों के सत्यापन के बाद और उन्हें प्रदान किए गए गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे की दृष्टि से तथा क्योंकि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने किसी उपयुक्त तीसरे देश के आँकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं, प्राधिकारी संगत आँकड़ों के अभाव में नियमों में उपलब्ध तीसरे विकल्प को अंगीकार करने का प्रस्ताव करते हैं जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वारतव में प्रदत्त अथवा प्रदेय कीमत जो उपयुक्त लाभ मार्जिन एवं संबद्ध देश के संबंध में परिकलित रामान्य मूल्य को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित, यदि आवश्यकता हो, हो सहित किसी अन्य उपयुक्त आधार को अंगीकार करने का प्रावधान है। सभी प्रमुख निविष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर विचार करके सामान्य मूल्य परिकलित किया गया है। उत्पादन के इष्टतम स्तर हेतु उचित समायोजनों के बाद सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर अंगीकार की गई परिवर्तन लागत एवं इस जी ए व्यय तथा ब्याज छोड़कर कारखाना द्वारा लागत में 5 प्रतिशत का उचित लाभ मार्जिन जोड़ने के बाद परिकलित सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:-

अम.डा. प्रति किग्रा.

कच्ची सामग्री की लागत	***
परिवर्तन लागत	***
इस जी ए व्यय एवं वित्त लागत	***
लाभ मार्जिन	***
पारकलित सामान्य मूल्य	***

ट. निर्यात कीमत

94. मै0 शंघाई लैंकवन प्लास्टिक्स प्रोडक्ट्स कं0 लि0, चीन तथा मै0 झेजियांग मिंगलांग प्लास्टिक सीमेंट कं0 लि0 चीन को प्रारंभिक जांच परिणाम में अलग-अलग पाटन मार्जिन प्रदान नहीं किया गया था क्योंकि उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए निर्यात आँकड़ों तथा सीमाशुल्क आँकड़ों में असमानता पाई गई थी। यह नोट किया गया है कि दोनों उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रारंभिक जांच परिणाम के पश्चात प्राधिकारी द्वारा जारी अपूर्णता पत्रों का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। प्रकटन विवरण के बाद दोनों कंपनियों ने अलग-अलग पाटन मार्जिन पर जोर दिया। तथापि, उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकरी ने मै0 शंघाई लैंकवन प्लास्टिक्स प्रोडक्ट्स कं0 लि0, चीन तथा

मै0 झेजियांग मिंगलाँग प्लास्टिक सीमेंट कं0 लि0 चीन को अलग-अलग पाटन मार्जिन प्रदान नहीं किया है।

95. तदनन्तर, मै0 झेजियांग मिंगलाँग प्लास्टिक सीमेंट कं0 लि0 ने स्वयं द्वारा प्रस्तावित कीमत वचनबद्धता को स्वीकार करने हेतु प्राधिकारी से अनुरोध किया है। तथापि प्राधिकारी कीमत वचनबद्धता की निगरानी में उपर्युक्त तथ्यों तथा कीमत वचनबद्धता की निगरानी में आने वाली व्यवहारिक कठिनाईयों को देखते हुए कीमत वचनबद्धता के प्रस्ताव को स्वीकार करना उचित नहीं समझते हैं।

96. प्राधिकारी ने निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में मौके पर सत्यापन किया है:

1. हेटेक्स टेक्निकल टेक्सटाइल्स (झांगजियांग) कं0 लि0, चीन।
2. झेजियांग बोटाई प्लास्टिक कं0 लि0, चीन
3. झेजियांग टियानचांग प्लास्टिक फैब्रिक कं0 लि0 चीन
4. मै0 झेजियांग गैंगलाँग न्यू मैटीरियल कं0 लि0, चीन
5. मै0 शंघाई नार इंडस्ट्रियल कं0 लि0 (एन ए आर), चीन (उत्पादक) तथा मै0 शंघाई इंफ्लेक्स साइनेज कं0 लि0, चीन (निर्यातक)
6. मै0 झेजियांग हैलिडे न्यू मैटीरियल कं0 लि0 चीन
7. मै0 गुवांगझौऊ दिमा मेम्ब्रेन स्ट्रक्चर्स कं0 लि0 चीन (उत्पादक) एवं मै0 गुवांगझौऊ हाँगजिन इकोनॉमिक डेवलपमेंट कं0 लि0 चीन (निर्यातक)
8. सिजी लिनयुन प्लास्टिक्स वार्ट कं0 लि0 चीन
9. मै0 झेजियांग यूली प्लास्टिक्स कं0 लि0, चीन
10. जियांगजिन नानवेई प्लास्टिक्स कं0 लि0 चीन (उत्पादक) तथा जियांगजिन नानवेई इंटरनेशनल ट्रेड कं0 लि0 चीन (निर्यातक)

ट.1 झेजियांग बोटाई प्लास्टिक्स कं0 लि0 चीन

97. प्राधिकारी की समुक्तियां निम्नानुसार हैं:

क. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर के साथ प्रस्तुत परिशिष्ट 2 में उल्लिखित विवरण के अनुसार संबद्ध उत्पादक/निर्यातक ने ॥॥। सौदों के जरिए जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के ॥॥। वर्ग मी., (॥। किग्रा.) मात्रा का निर्यात करने का दावा किया है। इन ॥॥। सौदों के संबंध में परिशिष्ट 2 में घोषित कुल सकल बीजक मूल्य ॥॥। अम डॉ है। सत्यापन के

दौरान उन्होंने यह कहते हुए कि उन्होंने चूकवश कुछेक सौदों को सूचित नहीं किया था और यह जानबूझकर नहीं किया गया है संशोधित परिशिष्ट 2 उपलब्ध कराया था। संशोधित परिशिष्ट में उन्होंने ॥॥ सौदों की सूचना दी है जो ॥॥ अम डॉ. की कुल सकल बीजक मात्रा के साथ ॥॥ वर्ग मी (॥॥ किम्बा) का निर्यात बनता है।

ख. मौके पर सत्यापन के दौरान यह देखा गया था कि सत्यापन हेतु प्रस्तुत किए गए वसूली प्रमाण पत्र, बीजक मूल्य के साथ मेल नहीं खाते हैं। सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान उन्हें सीमाशुल्क आंकड़ों का विवरण उपलब्ध कराया था जिसे प्राधिकारी ने आई सी डी तुगलकाबाद से प्राप्त किया था। ये निर्यात भी जांच अवधि के दौरान किए गए थे परंतु यह पाया गया कि सत्यापन दल को प्रस्तुत संशोधित परिशिष्ट 2 में इन निर्यातों को सूचित नहीं किया गया था।

98. सत्यापन रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए संबद्ध उत्पादक/निर्यातक ने कहा है कि आंकड़ों के बेमेल होने पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्त उत्पादक/निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में असमानता है। प्राधिकारी ने आगे यह भी नोट किया है कि उक्त उत्पादक/निर्यातक द्वारा आंकड़ों में असमानता तथा तथ्यात्मक विसंगतियों का संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने झेजियांग बोटाई प्लास्टिक कं0 लि0 को व्यक्तिगत पाठन मार्जिन प्रदान नहीं किया है। प्रकटन विवरण के बाद संबद्ध कंपनी ने यह बताया कि प्राधिकारी ने सत्यापन के बाद उन्हें असमान सूचना/आंकड़े के बारे में ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए थे। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध कंपनी को भेजी गई विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट स्वतः स्पष्ट है।

99. तत्पश्चात संबद्ध कंपनी ने कीमत वचनबद्धता की पेशकश करने की इच्छा व्यक्त की है। तथापि प्राधिकारी ने संबद्ध उत्पादक/निर्यातक द्वारा उपलब्ध आंकड़ों में असमानता, कंपनी के गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रकृति तथा कीमत वचनबद्धता की निगरानी में आने वाली व्यवहारिक कठिनाईयों के मद्देनजर कीमत वचनबद्धता के प्रस्ताव को स्वीकार करना उचित नहीं समझा है।

ट.2 झेजियांग टियानचांग प्लास्टिक फैब्रिक कं0 लि0 चीन

100. प्राधिकारी की समुक्तियाँ निम्नानुसार हैं :

क. यह नोट किया गया है कि प्रोफॉर्मा बीजकों, वाणिज्यिक बीजकों, पैकिंग सूचियों, लदान बिलों, अंतर्देशीय परिवहन एवं अन्य संबद्ध प्रभार हेतु बीजकों सहित मौलिक दस्तावेजों प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए परिशिष्ट 2 में सीमाशुल्क संबंधी अनेक घोषणाओं

को सूचित नहीं किया गया है। इसके अलावा 50 प्रतिशत से अधिक सौदों के लिए वे बीजक तथा बीजक-वार बिक्री भुगतान रसीद/वसूली प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने में असमर्थ रहे हैं। यह भी नोट किया गया था कि आई सी डी तुगलकाबाद में सीमाशुल्क आंकड़ों के अनुसार एक भारतीय आयातक को निर्यात किया गया था परंतु यह पाया गया कि प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत उत्तर में इस निर्यात को सूचित नहीं किया गया था।

- ख. जांच अवधि के दौरान उनके द्वारा भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात काफी कम कीमतों पर किया गया था जिसके लिए भारतीय आयातकों द्वारा कम मूल्यों के प्रविष्टि बिल प्रस्तुत किए गए हैं।
- ग. निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत टिप्पणियों में यह निवेदन किया गया है कि -
- क. सीमाशुल्क घोषणा संबंधी कुछेक दस्तावेजों में सूचित मात्रा एवं मूल्य के आंकड़े असावधानीयश गलत सूचित किए गए हैं।
- ख. कुछेक असूचित बींजकों के अनुसार निर्यातित वस्तुएं विचाराधीन उत्पाद के दायरे में नहीं आती है।

101. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्त उत्पादक/निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए निर्यात संबंधी आंकड़ों में कुछेक सौदों की सूचना नहीं दी गई है और कुछ आंकड़ों में असमानताएं हैं। सत्यापन के समय यह नोट किया गया था कि कंपनी भारतीय आयातकों से प्राप्त भुगतानों के विवरण को दर्शाने में असमर्थ रही है। इसके अलावा, निर्यातक के सत्यापन के दौरान वे सत्यापन के प्रयोजनार्थ मूल निर्यात दस्तावेजों को उपलब्ध कराने में असमर्थ रहे थे। सत्यापन रिपोर्ट के उत्तर में संबद्ध उत्पादक/निर्यातक द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण को अपूर्ण, अस्पष्ट तथा असंतोषजनक पाया गया है। उपर्युक्त के महेनजर प्राधिकारी मै0 झेंजियांग टियानचांग प्लास्टिक फैब्रिक कं0 लि�0 को व्यक्तिगत पाठन मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं। प्रकटन विवरण के बाद संबद्ध कंपनी ने यह बताया कि प्राधिकारी ने सत्यापन के बाद उन्हें असमान सूचना/आंकड़े के बारे में ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए थे। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध कंपनी को भेजी गई विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट स्वतः स्पष्ट है।

102. तत्पश्चात संबद्ध कंपनी ने कीमत वचनबद्धता की पेशकश करने की इच्छा व्यक्त की है। तथापि प्राधिकारी ने संबद्ध उत्पादक/निर्यातक द्वारा उपलब्ध आंकड़ों में असमानता, कंपनी के

गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रकृति तथा कीमत वचनबद्धता की निगरानी में आने वाली व्यवहारिक कठिनाईयों के मद्देनजर कीमत वचनबद्धता के प्रस्ताव को स्वीकार करना उचित नहीं समझा है।

ट.3 मै0 झेजियांग हेलिडे न्यू मैटीरियल कं0 लि, चीन

103. प्राधिकारी की समुक्तियां निम्नानुसार हैं :

- क. रिकॉर्डों के सत्यापन के दौरान उन्होंने परिशिष्ट 2 सहित एक संशोधित उत्तर प्रस्तुत किया था जिसका सकल बीजक मूल्य परिवर्तित दर्शाया गया था। तथापि वे सत्यापन हेतु मूल दस्तावेज उपलब्ध कराने में असमर्थ रहे थे।
- ख. सत्यापन के दौरान परिशिष्ट 2 तथा बीजकों में सूचित विभिन्न सौदों में विसंगतियां देखी गई थी।
- ग. सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि कंपनी सामान्य बैंकिंग प्रणाली से भारतीय आयातकों से प्राप्त भुगतानों के विवरण को दर्शाने में असमर्थ रही है तथा भारतीय सीमाशुल्क पत्तन के आंकड़ों के अनुरूप अपने निर्यात मात्रा के आंकड़ों को प्रस्तुत करने अथवा उसकी पुष्टि करने में भी समर्थ नहीं रही है।

104. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्तर में संबद्ध उत्पादक/निर्यातक द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण अपूर्ण, अस्पष्ट तथा असंतोषजनक है। आगे प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्डों के सत्यापन के दौरान कंपनी सत्यापन हेतु मूल दस्तावेज उपलब्ध कराने में असमर्थ रही है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने मै0 झेजियांग हेलिडे न्यू मैटीरियल कं0 लि0 को व्यक्तिगत प्राटन मार्जिन प्रदान नहीं किया है। प्रकटन विवरण के बाद संबद्ध कंपनी ने यह बताया कि उन्हें पूर्ण भुगतान किया गया है भले ही भुगतान का माध्यम कोई भी हो। तथापि, प्राधिकारी ने यह पाया कि संबद्ध निर्यातक दस्तावेज उपलब्ध करवाकर भारतीय आयातकों से अपेक्षित भुगतान की रसीद उपलब्ध कराने में विफल रहा है। उपरोक्त के मद्देनजर प्राधिकारी मै. झेजियांग हेलाइड न्यू मैटीरियल कं. लि. को अलग पाटन मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं।

ट.4 मै0 गुआंगझौज दिमा मेस्करेन स्ट्रक्चर कं0 लि0 चीन (उत्पादक) तथा मै0 गुआंगझौज हांगजिन इकोनॉमिक डेवलपमेंट कं0 लि0, चीन (निर्यातक)

105. प्राधिकारी की समुक्तियां निम्नानुसार हैं :

क. दिमा के सत्यापन के दौरान प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया था कि हाँगजिन को की गई बिक्रियों के अंतर्गत कुछेक प्रविष्टियां रिकॉर्ड की गई थीं, जिन्हें जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात नहीं किया गया था।

ख. सत्यापन के दौरान निर्यातक से बही खातों की प्रतियां उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था। यह पाया गया था कि चूँकि निर्यातक ने अन्य उत्पादों (गैर संबद्ध सामग्री) का निर्यात किया है इसलिए निर्यातक से प्राप्त सौदा-दर-सौदा भुगतानों में पूरी तरह समानता होना संभव नहीं था।

ग. बही खातों के विश्लेषण से यह पता चला है कि आयातकों के अलावा अन्य पक्षकारों से भी भुगतान प्राप्त हुए हैं अतः संबद्ध वस्तुओं के निर्यात हेतु उठाए गए बीजकों के साथ उनको जोड़ा नहीं जा सकता है।

घ. सत्यापन के दौरान प्राधिकारी के पास उपलब्ध पत्तन आंकड़ों के अनुसार संबद्ध वस्तुओं के बीजक मूल्यों तथा संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्य के अंतर को दर्शाया गया था। परंतु संबद्ध निर्यातक द्वारा दस्तावेजी साक्ष्य के साथ स्पष्टीकरण देते हुए कोई विवरण प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

106. मै0 गुआंगझौऊ दिमा मेम्बरेन स्ट्रक्चर क0 लि0 तथा मै0 गुआंगझौऊ हाँगजिन इकोनॉमिक डेवलपमेंट कं0 लि0 चीन जन गण से प्राप्त टिप्पणियां निम्नानुसार हैं:

- मै0 गुआंगझौऊ दिमा मेम्बरेन स्ट्रक्चर कं0 लि0 तथा मै0 गुआंगझौऊ हाँगजिन इकोनॉमिक डेवलपमेंट कं0 लि0 चीन जन गण ने भारत में आयातकों को संबद्ध तथा गैर संबद्ध दोनों ही वस्तुओं का निर्यात किया है। उनके उत्तर में यह भी इंगित किया गया था कि अतिरिक्त राशि जारी व्यापार हेतु आगामी ३०८० के लिए ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम राशि है। यह भी कहा गया था कि मै0 गुआंगझौऊ दिमा मेम्बरेन स्ट्रक्चर कं0 लि0 तथा मै0 गुआंगझौऊ हाँगजिन इकोनॉमिक डेवलपमेंट कं0 लि0 चीन जन गण ने एक बीजक जारी किया था जिसके लिए आयातक ने अपनी सुविधानुसार भुगतान किया था और उनका निर्यात मूल्य पूर्ण रूप से उनके बीजक के अनुसार तथा चीनी सीमाशुल्क प्राधिकरण को घोषित किए अनुसार ही है।

107. सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि कंपनी भारतीय आयातकों से प्राप्त भुगतानों के विवरण को दर्शाने में असमर्थ रही है तथा भारतीय सीमाशुल्क पत्तन के आंकड़ों के अनुरूप अपने निर्यात मात्रा के आंकड़ों को प्रस्तुत करने अथवा उसकी पुष्टि करने में भी समर्थ नहीं रही है। सत्यापन रिपोर्ट के उत्तर में संबद्ध उत्पादक/निर्यातक द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण को अपूर्ण, अस्पष्ट तथा असंतोषजनक पाया गया है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने संबद्ध निर्यातक को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान नहीं किया है।

ट.5 सिंजी लिनयुन प्लास्टिक वार्ट कं0 लि�0, चीन

108. प्राधिकारी की समुक्तियां निम्नानुसार हैं :

- संबद्ध उत्पादक/निर्यातक ने संशोधित परिशिष्ट 2 को दो बार अर्थात् एक बार प्रारंभिक जांच से पूर्व तथा दूसरी बार संशोधित रूपांतर को प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने से पूर्व प्रस्तुत किया था।
- सत्यापन के दौरान सीमाशुल्क के एकीकृत बीजकों की तुलना में प्राधिकारी को प्रस्तुत परिशिष्ट 2 में सूचित आंकड़ों में गंभीर विसंगतियां पाई गई थी।
- सत्यापन के दौरान वे परिशिष्ट 2 में सूचित सौदों के संबंध में मूल वाणिज्यिक बीजक तथा अन्य संगत दस्तावेज उपलब्ध कराने में असमर्थ रहे थे।
- सत्यापन के दौरान प्राधिकारी द्वारा परिशिष्ट 2 में सूचित सौदों और भारतीय सीमाशुल्क आंकड़ों में गंभीर विसंगतियां पाई गई थी।

109. संबद्ध उत्पादक/निर्यातक की ओर से विलम्ब से प्राप्त टिप्पणियां निम्नानुसार हैं :

- उत्तर देने वाले निर्यातक को सत्यापन हेतु पर्याप्त समय नहीं दिया गया था।
- जनशक्ति (कर्मचारी) एवं कार्यालय परिसर में परिवर्तन के कारण, सत्यापन के समय अपेक्षित आंकड़ों/रिकॉर्डों की व्यवस्था नहीं की जा सकी।

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्डों के सत्यापन के दौरान उन्होंने संशोधित परिशिष्ट 2 उपलब्ध कराया था जिसमें सकल बीजक मूल्य को परिवर्तित दर्शाया गया था। तथापि वे मूल दस्तावेज उपलब्ध कराने में असमर्थ रहे। सत्यापन के दौरान प्राधिकारी द्वारा नोट की गई परिशिष्ट 2 में सूचित विभिन्न सौदों तथा भारतीय सीमाशुल्क आंकड़ों में विसंगतियों के लिए कंपनी द्वारा दस्तावेजी साक्ष्य के साथ कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। उपर्युक्त के

मद्देनजर प्राधिकारी ने सिंजी लिनयुन प्लास्टिक्स वॉर्ट कं0 लि0 को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान नहीं किया है।

111. बांद में तथा प्रकटन विवरण के पश्चात संबद्ध कंपनी ने कीमत वचनपत्र प्रस्तुत करने की अपनी इच्छा व्यक्त की है। तथापि, प्राधिकारी संबद्ध उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में असमानता, कंपनी के गैर बाजार अर्थव्यवस्था के स्वरूप और कीमत वचनपत्र की निगरानी रखने में व्यवहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए कीमत वचनपत्र को स्वीकार करना उचित नहीं समझते हैं।

ट.6 जियांगजिन नानवई प्लास्टिक्स कं0 लि0 चीन (उत्पादक) तथा जियांगजिन नानवई इंटरनेशनल ट्रेड कं0 लि0 चीन (निर्यातक)

112. प्राधिकारी की समुक्तियां निम्नानुसार हैं :

- सभी निर्यात बिक्रियां जियांगजिन नानवई इंटरनेशनल ट्रेड कं0 लि0 (नानवई इंटरनेशनल) नामक एक संबंधित व्यापारिक कंपनी के जरिए की गई थी।
- सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने नोट किया कि अनेक मामलों में भुगतान वस्तुओं के क्रेता से इतर स्रोत से प्राप्त किए गए हैं। सत्यापन के दौरान कंपनी से उन अन्य आयातकों के विषय में पूछा गया था जिन्होंने जांच अवधि के दौरान नानवई से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है। भारतीय सीमाशुल्क पत्तन के आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि नानवई ने अन्य आयातकों को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया था। विशेष रूप से भारतीय सीमाशुल्क पत्तन आंकड़ों के अनुसार अन्य भारतीय आयातकों के बारे में सूचना मांगी गई थी जिन्होंने जांच अवधि के दौरान मै0 नानवई से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया था। कंपनी द्वारा यह सूचित किया गया था कि उनके पास इन आयातकों के विषय में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है और वे उनके ग्राहक नहीं हैं।
- सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि भारत को किए गए कुछेक निर्यात हाँगकाँग के किसी अन्य व्यापारी के माध्यम से किए गए हैं जिसके संबंध में कंपनी द्वारा अपने उत्तर में कोई सूचना अंथवा विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है। सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि मै0 सन ग्लोबल एक ऐसे व्यापारी हैं जिनके भारत को किए गए निर्यात की कीमतों के आंकड़ों की सूचना एवं विवरण प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं कराए गए थे।
- कंपनी को व्यक्तिगत चालानों के लिए भुगतान के सत्यापन करने हेतु ग्राहकवार लेजर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। कंपनी ने बताया है कि वह ग्राहकवार लेजर नहीं

रखती है। इसके बदले दह केवल देशवार लेजर को रखती है। ग्राहकों के व्यक्तिगत खातों की अनुपस्थिति में व्यक्तिगत आयातकों के बारे में वसूली से संबंधित और सत्यापित नहीं किए जा सकते।

- कंपनी के द्वारा सूचित भुगतान के निवंधनों के अनुसार व्यक्तिगत चालानों से संबंधित भुगतान व्यक्तिगत ग्राहकों द्वारा केवल टीटी/डीपी या एलसी बॉन्ड के द्वारा वापस की गई है।

113 १० जियांगजिन नानबेई इन्टरनेशनल ट्रेड कंपनी लि०, चीन से निम्नलिखित टिप्पणी प्राप्त हुई है

- नानबेई इन्टरनेशनल की चिन्ता उस कीमत, जिस पर उन्होंने भारत को वस्तुओं का निर्यात किया तथा उन विक्रयों से समस्त निर्यात प्रक्रियाओं से प्राप्ति पर है। उन्हें इस बात की चिन्ता नहीं कि वह निर्यात कहां से हुए किसको हुए तथा किस ढंग से एवं किस रूप से हुए।
- नानबेई इन्टरनेशनल ने व्यापारियों को हांगकांग में वस्तुओं की बिक्री की है जिन्होंने इसके एकज में भारतीय व्यापारियों को वस्तुओं का निर्यात किया होगा, इसके लिए नानबेई इन्टरनेशनल के पास कोई सूचना उपलब्ध नहीं है।

114 सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया कि कंपनी भारतीय आयातकों से प्राप्त भुगतान के और प्रस्तुत करने में असमर्थ रही है और भारतीय सीमाशुल्क पत्तन आंकड़ों के साथ निर्यात भाया एवं कीमत को प्रस्तुत अथवा पुष्टि करने में भी असमर्थ रही है। उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी संबद्ध निर्यातक को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं। प्रकटन विवरण के बाद संबद्ध उत्पादक/निर्यातक ने यह कहते हुए अलग पाटन मार्जिन के अपने अनुरोध को दोहराया कि समस्त भुगतान प्राप्त हो गए हैं भले ही भुगतान का माध्यम कोई भी हो और उसका आयातकों पर कोई नियंत्रण नहीं है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध निर्यातक का तर्क निराधार है और इसलिए वह संबद्ध निर्यातक को अलग पाटन मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं।

ट.7 सै० झेजियांग गंगलौंग न्यू मटीरियल कं०लि०, चीन पीआर

115. सत्यापन दल के निम्नलिखित विचार हैं :

- सत्यापन के दौरान कंपनी यह स्थापित नहीं कर सकी कि उसने भारत से सामान्य बैंकिंग बैनल के जरिए अपने कुल चालान राशि के लिए भारतीय आयातकों से भुगतान प्राप्त किया है। कुछ मामलों में यह नोट किया गया कि भुगतान भारत से इतर देश अथवा

भारतीय आयातकों से अन्य सत्ता से प्राप्त किया गया और कई सौदों के मामले में चालान संख्या भी प्राप्त नहीं हो सके ।

- कंपनी व्यक्तिगत चालानों के बदले भुगतान के सत्यापन के लिए ग्राहकवार लेजर प्रस्तुत नहीं कर सकी ।
- अनुबंध 2 में दर्ज कुछ सौदे भारत को निर्यात के दौरान रास्ते में व्यापारी के भेज दिए गए लेकिन निर्यातक ने भारतीय आयातकों द्वारा किए गए इन भुगतानों की कीमत के संबंध में व्यौरे प्रस्तुत नहीं किए हैं । भारतीय आयातकों को इन व्यापारियों की निर्यात कीमत के संबंध में प्राधिकारी को भी कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई ।
- भारतीय ग्राहकों को संबद्ध वस्तु का निर्यात काफी कम कीमत पर की गई ।

116. मै0 झेजियांग गैंगलौंग न्यू मटीरियल कं0 लि0 चीन पी आर से निम्नलिखित टिप्पनी प्राप्त हुई है :

- मै0 झेजियांग गैंगलौंग न्यू मटीरियल कं0 लि0 केवल उनके द्वारा प्राप्त भुगतान से संबद्ध है न कि इससे कि इसका भुगतान विशेष चालान संख्या के द्वारा हुआ या नहीं क्या यह उसी आयातक से आ रहा है या किसी और से तथा क्या इसका भुगतान भारत से हो रहा है अथवा कहीं दूसरी जगह से हो रहा है ।
- सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया कि कंपनी भारतीय आयातकों से प्राप्त भुगतान के व्यौरे प्रस्तुत करने में असमर्थ रही है और भारतीय सीमाशुल्क पत्तन आंकड़ों के साथ निर्यात भाया एवं कीमत को प्रस्तुत अथवा पुष्टि करने में भी असमर्थ रही है । उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी संबद्ध निर्यातक को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं ।

117. संबद्ध उत्पादक/निर्यातक द्वारा दस्तावेजी साक्ष्य के साथ कोई संतोषजनक तर्क प्रस्तुत नहीं किया है । सत्यापन रिपोर्ट और प्रकटन विवरण के उत्तर में दिया गया स्पष्टीकरण अस्पष्ट एवं असंतोषजनक है । उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी संबद्ध निर्यातक को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं ।

118. इसके बाद संबद्ध कंपनी ने उनके द्वारा प्रस्तावित कीमत को स्वीकार करने के विषय में प्राधिकारी से अनुरोध किया । तथापि, प्राधिकारी ने संबद्ध उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में असमानता, कंपनी की गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रवत्ति और कीमत निर्धारण की निगरानी में वास्तविक कठिनाइयों को देखते हुए कीमत में कटौती को स्वीकार करना उचित नहीं समझा है ।

ट.८ शंघाई नार इंड. कंपनी लि. एवं शंघाई इन्फलैक्स साइनेज कंपनी लि.

119. मै. शंघाई नार इंड कंपनी लि. मै. इन्फलैक्स की मूल कंपनी है। यद्यपि, नार संबद्ध वस्तु की उत्पादक और निर्यातक दोनों हैं, तथापि इन्फलैक्स पूर्णतः एक व्यापार कंपनी है। प्रकटन विवरण के बाद प्राधिकारी की जानकारी में यह बात आई है कि एक कंपनी अर्थात् मै. शंघाई नार इंटरनेशनल डेवलपमेंट कंपनी लि., चीन जन.गण. जिसका वही पता, कंपनी लोगो और वैबसाइट का पता है, जो कि शंघाई नार इंड कंपनी लि. का है, ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया था। तथापि, संबद्ध कंपनी होने के बावजूद शंघाई नार इंटरनेशनल डेवलपमेंट कंपनी लि., चीन जन.गण. ने न तो कोई उत्तर दायर किया है और न ही मै. शंघाई नार इंटरनेशनल डेवलपमेंट कंपनी लि., चीन जन.गण. के बारे में संबद्ध कंपनियों द्वारा दायर उत्तर में कोई ब्लौरा दिया गया है। प्राधिकारी ने संबद्ध कंपनियों से समर्थकारी दस्तावेजों के साथ स्थिति स्पष्ट करने का अनुरोध किया था। उत्तर में यह स्पष्ट किया गया था कि मै. शंघाई नार इंटरनेशनल डेवलपमेंट कंपनी लि., चीन जन.गण. अब 2 जनवरी, 2008 से संबद्ध कंपनी नहीं रही है। अपने दावे के समर्थन में उन्होंने शंघाई नार इंटरनेशनल डेवलपमेंट कंपनी लि., चीन जन.गण. के शेयरधारक संकल्प की अहस्ताक्षरित सील रहित प्रति प्रस्तुत की। तथापि, संबद्ध कंपनियां यह स्पष्ट नहीं कर सकी कि शंघाई नार इंटरनेशनल डेवलपमेंट कंपनी लि., चीन जन.गण. किस प्रकार पता, लोगो और वैबसाइट पते की भागीदारी मै. शंघाई नार इंड कंपनी लि. के साथ कर सकती है। प्राधिकारी उपलब्ध सूचना के अनुसार आगे यह नोट करते हैं कि शंघाई नार इंटरनेशनल डेवलपमेंट कंपनी लि., चीन जन.गण. ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात किया था और ऐसे निर्यातों के लिए भुगतान उसकी कंपनी नार (हांगकांग) कं. लि. को किया जाना था जो मै. शंघाई नार इंड कंपनी लि. की एक संबद्ध कंपनी है। अतः प्राधिकारी यह पाते हैं कि संबद्ध कंपनियों ने अपनी संबद्ध कंपनी और जांच अवधि के दौरान उनके द्वारा भारत को किए गए संबद्ध वस्तु के निर्यातों के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य छिपाए हैं। उपर्युक्त कारणों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मै. शंघाई नार इंड कंपनी लि. और मै. शंघाई इन्फलैक्स साइनेज कं. लि., चीन जन.गण. को पृथक पाटन मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं।

ट.९ हेटेक्स टेक्निकल टेक्सटाइल (झांगजियांगांग) कं० लिमिटेड, चीन

120. मै० हेटेक्स टेक्निकल टेक्सटाइल (झांगजियांगांग) कं० लि�० ने पीओआई के दौरान *** मूल्य के कुल चालान के लिए *** सौदों के जरिए भारत को संबद्ध वस्तुओं के *** मी टन की मात्रा की *** एस्क्यूएम के निर्यात की सूचना दी है। यह निर्यात एफओबी/सीएनएफ आधार पर करने का दावा किया गया है। वैट घाटा, अन्तदेशीय भाड़ा और हैन्डलिंग, कारखाना द्वारा निर्यात कीमत निकालने के लिए सीमाशुल्क फीस हैंडलिंग जैसे अन्य प्रभारों के खातों में समायोजन किया गया है। प्राधिकारी ने प्राधिकारी द्वारा यथा सत्यापित उत्पादन/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत समायोजनों को करने के बाद संबद्ध उत्पादक/निर्यातक के संबंध में निवल निर्यात कीमत (एनईपी) का निर्धारन किया है।

ट.१० झेजियांग युलि प्लास्टिक कं०लि०

121. परिशिष्ट 2 में दिए गए ब्लौरों के अनुसार कंपनी ने *** सौदों के जरिए पीओआई के दौरान भारत को पीयूसी की *** वर्गमी का निर्यात किया। इन 11 सौदों के संबंध में परिशिष्ट 2 में कुल

चालान मूल्य की घोषणा की गई है, जो *** अम0डा0 के हैं। यह निर्यातों का एफओबी/सीआईएफ/आधार पर दावा किया गया है। समुद्री भाड़ा और बीमा; अन्तर्रेशीय परिवहन, वैट और हैंडलिंग प्रभारों के लिए समायोजन किए गए थे। प्राधिकारी ने प्राधिकारी द्वारा यथा सत्यापित और उत्पादक / निर्यातिक द्वारा यथा प्रस्तुत समायोजन करने के पश्चात निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

122. तत्पश्चात और प्रकटन विवरण के बाद संबद्ध कंपनी ने कीमत अभिवचन प्रदान करने के लिए अपनी इच्छा जाहिर की है। तथापि, प्राधिकारी ने कंपनी की गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रवृत्ति और कीमत अभिवचन की निगरानी में वास्तविक कठिनाइयों को देखते हुए कीमत अभिवचन स्वीकार करना उचित नहीं समझा है।

ट.11 असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

123. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) के स्थ में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार उसहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

ठ. पाटनमार्जिन

124. सामान्य मूल्य और निर्धारित निर्यात कीमत जैसे कि ऊपर बताया गया है पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने निम्नानुसार पाटनमार्जिन का निर्धारण किया है;

विवरण	इकाई	हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल (झांगनियांग) कं0लि0, चीन	संघाई नार इंडस्ट्रिय ल कं0लि0	संघाई इनफ्लैक्स सिनेज कं0लि0	झिजियांग युलि प्लास्टिक कं0लि0	अन्य निर्यातक
सामान्य मूल्य	अम0डा0/ किग्रा	***	***	***	***	***
निर्यात कीमत	अम0डा0/ किग्रा	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	अम0डा0/ किग्रा	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	%	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन रेंज	%	1-10	15-25	25-35	40-50	

**ठ. क्षति निर्धारण
घरेलू उद्योग के अनुरोध**

125. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित विचार व्यक्त किए हैं :

- चीन जन गण से हुए आयातों में समग्र स्तर से वृद्धि हुई है और वे उत्पादन एवं खपत की तुलना में काफी अधिक स्तर पर रहे हैं। आयात की मात्रा में उस समय भारी वृद्धि हुई है जब याचिकाकर्ता ने विचाराधीन उत्पाद हेतु नई उत्पादन सुविधाएं शुरू की हैं।
- विचाराधीन उत्पाद के पाठन से भारत में घरेलू उद्योग की स्थापना में वास्तविक खलल उत्पन्न हो रहा है।
- नियमों में स्पष्ट स्तर से क्षति को तीन स्तर दिए गए हैं - वास्तविक क्षति, वास्तविक क्षति का खतरा और घरेलू उद्योग की स्थापना में वास्तविक बाधा। यह तथ्य कि याचिकाकर्ता ने वानिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है यह स्थापित करता है कि इसकी जांच अवधि के भीतर किसी जांच को छोड़कर वर्तमान मामले में वास्तविक क्षति की जांच नहीं की जा सकती है। इस प्रकार या तो हितबद्ध पक्षकार जांच अवधि के साथ साथ क्षति की जांच करने के लिए सहमत हो अथवा इस बात के लिए सहमत हों कि वर्तमान मामले में वास्तविक क्षति की जांच एवं उस पर विचार नहीं किया जा सकता है। पूर्व स्थिति में निष्पादन स्पष्ट स्तर से प्रदर्शित करता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- उन परिस्थितियों में वास्तविक क्षति होने का खतरा मौजूद होता है जहां अभी तक वास्तविक क्षति नहीं है लेकिन हालात ऐसे हों कि कोई आसन्न क्षति का खतरा मौजूद है। इस प्रकार ऐसे मामलों में पिछला इतिहास आवश्यक है। चूंकि याचिकाकर्ता का कोई वर्तमान मामले में वास्तविक क्षति के खतरे की जांच नहीं कर सकते हैं। इस प्रकार वर्तमान मामले में उपयुक्त / संगत क्षति का स्तर केवल घरेलू उद्योग की स्थापना में खलल डालना है।
- देश में मांग में अत्यधिक वृद्धि होने और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन शुरू किए जाने के बावजूद बाजार में पाठित आयातों की मौजूदगी की वजह से घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट आई है।
- आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से काफी कम रही है। इसके अलावा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत उत्पादन लागत से काफी कम है।
- संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का निर्यात उस कीमत से काफी कम कीमत पर किया जा रहा है जिस पर अन्य देशों से भारत में आयात हो रहे हैं।
- कुल सीमाशुल्क जोड़ने के बारे भी भारित औसत आयात कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम रही है जिससे कीमत में भारी कटौती हुई है।
- क्षमता उपयोग में गिरावट आई है और उसके बाद घरेलू उद्योग के उत्पादन बिक्री और बाजार हिस्से में गिरावट आई है जिसकी वजह संदर्भित पाठित आयात रहे हैं। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में ऐसी ही प्रवृत्ति दिखाई दी है।

- लाभप्रदता, नकद प्रवाह और पूँजी पर आय जो संयंत्र की शुरूआत के दौरान सकारात्मक रहे थे, वे संबद्ध देश से हुए आयातों में वृद्धि के कारन जांच अवधि में नकारात्मक हो गए।
- घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में बढ़ती मांग के मद्देनजर विकास करने और स्वयं को स्थापित करने के अवसर से बंचित हुआ और दूसरी ओर घरेलू उद्योग के पास मालसूची का पर्याप्त स्तर बचा हुआ है।
- परियोजना रिपोर्ट के अनुमोदन के संबंध में यह तर्क दिया गया है कि कंपनी की परियोजना रिपोर्ट परियोजना को अंतिम स्तर देने के लिए प्राधिकृत प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित की गई थी। प्राधिकारी को परियोजना रिपोर्ट, अब तक के वास्तविक निष्पादन की जांच करनी चाहिए और निष्पादन के समुचित स्तर के अपने एक बैंचमार्क को स्थापित करना चाहिए कि पाटन की अनुपस्थिति में जिस हद तक घरेलू उद्योग ने पहुंचने की आशा की है।
- हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि जांच की पाटन अवधि और क्षति की अवधि का कोई संबंध नहीं हो सकता, डब्ल्यू टी ओ दिशानिर्देश के अनुसार प्राधिकारी को लम्बी क्षति की अवधि पर विचार करना चाहिए जो इस क्षति के अधीन होगा कि पक्षकार की लम्बी अवधि तक मौजूदगी रही हो। इसके अलावा सुनवाई के समय हितबद्ध पक्षकारों ने यह तथ्य स्वीकार किया कि प्राधिकारी जांच की पाटन अवधि के स्तर में 12 महीने से कम अवधि पर विचार करें तो यह अधिक औचित्यपूर्ण होगा।
- इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि कुछ अवधियों के दौरान आवश्यकता से अधिक आयात किया गया होगा, आयात की मात्रा को त्रैमासिक आधार पर उचित स्तर से प्रदर्शित नहीं किया जा सकता है। प्रस्तुत मामले में खपत के निर्धारण में घरेलू बिक्री और आयातों पर विचार किया गया है। इससे तिमाही के दौरान वास्तविक खपत आशयित नहीं है। तथापि चूंकि वास्तविक खपत का निर्धारण करना कठिन है अतः जांच प्राधिकारियों द्वारा खपत के अंतर्गत आयात जमा घरेलू बिक्री पर विचार किया जाता है। यहां तक कि जब आयातों को भी खपत मान लिया जाए, इस बात पर विचार करना होगा कि ऐसी पद्धति में एक तिमाही में दूसरी की तुलना में मात्रा अधिक अथवा कम दर्शाई जा सकती है।
- इसके अलावा निर्दिष्ट प्राधिकारी जांच अवधि को 6 माह तक सीमित रखने के लिए बाध्य नहीं है। दरअसल, वर्तमान जांच में जांच अवधि को 6 माह निर्धारित करना अधिक उपयुक्त होता। जांच अवधि की तिमाही 5 तथा तिमाही 6 में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में आई गिरावट वास्तविक क्षति को निर्दिष्ट करने के लिए पर्याप्त है, क्योंकि यह न्यूनतम 6 माह की अवधि बनती है।
- घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन दर्शाता है कि कंपनी ने धार्मिक उत्पादन दिनांक 22 अप्रैल, 2008 से प्रारम्भ किया था और जांच अवधि की तिमाही 4 तक अपने उत्पादन में क्रमशः वृद्धि की थी। इससे यह भी सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग अपने आपको स्थापित करने की प्रक्रिया में था। केवल एक नई कंपनी के मामले में ही उत्पादन और बिक्री में लगातार वृद्धि की स्थिति आएगी। पिछले मामलों में भी प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के

निष्पादन पर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन के उत्पादन और बिक्री की सीमा तक ही विचार किया था और इसे वास्तविक गिरावट माना था ।

- जहां तक आंकड़ों के संकलन की अवधि का संबंध है, पाटनरोधी पद्धतियों संबंधी समिति के दिशानिर्देशों के अनुसार यह स्पष्ट है कि प्राधिकारी द्वारा क्षति का आकलन यथा संभव अधिक अवधि हेतु किया जाना चाहिए और ऐसे मामले में जहां घरेलू उद्योग न्यूनतम अवधि से कम अवधि के लिए अस्तित्व में रहा है, घरेलू उद्योग के अस्तित्व की वास्तविक अवधि पर विचार किया जाना चाहिए । मात्र इसलिए कि घरेलू उद्योग अनेक माह तक अस्तित्व में रहा है, इससे यह अभिप्राय नहीं है कि यह वास्तविक क्षति का सामना नहीं बनता है ।
- याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि जांच अवधि की तिमाही 1 तक घरेलू उद्योग का अनुकूलतम से कम निष्पादन, जब याचिकाकर्ता ने 1.08% का उत्पादन स्तर प्राप्त किया था, प्रारम्भिक प्रचालनों का भाग माना जा सकता है । तथापि याचिकाकर्ता द्वारा एक बार 22.27% का उत्पादन स्तर हासिल कर लिए जाने के बाद प्रारम्भिक कारकों की वजह से इसमें गिरावट आने का कोई कारन नहीं बनता है । उत्पादन में तत्पश्चात आई गिरावट पूर्णतः बाजार में पाठित आयातों की उपस्थिति और उत्पाद का उत्पादन करने व बेचने की घरेलू उद्योग की असमर्थता के कारण आई है ।
- डब्ल्यू टी ओ ने 10% के अधिकतम क्षमता उपयोग पर विचार नहीं किया है । डीजीएडी की वैचारिक स्थिति यह थी कि यदि वर्तमान घरेलू उद्योग, मांग की पूर्णतः नहीं करता है तो नई क्षमताओं के वर्धन को घरेलू उद्योग संगठन की वास्तविक कमी समझा जाना चाहिए । यह स्पष्ट है कि डब्ल्यू टी ओ के सदस्य देश 10% की उच्चतम सीमा पर कभी सहमत नहीं थे और यह उचित भी प्रतीत नहीं होता है ।
- हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है कि याचिकाकर्ता की क्षमता केवल 12,500 भी टन प्रति वर्ष है और इसका पूर्णतः उपयोग किया जाता है । याचिकाकर्ता द्वारा धारित क्षमत दावे से कहीं अधिक है । याचिकाकर्ता के पास पूरी भारतीय मांग की पूर्ति करने की क्षमता उपलब्ध है और इस वजह से आयात पूर्णतः अनावश्यक हैं । तथापि देश में इस उत्पाद के पाटन के कारण ये क्षमताएं अप्रयुक्त रहती आई हैं ।
- यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में तिमाही 4 तक वृद्धि हुई थी । घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित बाजार हिस्सा उस स्तर से काफी नीचे है, जिसे वर्तमान क्षमता और बाजार की मांग को देखते हुए एक कंपनी द्वारा हासिल किया जाना चाहिए था । इसके अलावा, तिमाही 4 के बाद बाजार हिस्से में गिरावट आना स्पष्टतः वर्धित पाटन का परिणाम है । घरेलू उद्योग को बिक्री में जो नुकसान हुआ है, वह मांग में गिरावट के अनुपात में कहीं अधिक है ।
- हितबद्ध पक्षकारों ने निवेदन किया है कि यद्यपि इस अवधि के दौरान आयात कीमतों में वृद्धि हुई है, परंतु घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में गिरावट आई है अतः इसमें कारणात्मक संबंध अनुपस्थित है । याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि उसने वाणिज्यिक कार्यकलाप शुरू करने के साथ ही प्रारम्भिक कीमत निर्धारित कर दी थी । जाहिर है कि यह कीमत आयात कीमत से काफी अधिक स्तर पर निर्धारित की गई थी । इसके

परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती हुई। जैसे-जैसे याचिकाकर्ता को उत्पाद की बिक्री में कठिनाई आई और प्रयोक्ताओं द्वारा आयातित सामग्री का प्रयोग किया जाने लगा, याचिकाकर्ता ने ग्राहकों को आकृष्ट करने के उद्देश्य से छूट देने के पैशकश के साथ कीमतों में कमी की और इस प्रकार कीमत कटौती को क्रमशः कम किया।

- जहां तक प्रतिवादी पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि याचिकाकर्ता 2661 मी टन प्रति तिमाही से अधिक उत्पादन नहीं कर सकता है, इसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा हासिल वास्तविक उत्पादन से प्राधिकारी द्वारा इसका सत्यापन किया जा सकता है।
- यहां तक कि जब आयातों का हिस्सा स्थिर था, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में घट-बढ़ होती रही थी। इसके अलावा इस बात का भी कोई प्रमाण नहीं है कि बाजार हिस्सा गंवाए जाने के आधार पर घरेलू उद्योग को नुकसान का सामना करना पड़ा है।
- किसी उद्योग को स्थापना की प्रक्रिया में तब कहा जाता है, जब समान उत्पाद के घरेलू उत्पादन हेतु संसाधनों की वास्तविक एवं व्यापक वचनबद्धता सुनिश्चित की गई हो, जिसका उत्पादन आयातक सदस्य देश के भू भाग में पहले नहीं किया गया था, परंतु वाणिज्यिक मात्रा में उत्पादन अभी शुरून किया गया हो।
- वास्तविक गिरावट के मामले की जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा व्यवहार्यता अध्ययनों एवं निवेश योजनाओं पर विचार किया जाए।
- जहां तक क्षमता से संबंधित आरोप का संबंध है, याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई सूचना में यह तथ्य स्पष्ट रूप से सिद्ध किया गया है कि उसने प्रतिवादी पक्षकारों द्वारा किए गए दावे से अधिक मात्रा में उत्पादन पहले ही कर दिया है।
- प्राधिकारी ने यह देखा है कि याचिकाकर्ता के संगठन में वास्तविक गिरावट आई है और जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन को देखते हुए इसे वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग में वास्तविक गिरावट की परिनियत घरेलू उद्योग की वास्तविक क्षति में हुई है।
- वाणिज्यिक उत्पाद की तारीख प्रकट न करने संबंधी तर्क आधारहीन है क्योंकि इसे पहली मौखिक सुनवाई के बाद किए गए लिखित निवेदन में प्रकट कर दिया गया था।
- यह कि घरेलू उद्योग ने काफी अधिक स्तर पर उत्पादन किया था और उत्पादन में गिरावट छमाही 3 के दौरान आई, इससे सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को तकनीकी बाधाओं के कारन कोई कठिनाई सामने नहीं आई।
- इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि याचिकाकर्ता ने एक ऐसे आयात विकल्प उत्पाद का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया था, जिसका उत्पादन देश में पहले नहीं किया गया था, इससे ज्ञात होता है कि बाजार अनुकूल होने की स्थिति में आयातों में कमी अवश्यंभावी थी। दरअसल पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने के बाद यह स्पष्ट रूप से सिद्ध हो जाता है। पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपन के माध्यम से पाटन पर रोक लगाए जाने पर आयातों

की मात्रा में उल्लेखनीय गिरावट आई और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में उल्लेखनीय वृद्धि हुई ।

- प्रतिवादी पक्षकारों द्वारा तर्क प्रस्तुत किया गया है कि आंकड़ों के तिमाही बार विश्लेषण से क्षति का विकृत स्थ सामने आता है । तथापि याचिकाकर्ता ने क्षति संबंधी सूचना छमाही आधार पर उपलब्ध कराई है जिसमें वही परिणाम प्रदर्शित होते हैं ।
- प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग ने यह नोट किया कि क्षति रहित कीमत का निर्धारण परिकल्पित उत्पादन मात्रा पर विचार करते हुए नहीं किया जाना चाहिए । किसी भी स्थिति में कच्ची सामग्री और उगयोगिताओं से भिन्न व्यय को ऐसे वैकल्पिक उत्पादन में विभाजित नहीं किया जा सकता क्योंकि व्यय का स्तर सीधे प्रचालन रत्तर पर निर्भर होता है ।

प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विचार / निवेदन

126. याचिका का प्रतिवाद करने वाले हितबद्ध पक्षकारों ने क्षति के संबंध में निवेदन प्रस्तुत किए हैं जिनका सारांश निम्नानुसार है:

- वास्तविक गिरावट के आधार पर पूरा मामला आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है, क्योंकि जांच शुरूआत अधिसूचना में भी वास्तविक गिरावट का प्रावधान लागू करने का उल्लेख नहीं किया गया है । निवेदन किया जाता है कि तार्किक दृष्टि से कोई भी उद्योग 18 माह से अधिक से वार्षिक उत्पादन के बाद वास्तविक गिरावट का दावा नहीं कर सकता है । इस संदर्भ में उद्योग की स्थापना में वास्तविक गिरावट की अवधारणा को देखा जाना चाहिए । एक उद्योग जो इतनी लम्बी अवधि से वार्षिक अस्तित्व में है वह संभवतः स्थापना की प्रक्रिया में होने का दावा नहीं कर सकता है ।
- वर्तमान भामले के तथ्य वास्तविक गिरावट के निष्कर्ष के अनुस्ब नहीं है और तदनुसार वर्तमान जांच तत्काल समाप्त कर दी जानी चाहिए । वास्तविक गिरावट के आरोप और उस पर आधारित क्षति के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग को स्थापना की प्रक्रिया में, विकासशील अथवा शैशवावस्था में भी नहीं माना जा सकता है ।
- वास्तविक क्षति और वास्तविक गिरावट पारस्परिक स्थ से भिन्न हैं और उनका सह अस्तित्व नहीं है । घरेलू उद्योग ने जहां वास्तविक गिरावट का स्वयं दावा किया है वहीं वास्तविक क्षति के साक्ष्य पर विचार करते हुए जांच की शुरूआत नहीं की जा सकती थी ।
- याचिकाकर्ता ने वास्तविक गिरावट के जिस परीक्षा को आधार बनाया है वह याचिकाकर्ता पर लागू नहीं होता क्योंकि उसने बाजार में अपना स्थान पहले ही बना लिया है ।
- वास्तविक गिरावट और वास्तविक क्षति में अन्तर है । जांच शुरूआत अधिसूचना में कहा गया है घरेलू उद्योग वास्तविक क्षति का सामना कर रहा है । जांच की शुरूआत नहीं की जा सकती थी । क्योंकि साक्ष्य वास्तविक क्षति से संबंधित है, न कि गिरावट से । प्रारम्भिक जांच परिनाम में भी प्राधिकारी इस अंतर का विवेचन करने में असफल रहे थे ।

वास्तविक गिरावट की परिणामिति वास्तविक क्षति में हो सकती है जबकि विलोमतः यह संभव नहीं है।

- कीमत क्षति त्रैमासिक आधार पर उपलब्ध नहीं कराई गई है जिसकी परिणामिति अनुचित तुलना में हुई है।
- घरेलू उद्योग ने अव्यावहारिक अनुमानित आंकडे उपलब्ध कराए हैं। डब्ल्यू टी ओ के 2008 के प्रस्ताव में उल्लिखित अपेक्षाएं पूरी नहीं की गई हैं। जिस किस्म का संयंत्र और मशीनरी तथा अवसंरचना घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध है उसे देखते हुए उसके द्वारा प्रस्तुत उत्पादन, क्षमता अथवा मात्रा संबंधी ब्यौरा संभव प्रतीत नहीं होता है।
- अत्यधिक आयातों के बावजूद देक्षिण कोरिया के विरुद्ध पाटनरोधी जांच की शुरूआत के अनुरोध में असफलता याचिकाकर्ता के मामले की कमी का द्योतक है।
- यह निवेदन तर्कहीन है कि घरेलू उत्पादन के परिणामस्वरूप आयातों के स्तर में गिरावट आनी चाहिए थी, क्योंकि संबद्ध वस्तुओं की घरेलू मांग में वृद्धि हुई थी। बल्कि, आयात अपरिहार्य होते हैं और पाटनरोधी ब्लूल्क के अधिरोपन का भार अंतिम प्रयोक्ताओं पर पड़ेगा।
- आयातों का कोई प्रतिकूल मात्रात्मक अथवा कीमत प्रभाव नहीं हुआ है। भारत को वस्तुओं का अयात इनके सामान्य मूल्य से अधिक मूल्य पर किया जा रहा है।
- पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान चीन जन गांग से हुए आयातों की मांग / बाजार हिस्से में 20 % की गिरावट आई है जबकि घरेलू उद्योग के मामले में इसमें 10 गुने से अधिक वृद्धि हुई है।
- आयोतों का हिस्सा जहां स्थिर बना रहा है वहीं घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में घट-बढ़ हुई है। इसके अलावा इस बात का भी कोई प्रमाण नहीं है कि बाजार हिस्सा गंवाने के कारण घरेलू उद्योग को नुकसान का सामना करना पड़ा है।
- अपनी पूरी क्षमता के साथ भी याचिकाकर्ता वर्तमान मांग की लगभग 15-20% की पूर्ति नहीं कर सकता है।
- जिन कीमतों पर आयात किया जा रहा है, वह अधिक है और कोई कीमत अवमूल्यन, कीमत हास, कम कीमत पर बिक्री, कीमत कटौती नहीं है।
- याचिकाकर्ता यह बताने में असफल रहा है कि बाजार हिस्से और मांग संबंधी आंकड़ों की गणना में किन स्रोतों को आधार बनाया गया था।
- कीमत से संबंधित सूचना मासिक आधार पर उपलब्ध नहीं कराई गई है। तुलना से संबंधित मानदंडों में ऐसे परिवर्तन करने से गलत परिणाम प्राप्त होते हैं।
- घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उत्पादन, बिक्री क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से आदि के रूप में सुधार हुआ है। कोई क्षति या वास्तविक गिरावट नहीं आई है, जैसा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया है।
- कोई कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं किया गया है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई है, का कारण आयात नहीं है।

- डीजीएड असंबद्धता विश्लेषण करने में असफल रहा है ।
- जांच अवधि के दौरान कोई आयात नहीं किया गया था, अतः 3 एम इंडिया लिओ ने आयातक प्रश्नावली भरकर प्रस्तुत नहीं की थी ।
- घरेलू उद्योग द्वारा कोई कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं किया गया है और क्षति संबंधी अधिकांश मानदंडों में सकारात्मक वृद्धि देखी गई है ।
- यदि सही क्षमता पर विचार किया जाए तो, घरेलू उद्योग को मात्रात्मक प्रभाव के नुकसान का सामना नहीं करना पड़ा है । याचिकाकर्ता ने लगभग 100% क्षमता उपयोग हासिल किया है और केवल इसलिए कि तिमाही 6 में क्षमता उपयोग कम था, घरेलू उद्योग की क्षति का दावा करने के लिए पर्याप्त नहीं है ।
- विशेष रूप से हैलीड से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है ।
- आयात उच्च कीमत पर किए जा रहे हैं और कोई कीमत अवमूल्यन, कीमत हास, कम कीमत पर बिक्री अथवा कीमत कटौती नहीं हुई है और आयातों में भारी गिरावट आई है ।
- तिमाही 6 में घरेलू बिक्री में कमी को घरेलू मांग में कमी के संदर्भ में देखा जाना चाहिए ।
- क्षमता के स्थिर रहते हुए कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है । इससे प्रति कर्मचारी उत्पादकता में निश्चित रूप से गिरावट आएगी । तिमाही 5 से तिमाही 6 के दौरान मांग में संकुचन हुआ था ।
- यह स्पष्ट है कि 95% के जिस बाजार हिस्से की पूर्ति चीन (प्रारम्भिक अवस्था के दौरान) द्वारा की गई थी, वह घटकर 71.59% रह गया था तथा इसमें आगे और गिरावट आती यदि भारत में पीवीसी फ्लैक्स फिल्म की बढ़ती बाजार मांग को पूरा करने की घरेलू उद्योग के पास अधिक क्षमता (सुविधा) होती । इसके अलावा घरेलू उद्योग (घरेलू उत्पादन की शुरू आत से ही) की बिक्री के रूख में निरंतर वृद्धि देखी गई है (अर्थात् समस्त घरेलू उत्पादन की बिक्री / खपत की जा चुकी थी) । अतः कोई क्षति अथवा चीन से संबद्ध वस्तुओं का पाठन नहीं हुआ है ।
- यदि कोई विश्लेषनात्मक अध्ययन किया जाता है, तो तिमाही की तुलना किसी भी वर्ष की उसी तिमाही से की जानी चाहिए न कि तिमाही और पसंद की किसी तिमाही के बीच । उदाहरण के लिए याचिकाकर्ता ने तिमाही 2 (2009-10) की तुलना तिमाही 4 (2008-09) से की है । अतः इससे चीन जन गण से हुए आयातों में तेजी से गिरावट और भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग के हिस्से में और अन्य देशों से हुए आयातों में वृद्धि प्रदर्शित होती है ।
- घरेलू उद्योग का अनुकूलतम से कम निष्पादन का कारण प्रचालनों की शुरूआत हो सकता है ।
- घरेलू उद्योग ने अपने स्वयं के कारणों अर्थात् तकनीकी जानकारी का अभाव, पुरानी विनिर्माण प्रौद्योगिकी का प्रयोग, कुप्रबंधन, उच्चतर लागत पर कच्चे माल का आयात / खरीद आदि की वजह से पीवीसी फ्लैक्स फिल्मों के अपने नए व्यवसाय में नुकसान का सामना किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

127. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा क्षति के संबंध में किए गए दावे के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को नोट किया है और सुसंगत समझी गई सीमा तक उनकी जांच की है। इसके अलावा संबंधित शीर्षों के अन्तर्गत क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ अनिवार्य कारकों और कारणात्मक संबंध विश्लेषण की जांच भी की गई है। प्राधिकारी ने क्षतिरहित कीमत के निर्धारण के बारे में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों की प्रकटन पश्चात टिप्पणियों/अनुरोधों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में लागू सीमा तक घरेलू समान उत्पाद के क्षति रहित निर्धारण में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध—III में निर्धारित सिद्धांतों पर विचार किया है क्योंकि घरेलू उद्योग ने केवल जांच अवधि के दौरान वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है और जांच अवधि से पूर्व उनकी सर्वोत्तम क्षमता उपयोग के बारे में कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। उपर्युक्त के मददेनजर प्राधिकारी ने परियोजना रिपोर्ट में अनुमान के अनुसार 80 प्रतिशत के क्षमता उपयोग को ईस्टम क्षमता उपयोग माना है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु विचारित 80 प्रतिशत की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगभग 22 प्रतिशत का क्षमता उपयोग किया है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि वेतन एवं मजदूरी का स्तर, विनिर्माण ऊपरी व्यय तथा प्रशासनिक ऊपरी व्यय जो कंपनी द्वारा 80 प्रतिशत क्षमता उपयोग के उत्पादन हेतु वहन किए जाने हैं, एक समान नहीं हो सकते हैं जिन्हें जांच अवधि के दौरान वहन किया गया है क्योंकि यह प्रचालन की शुरूआती अवधि है। उपर्युक्त के मददेनजर प्राधिकारी का यह मत है कि इस व्यय में 80 प्रतिशत क्षमता उपयोग का अंतर हो सकता है। यद्यपि यह समान अनुपात में नहीं हो सकता। अतः प्राधिकारी ने लेखा परीक्षित लेखों के संदर्भ में उपर्युक्त व्यय में अंतर की मात्रा की जांच की है और वेतन एवं मजदूरी, विनिर्माण, ऊपरी व्यय तथा प्रशासनिक ऊपरी व्यय से उपर्युक्त व्यय में अंतर निर्धारित किया है। उपर्युक्तानुसार अंतर का स्तर पर भी घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया गया है।

ट.1 आयातों की मात्रा एवं संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा

128. जहाँ तक पाटित आयातों की मात्रा संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या पाटित आयातों की मात्रा में निरपेक्ष स्थ से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में निम्नानुसार प्रावधान है

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या समग्र रूप से या भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से पाटित आयातों में भारी वृद्धि हुई है।"

129. संबद्ध देश और अन्य देशों से वर्ष-वार, अर्द्ध वार्षिक तथा तिमाही आयात के आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं :

वर्ष-वार आयात

क्र.सं.	देश	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
1.	चीन	मी.ट.	7,928	12,628	23,630	48,680	32,453
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	159	298	614	409
2.	अन्य	मी.ट.	514	640	553	3,400	2,267
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	108	661	441
3.	कुल	मी.ट.	8,443	13,268	24,183	52,081	34,720
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	157	286	617	411
4.	संबद्ध देश का हिस्सा	%	93.91	95.18	97.71	93.47	93.47
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	104	100	100

जांच अवधि के लिए तिमाही-वार आयात

क्र.सं.	देश	इकाई	ति 1	ति 2	ति 3	ति 4	ति 5	ति 6
1.	चीन	मी.ट.	7,030	9,436	7,334	7,860	9,886	7,135
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	134	104	112	141	101
2.	अन्य	मी.ट.	425	397	243	599	905	832
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	57	141	213	196
3.	कुल	मी.ट.	7,455	9,833	7,577	8,459	10,791	7,967
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	132	102	113	145	107
4.	आयातों में संबद्ध देश का हिस्सा	%	94.30	95.96	96.80	92.92	91.62	89.55
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	103	99	97	95

जांच अवधि के लिए अख्त-वार्षिक आयात

क्र.सं.	देश	इकाई	2008-09		2009-10
			एच 1	एच 2	एच 1
1	चीन	मी.ट.	16,465	15,194	17,021
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	92	103
2	अन्य	मी.ट.	822	842	1,737
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	211
3	कुल	मी.ट.	17,287	16,035	18,758
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	109
4	संबद्ध देश का हिस्सा	%	95.25	94.75	90.74
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	95

- क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के वर्ष-वार आयातों में लगातार तथा काफी अधिक वृद्धि हुई है। खासकर जांच अवधि के दौरान आयातों में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में दोगुनी वृद्धि हुई है और उनमें आधार वर्ष की तुलना में 6 गुना वृद्धि हुई है। यद्यपि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान अन्य देशों से आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है, तथापि यह संबद्ध देश से आयात मात्रा की तुलना में नगण्य है।
- वर्ष 2008-09 की दूसरी छमाही में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा में मामूली गिरावट आई है तथापि आधार अवधि (2008-09 की प्रथम छमाही) की तुलना में 2009-10 की प्रथम छमाही में वृद्धि हुई है।
- उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि क्षति अवधि की तिमी 2 और तिमी 5 में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है और अन्य तिमाहियों में यह कमोबेश समान स्तर पर रही है। तथापि, जब जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती तीन वर्षों सहित 4 वर्ष की अवधि पर विचार किया जाए तो आयातों में 6 गुणा वृद्धि हुई है।
- यदि आयातों पर चौथे वर्ष की अवधि के लिए विचार किया जाए तो यह देखा जाएगा कि किस अवधि में आयातों में भारी वृद्धि हुई है। यदि आयातों को चार वर्ष की अवधि के लिए न भी देखा जाए और केवल उस समय से देखा जाए जब घरेलू उद्योग ने वाणिज्यिक उत्पादन (22 अप्रैल, 2008) शुरू किया था, तो आयातों की नैसर्गिक प्रवृत्ति में गिरावट प्रदर्शित होनी चाहिए थी। इसके बजाए जांच अवधि के दौरान आयातों की मात्रा काफी अधिक स्तर पर रही है।

ट.2 बाजार हिस्सा तथा मांग

130. बाजार हिस्से और मांग का वर्ष वार, अर्द्ध वार्षिक और त्रैमासिक व्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

मांग में बाजार हिस्सा

क्र.सं.	मांग में हिस्सा	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
1.	संबद्ध देश	%	93.91	95.18	97.71	79.22
		सूचीबद्ध	100	101	104	84
2.	अन्य देश	%	6.09	4.82	2.29	5.53
		सूचीबद्ध	100	79	38	91
3.	घरेलू उद्योग	%	-	-	-	15.25
		सूचीबद्ध	-	-	-	-

मांग में बाजार हिस्सा

क्र.सं.	मांग में हिस्सा	इकाई	ति 1	ति 2	ति 3	ति 4	ति 5	ति 6
1.	संबद्ध देश	%	92.87	87.50	76.94	68.66	77.02	76.88
		सूचीबद्ध	100	94	83	74	83	83
2.	अन्य देश	%	5.61	3.68	2.55	5.23	7.05	8.97
		सूचीबद्ध	100	66	45	93	126	160
3.	घरेलू उद्योग	%	1.52	8.82	20.52	26.11	15.93	14.16
		सूचीबद्ध	100	579	1,346	1,713	1,045	929

मांग में बाजार हिस्सा (अर्द्धवार्षिक)

क्र.सं.	मांग में हिस्सा	इकाई	2008-09		2009-10
			एच 1	एच 2	एच 1
1	चीन	%	89.71	72.42	76.96
	प्रवृत्ति		100	81	86
2	अन्य	%	4.48	4.01	7.85
	प्रवृत्ति		100	90	175
3	घरेलू उद्योग	%	5.31	23.57	15.18
	प्रवृत्ति		100	406	261

- वार्षिक विश्लेषण के अनुसार संबद्ध देश से आयातों के बाजार हिस्से में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन शुरू किए जाने के बाद जांच अवधि में गिरावट आई है।
- तिमाही विश्लेषण के अनुसार संबद्ध देश से आयातों के बाजार हिस्से, जिसमें ति 4 तक गिरावट आ रही थी, उसमें ति 5 के दौरान वृद्धि हुई और तत्पश्चात ति 6 में मामूली गिरावट आई। इसके विपरीत घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जो ति 4 तक लगातार बढ़ रहा था, उसमें पुनः भारी गिरावट आई।
- अर्द्ध वार्षिक विश्लेषण के अनुसार, संबद्ध देश से आयातों के बाजार हिस्से में वर्ष 2008-09 की दूसरी छमाही में गिरावट आई और 2009-10 की पहली छमाही में वृद्धि हुई। इसके विपरीत घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जिसमें वर्ष 2008-09 की दूसरी छमाही में भारी वृद्धि हुई थी, उसमें 2009-10 की पहली छमाही में भारी गिरावट आई।

ट.3 उत्पादन और क्षमता उपयोग पर वास्तविक तथा संभावित प्रभाव

131. उत्पादन एवं क्षमता उपयोग पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव के बारे में अर्द्धवार्षिक और त्रैमासिक आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:

उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग (तिमाही)

क्र.सं.	विवरण	इकाई	ति 1*	ति 2	ति 3	ति 4	ति 5	ति 6	जांच अवधि
1	संस्थापित क्षमता	मी.ट.	6112	7973	7973	7973	7973	7973	45975
	सूचीबद्ध		100	100	100	100	100	100	
2	उत्पादन	मी.ट.	148	1,143	1,868	3,049	2,440	1,305	9952
	सूचीबद्ध		100	773	1,264	2,063	1,651	883	
3	क्षमता उपयोग	%	2.42	14.33	23.42	38.25	30.60	16.37	21.65
	सूचीबद्ध		100	592	968	1581	1264	676	
4	घरेलू बिक्री	मी.ट.	115	951	1,956	2,989	2,044	1,314	9369
	सूचीबद्ध		100	824	1,695	2,591	1,772	1,139	
5	अन्य उत्पादक	मी.ट.	-	-	-	-	-	-	-
6	आयातक	मी.ट.	7,455	9,833	7,577	8,459	10,791	7,967	52081
	सूचीबद्ध		100	132	102	113	145	107	
7	कुल मांग	मी.ट.	7,570	10,783	9,532	11,447	12,835	9,281	61449
	सूचीबद्ध		100	142	126	151	170	123	

*वाणिज्यिक उत्पादन दिनांक 22.4.2008 को शुरू हुआ

उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग (अर्द्ध वार्षिक)

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2008-09		2009-10
			ति 1*	ति 2	
1	स्थापित क्षमता	मी.ट.	14085	15945	15945
	क्षमता		100	100	100
2	उत्पादन	मी.ट.	1,291	4,917	3,745
	सूचीबद्ध		100	381	290
3	क्षमता उपयोग	%	9.16	30.83	23.49
	सूचीबद्ध		100	337	256
4	घरेलू बिक्री	मी.ट.	1,066	4,945	3,358
	सूचीबद्ध		100	464	315
5	अन्य उत्पादक	मी.ट.	-	-	-
6	आयात	मी.ट.	17288	16036	18758
	सूचीबद्ध		100	93	109
7	कुल मांग	मी.ट.	18,353	20,980	22,116
	सूचीबद्ध		100	114	121

*वाणिज्यिक उत्पादन दिनांक 22.4.2008 को शुरू हुआ

- घरेलू उत्पादन की मात्रा और घरेलू उद्योग के घरेलू प्रचालन पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच कुल उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा घरेलू उद्योग की बिक्री के संबंध में की गई है। तिमाही विश्लेषण के अनुसार यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में ति 4 तक वृद्धि हुई और उसके बाद गिरावट आई।
- अर्द्धवार्षिक विश्लेषण के अनुसार यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में वर्ष 2008-09 की दूसरी छमाही तक वृद्धि हुई और 2009-10 की पहली छमाही में गिरावट आई।

ट.4 बाजार हिस्से पर वास्तविक तथा संभावित प्रभाव:

132. घरेलू बिक्री और बाजार हिस्से पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है:

बाजार हिस्सा

क्र.सं	मांग में हिस्सा	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	ति 1	ति 2	ति 3	ति 4	ति 5	ति 6
1.	संबद्ध देश	%	93.91	95.18	97.71	79.22	92.87	87.50	76.94	68.66	77.02	78.88
		सूचीबद्ध	100	101	104	84	99	93	82	73	82	82
2.	अन्य देश	%	6.09	4.82	2.29	5.53	5.61	3.68	2.55	5.23	7.05	8.97
		सूचीबद्ध	100	79	38	91	92	60	42	86	116	147
3.	घरेलू उद्योग	%	-	-	-	15.25	1.52	8.82	20.52	26.11	15.93	14.16
		सूचीबद्ध	-	-	-	-	100	579	1,346	1,713	1,045	929

बाजार हिस्सा (अर्द्ध-वार्षिक)

क्र. सं.	मांग में हिस्सा	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08		2008-09		2009-10	
							एच 1	एच 2	एच 1	एच 2
1	संबद्ध देश	%	93.91	95.18	97.71		89.71	72.42	76.96	
		सूचीबद्ध	100	101	104		96	77	82	
2	अन्य देश	%	6.09	4.82	2.29		4.48	4.01	7.85	
		सूचीबद्ध	100	79	38		74	66	129	
3	घरेलू उद्योग	%	-	-	-		5.81	23.57	15.18	
		सूचीबद्ध	-	-	-		100	406	261	

- घरेलू मांग में संबद्ध देश का बाजार हिस्सा काफी अधिक बना रहा और उसमें वर्ष 2005-06 से 2007-08 तक लगातार वृद्धि हुई। परंतु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन शुरू किए जाने से घरेलू मांग में संबद्ध देश के हिस्से में गिरावट आई है। यह स्पष्ट है कि जब कोई नई उत्पादन क्षमता देश में स्थापित होती है, तो बाजार हिस्से का कुछ भाग उसके पास पहुंच जाता है।

- तिमाही विश्लेषण के अनुसार घरेलू मांग में संबद्ध देश के हिस्से में ति 4 तक गिरावट आई और उसके बाद उसमें वृद्धि हुई। इसके विपरीत घरेलू उद्योग के हिस्से में ति 4 तक वृद्धि हुई और उसके बाद गिरावट आई।

ठ. आयातों पर कीमत प्रभाव

133. जहां तक कीमतों पर पाइत आयातों के पाइत आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि प्राधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि क्या पाइत आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

ठ. 1 कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री प्रभाव

134. कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री प्रभाव का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:

कीमत कटौती

क्रसं.	विवरण	इकाई	जांच अवधि
1	आयात - मात्रा	मी. ट.	48,680
2	आयात - मूल्य	लाख रुपए	29,497
3	सीआईएफ निर्यात कीमत	रु. / मी.ट.	60,593
4	पहुंच कीमत	रु. / मी.ट.	606
5	निर्धारणीय मूल्य	रु. / मी.ट.	61,199
6	बेसिक सीमाशुल्क दर	%	10
7	सीमाशुल्क	रु. / मी.ट.	6,120
8	सीमाशुल्क सेस 3% की दर से	रु. / मी.ट.	184
9	पहुंच कीमत	रु. / मी.ट.	67,503
10	निवल बिक्री कीमत	रु. / मी.ट.	***
11	कीमत कटौती	रु. / मी.ट.	***
	कीमत कटौती	%	***
12	कीमत कटौती	% रेज	12-17

कीमत कटौती का निर्धारण समूची क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाइत आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति के साथ करते हुए किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की गणना 1% हैंडलिंग प्रभार तथा लागू मूल सीमा शुल्क एवं उप कर को संबद्ध देश से आयात कीमत के आई बी आई एस आंकड़ों में सूचित मूल्य में जोड़कर की गई है। तालिका से यह देखा जाता है कि आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है।

कम कीमत पर बिक्री

क्र.सं.	विवरण	इकाई	जांच अवधि
1	अयात - मात्रा	मी. ट.	48,680
2	आयात - मूल्य	लाख रु.	29,497
3	सी आई एफ निर्यात कीमत	रु. / मी.ट.	60,593
4	उत्तराई प्रभाव	रु. / मी.ट.	606
5	निर्धारणीय मूल्य	रु. / मी.ट.	61,199
6	बेसिक सीमाशुल्क दर	%	10
7	सीमाशुल्क	रु. / मी.ट.	6,120
8	सीमाशुल्क सेस	रु. / मी.ट.	184
9	पहुंच कीमत	रु. / मी.ट.	67,503
10	क्षति रहित कीमत	रु. / मी.ट.	***
11	कम कीमत पर बिक्री	रु. / मी.ट.	***
12	कम कीमत पर बिक्री	%	***
13	कम कीमत पर बिक्री रेंज	%	20 - 30

प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षति निर्धारण का एक प्रमुख संकेतक है। क्षति रहित कीमत की गणना कर उसकी तुलना कम कीमत पर बिक्री की मात्रा निकालने के लिए संबद्ध वस्तु की पहुंच मूल्य के साथ की गई है। घरेलू उत्पादक के लिए क्षति रहित कीमत का मूल्यांकन जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर समुचित विचार करने के बाद किया गया है। विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध आयातों का पहुंच मूल्य क्षति रहित कीमत से काफी कम है।

ठ.2 कीमत न्यूनीकरण एवं हासकारी प्रभाव:

135. कीमत ह्रास तब होता है जब घरेलू कीमत पूर्ववर्ती अवधि के स्तर से कम होती है। कीमत न्यूनीकरण तब होता है जब पाटन की वजह से कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आती है जो लागत में हुई वृद्धि की वजह से बढ़ गई होती है।

कीमत न्यूनीकरण एवं हासकारी प्रभाव (तिमाही):

क्र.सं.	विवरण	इकाई	ति 1*	ति 2	ति 3	ति 4	ति 5	ति 6	जांच अवधि
1.	बिक्री की घरेलू लागत	रु./ किग्रा.	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध		100	99	92	87	95	
2.	घरेलू बिक्री मूल्य	रु./ किग्रा.	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध		100	102	96	92	85	

3.	कर पूर्व लाभ/हानि	रु./ किश्रा.	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध		(100)	(81)	(65)	(46)	(177)	
4.	व्याज	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध		100	104	82	101	122	
5.	घरेलू बिक्री के लिए नियोजित पूंजी	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध		100	100	102	106	113	
6.	नियोजित पूंजी पर आय	%		***	***	***	***	***	***
		रेंज		(0 - 5)	(5 - 8)	6 - 11)	(0 - 3)	(6 - 11)	(3 - 8)

टिप्पणी: * दूंकि यह तिमाही वाणिज्यिक उत्पादन की पहली तिमाही है, इसलिए बिक्री लागत काफी अधिक है और इसलिए उस पर विश्लेषण हेतु विचार नहीं किया गया है।

कीमत न्यूनीकरण एवं हासकारी प्रभाव (अर्द्ध-वार्षिक):

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2008-09			2009-10
			एव 1	एव 2	एव 1	एव 1
1	बिक्री की घरेलू लागत	रु. / किश्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	85	81	
2	घरेलू बिक्री मूल्य	रु. / किश्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	98	89	
3	कर पूर्व लाभ/हानि	रु. / किश्रा.	***	***	***	
		सूचीबद्ध	(100)	(36)	(50)	
4	व्याज	लाख रुपए	***	***	***	
		सूचीबद्ध	100	120	144	
5	नियोजित पूंजी	लाख रुपए	***	***	***	
		सूचीबद्ध	100	102	113	
6	नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	
		रेंज	(3 - 5)	(4 - 9)	(2 - 7)	

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को अत्यधिक कीमत हास हुआ है।

136. उपर्युक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि पाठित आयातों का पाठित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में और तुलनात्मक रूप में वृद्धि के संबंध में घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव पड़ा है जिससे बाजार हिस्से में गिरावट के साथ-साथ घरेलू उद्योग की कीमत का हास हुआ है।

उ. अन्य क्षति संबंधी कारकों की जांच

137. पूर्ववर्ती खंड में मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने अन्य अनिवाय क्षति मापदंडों की निम्नानुसार जांच की है:

उ.1 लाभ/हानि तथा निवेश पर आय

138. घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री से घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ का व्यौरा निम्नानुसार है:-

लाभप्रदता तथा लगाई गई पूँजी पर आय

क्र.सं.	विवरण	इकाई	ति 1*	ति 2	ति 3	ति 4	ति 5	ति 6	जांच अवधि
1.	बिक्री की घरेलू लागत	रु./ किग्रा.	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध		100	99	92	87	95	
2.	घरेलू बिक्री मूल्य	रु./ किग्रा.	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध		100	102	96	92	85	
3.	कर पूर्व लाभ/हानि	रु./ किग्रा.	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध		(100)	(81)	(65)	(46)	(177)	
4.	ब्याज	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध		100	104	82	101	122	

5.	घरेलू बिक्री के लिए नियोजित पूँजी	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध		100	100	102	106	113	
6	नियोजित पूँजी पर आय	%	***	***	***	***	***	***	***
		रेंज		(0 - 5)	(5 इ 8)	(6 इ 11)	(7 इ 11)	(3 इ 8)	

टिप्पणी: * दूंकि यह तिमाही वाणिज्यिक उत्पादन की पहली तिमाही है, इसलिए बिक्री लागत काफी अधिक है और इसलिए उस पर विश्लेषण हेतु विचार नहीं किया गया है।

लाभप्रदता तथा लगाई गई पूँजी पर आय (अर्द्ध वार्षिक)

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2008-09		2009-10	
			एव 1	एव 2	एव 1	एव 2
1	बिक्री की घरेलू लागत	रु. / किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	85	81	
2	घरेलू बिक्री मूल्य	रु. / किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	98	89	
3	कर पूर्व लाय/हानि	रु. / किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	(100)	(36)	(50)	
4	ब्याज	लाख रुपए	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	120	144	
5	नियोजित पूँजी	लाख रुपए	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	102	113	
6	नियोजित पूँजी पर आय	%	***	***	***	***
		रेंज	(3- 5)	(4 - 9)	(2 - 7)	

प्राधिकारी नोट करते हैं; कि तिमाही और छमाही दोनों विश्लेषणों में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री प्राप्ति उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप नहीं रही है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है जिस से जांच अवधि में घरेलू बिक्री पर घाटा हुआ है। घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री के लिए लगाई गई पूँजी पर आय जांच अवधि के दौरान नकारात्मक रही है।

उ.2 नकद लाभ

139. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद लाभ निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

नकद लाभ (तिमाही)

क्र.सं.	विवरण	इकाई	ति 1	ति 2	ति 3	ति 4	ति 5	ति 6	जांच अवधि
1.	कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	(100)	(84)	(139)	(170)	(83)	(204)	
2.	घरेलू उद्योग पर मूल्यहास	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	84	84	87	101	102	
3.	घरेलू बिक्री के लिए नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	(100)	(83)	(175)	(211)	(72)	(264)	

नकद लाभ (अर्द्ध वार्षिक)

क्र. सं.	विवरण	इकाई	2008-09		2009-10	
			एच 1	एच 2	एच 1	एच 2
1	कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	(100)	(168)	(156)	
2	घरेलू बिक्री पर मूल्यहास	लाख रुपए	***	***	***	
		सूचीबद्ध	100	93	111	
3	घरेलू बिक्री पर नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	
		सूचीबद्ध	(100)	(213)	(183)	

उपर्युक्त तालिकाओं से यह देखा जाता है कि क्षति अधि के दौरान घरेलू उद्योग के नकद लाभ में भारी गिरावट आई है जिसकी वजह से जांच अवधि में उच्च नकद घाटा हुआ है।

ड.३ रोजगार तथा मजदूरी

140. निम्नलिखित तालिकाओं से प्राधिकारी नोट करते हैं कि तिमाही विश्लेषण में तिति 5 तक और छमाही विश्लेषण में दूसरी छमाही तक रोजगार के स्तर में वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में भी मजदूरी में वृद्धि हुई है।

रोजगार तथा मजदूरी

क्र.सं.	विवरण	इकाई	ति 1	ति 2	ति 3	ति 4	ति 5	ति 6	जांच अवधि
1.	रोजगार	सं.	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	255	349	365	377	360	
2.	मजदूरी एवं वेतन	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	338	518	692	927	965	

रोजगार तथा मजदूरी (अर्द्धवार्षिक)

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2008-09			2009-10
			एच1	एच2	एच3	
1	रोजगार	सं.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	143	141	
2	रोजगार तथा मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	
		सूचीबद्ध	100	276	431	

ड.४ मालसूची

141. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की मालसूची के स्तर में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिकाओं में दर्शाया गया है :

मालसूची

क्र.सं.	विवरण	इकाई	ति 1	ति 2	ति 3	ति 4	ति 5	ति 6	जांच अवधि
1.	अथ स्टॉक	मी.ट.	-	32	224	109	166	562	-
2.	इति स्टॉक	मी.ट.	32	224	109	166	562	502	502

3.	औसत स्टॉक	मी.ट.	16	128	167	138	364	532	251
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	792	1,029	848	2,243	3,281	

मालसूची (अर्द्ध-वार्षिक)

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2008-09		2009-10	
			एच 1	एच 2	एच 1	एच 2
1	अथ स्टॉक	मी.ट.	-	224	166	
2	इति स्टॉक	मी.ट.	224	166	502	
3	औसत स्टॉक	मी.ट.	112	195	334	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	174	298	

उत्पादकता

142. प्रति दिन एवं प्रति कर्मचारी उत्पादन के संदर्भ में घरेलू उद्योग की उत्पादकता की जांच निम्नानुसार की गई है:

उत्पादकता

क्र.सं.	विवरण	इकाई	ति 1	ति 2	ति 3	ति 4	ति 5	ति 6
1.	कुल उत्पादन	मी.ट.	148	1,143	1,868	3,049	2,440	1,305
		सूचीबद्ध	100	773	1,264	2,063	1,651	883
2.	प्रति दिवस उत्पादन (360 दिन का वर्ष मानते हुए)	मी.ट./ दिवस	2	13	21	34	27	15
3.	कर्मचारियों की संख्या	सं.	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	255	349	365	377	360
4.	प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट./सं.	***	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	304	362	565	438	246

तालिका -20- उत्पादकता (अर्द्ध वार्षिक)

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2008-09		2009-10	
			एच 1	एच 2	एच 1	एच 2

1	कुल उत्पादन	मी.ट.	1,291	4,917	3,745
		मी.ट.	100	381	290
2	प्रति दिवस उत्पादन	मी.ट./दिवस	7	27	21
3	कर्मचारियों की संख्या	सं.	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	143	141
4	प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट./सं.	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	266	206

उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में तिमाही विश्लेषण में तिक्तक और अद्व्यवार्षिक विश्लेषण में 2008-09 की दूसरी छमाही तक सुधार हो रहा था और इसमें बाद की अवधि में भारी गिरावट आई है।

ड. 6 वृद्धि

143. उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में वृद्धि वर्ष 2008-09 की चौथी तिमाही और दूसरी छमाही तक सकारात्मक रही थी। यही प्रवृत्ति घरेलू उद्योग की बिक्री में भी देखी गई थी तथापि, जांच अवधि की पांचवीं, छठी तथा वर्ष 2009-10 की पहली छमाही के दौरान इस स्थिति में भारी गिरावट आई। विचाराधीन उत्पाद के लिए जांच अवधि में मांग में सकारात्मक वृद्धि होने के बावजूद उत्पादन में एवं घरेलू बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग ने नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान निवेश पर आय एवं नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में भी गिरावट आई है। इसके अलावा, संबद्ध वस्तु के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है। कम कीमत पर बिक्री भी काफी अधिक रही थी।

ड. 7 नया निवेश जुटाने की क्षमता

144. प्रधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की घरेलू मांग में अच्छी वृद्धि हुई है लेकिन संबद्ध देश से पाटित आयातों में भारी वृद्धि होने के कारण विस्तार हेतु नया पूंजी निवेश जुटाने में घरेलू उद्योग समर्थ नहीं हो सका।

ड. पाटन की मात्रा

145. जिस सीमा तक पाटन घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकते हैं उसकी मात्रा के एक संकेतक के रूप में यह पता चलता है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देश के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

४. कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

146. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में यह देखा जा चुका है कि आयातों से घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है। घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और बिक्री कीमत की तुलना से यह पता चलता है कि आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत में भी ह्रास हो रहा है। यह पाया गया था कि जांच अधिक में प्रति मी.ट. पहुंच मूल्य संबद्ध वस्तु की निवल बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत, दोनों से कम थी जिससे भारतीय बाजार में कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है। आयातित उत्पादों की कीमत तथा घरेलू उद्योग की कीमत के बीच अंतर के परिणामस्वरूप आयातों ने संबद्ध वस्तु की भारतीय बाजार में वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा कब्जे में ले लिया है।

५. क्षति के बारे में निष्कर्ष

147. क्षति के उपर्युक्त मापदंडों की जांच से यह पता चलता है कि मांग में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप संयंत्र की शुरूआत के दौरान लगाए गए अनुमानों की तुलना में जांच अधिक के दौरान उत्पादन एवं घरेलू उद्योग की बिक्री दोनों में गिरावट आई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से अयातों की मौजूदगी के कारण घरेलू उद्योग बाजार में मांग बढ़ाने के लाभ से वंचित हुआ है।

148. संबद्ध वस्तु के आयातों तथा घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से स्पष्टतः यह पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों में समग्र रूप में तथा भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में वृद्धि हुई है। आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है और पाठित आयातों के प्रभाव से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में ह्रास हुआ है। घरेलू बिक्री कीमत में बिक्री लागत में आई गिरावट से अधिक गिरावट आई है। इसके अलावा, भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाठित आयातों के कारण कीमत में भारी कटौती हुई है और ऐसे आयातों के प्रभाव की वजह से कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी अधिक वृद्धि हो गई होती। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, घरेलू उद्योग के निष्पादन में बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभ, नकद लाभ एवं निवेश पर आय के संबंध में चौथी तिमाही से गिरावट आई है।

149. यह भी नोट किया जाता है कि परियोजना रिपोर्ट में लगाए गए अनुमानों की तुलना में उत्पादन, बिक्री, लाभ और लगाई गई पूंजी पर आय में मांग में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप सुधार होना चाहिए था। लेकिन उसमें इसके बजाए भारी गिरावट आई और नव स्थापित घरेलू उद्योग को स्वयं के घरेलू बाजार में स्थान तलाशने का अवसर नहीं मिला जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की स्थिति वास्तविक रूप से विकृत हई।

150. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में उत्पादन, बिक्री मात्रा, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ, के संबंध में गिरावट आई है जिनसे सामूहिक

और संचयी रूप से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है जिससे नव स्थापित उद्योग का प्रचालन बाधित हुआ है।

थ. कारणात्मक संबंध तथा अन्य कारक

151. कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत हास और न्यूनीकरण प्रभावों के संबंध में वास्तविक क्षति तथा घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा और कीमत पर प्रभाव की मौजूदगी की जांच करने के बाद भारतीय पाटनरोधी नियम एवं करार के अंतर्गत अन्य सांकेतिक मापदंडों की जांच की गई है ताकि यह देखा जा सके कि क्या पाटित आयातों से इतर कोई अन्य कारक घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकता है। जो कारक इस संबंध में संगत हो सकते हैं उनमें अन्य बातों के साथ-साथ आयातों की मात्रा और पाटित कीमतों पर न बेची गई मात्रा तथा कीमत, मांग में कमी, खपत की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार एवं प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास तथा निर्यात निष्पादन एवं घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल है। इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटनरोधी नियमावली में सूचीबद्ध इन अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती है। यह नोट किया गया था कि:-

द.1 पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत

152. आयात के आंकड़ों से यह नोट किया जाता है कि जांच अधिक के दौरान संबद्ध देश से लगभग 93% और अन्य देशों से शेष आयात हुए हैं। संबद्ध देश से हुए आयातों की तुलना में अन्य देशों से हुए आयात केवल 7% हैं। अतः अन्य देशों से हुए आयातों से घरेलू बाजार में कीमतों प्रभावित नहीं होती हैं। वस्तुतः अन्य देशों, मुख्यतः कोरिया गण, से हुए आयात काफी अधिक कीमत पर हुए हैं जिससे घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती नहीं होती है जिसका घरेलू उद्योग की कीमतों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

द.2 मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

153. समूची क्षति अधिक के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में अच्छी वृद्धि हुई है और इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का देश में मांग की कमी से कोई लेना देना नहीं है। खपत एवं मांग से संबंधित आंकड़ों से उत्पाद की खपत की पद्धति में किसी परिवर्तन का पता नहीं चलता है और यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कोई कारण नहीं है।

द.3 घरेलू एवं विदेशी उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और प्रतिस्पर्धा

154. प्राधिकारी की जानकारी में प्रतिस्पर्धा अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों की स्थिति का कोई साक्ष्य नहीं आया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र ऐसा बाजार है जहाँ संबद्ध देश से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु से सीधी प्रतिस्पर्धा करता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान

वस्तुएँ हैं तथा आयातित उत्पाद की बिक्री घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु के अनुप्रयोगों/अंतिम उपयोगों की पूर्ति के लिए की जाती है।

द.4 प्रौद्योगिकी विकास

155. याचिकाकर्ता के रिकॉर्ड की जांच के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि प्रौद्योगिकी विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संगत कारक नहीं रहा है।

द.5 निर्यात निष्पादन

156. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का निर्यात नगण्य रहा है। अतः विभिन्न आर्थिक संकेतकों के संबंध में निष्पादन का निर्धारण केवल घरेलू बिक्री के बारे में किया गया है। अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति घरेलू उद्योग के निर्यात के निष्पादन के परिणामस्वरूप नहीं हो सकती है।

द.6 घरेलू उद्योग की उत्पादकता

157. पूर्ववर्ती तिमाहियों की तुलना में तिमाही और छमाही दोनों विश्लेषण में कर्मचारी उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में इसी अवधि के दौरान कुल उत्पादन में गिरावट की वजह से कमी आई है।

158. प्राधिकारी की जानकारी में ऐसा कोई अन्य कारक नहीं लाया गया है जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को संभावित क्षति हो सकती है।

ध. क्षति मार्जिन की मात्रा

159. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तु की क्षतिरहित कीमत निर्धारित की है। क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्यों के साथ की गई है। यह नोट किया जाता है कि मै. शंघाई नारं इंड कं. लि. और मै. शंघाई इनफ्लैक्स साइनेज कं. लि. एक-दूसरे से संबद्ध है। दोनों कंपनियों को संबद्ध कंपनियां मानते हुए उक्त दोनों कंपनियों के लिए एक ही क्षति मार्जिन प्रदान करने का प्रस्ताव है। इन कंपनियों के लिए अलग-अलग क्षति मार्जिन के निर्धारण के रूप में यह आवश्यक समझा जाता है कि इससे संबद्ध निर्यातक उत्पादकों को कम पाटन मार्जिन वाली कंपनी के जरिए भारत को निर्यात करने का माध्यम प्राप्त होगा जिससे पाटनरोधी उपायों का उल्लंघन होगा और वे निष्प्रभावी बन जाएंगे। प्राधिकारी ने क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया है:

	इकाई	हेटैक्स टैक्नीकल टैक्सटाइल्स (झांगजियांग) कं. लि.	झेजियांग युली प्लास्टिक कं. लि.	असहयोगी
क्षतिरहित कीमत	अम.डॉ./ किग्रा.	***	***	***
आयार्टी की पहुंच कीमत	अम.डॉ./ किग्रा.	***	***	***
क्षति मार्जिन	अम.डॉ./ किग्रा.	***	***	***
पहुंच मूल्य के प्रतिशत के रूप में क्षति मार्जिन	%	***	***	***
क्षति मार्जिन की रेंज	%	0 - 10	25-35	35-45

न. वास्तविक विकृति से संबंधित मुद्दों की जांच

160. वास्तविक विकृति के बारे में प्राधिकारी ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में निम्नानुसार मत व्यक्त किया था:

"12 आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हेतु एक नई सुविधा स्थापित की है और जांच अवधि में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है। आवेदक ने दावा किया है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के पाठन से घरेलू उद्योग की स्थापना में वास्तविक विकृति आ रही है। आवेदक ने जिस अवधि में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है, उस अवधि के लिए क्षति से संबंधित विभिन्न मापदंडों के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। इसके अलावा, आवेदक ने संयंत्र की स्थापना से पूर्व उसके द्वारा लगाए गए अनुमानों के आधार पर अपने संभावित निष्पादन के बारे में विस्तृत सूचना प्रदान की है और अपने संभावित निष्पादन की तुलना जांच अवधि तक किए गए वास्तविक निष्पादन के साथ की है ताकि उसके इस दावे की पुष्टि की जा सके कि उसका निष्पादन संयंत्र की स्थापना से पूर्व परिकल्पित संभावित स्तर से काफी कम है। आवेदक ने यह भी दावा किया है कि उसके निष्पादन में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद आरंभ में सुधार हुआ था। तथापि, उसमें कुछ समय बाद बिक्री कीमत में गिरावट आने के बावजूद उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ आदि के संबंध में गिरावट आई। आयार्टों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। घरेलू उद्योग उत्पादन की शुरूआत से पूर्व उसके द्वारा परिकलित उचित कीमत से काफी कम कीमत पर उत्पाद को बेचने के लिए बाध्य हुआ है। इस प्रकार आवेदक ने दावा किया है कि वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद भी घरेलू उद्योग बाजार में जगह तलाश रहा है। समग्र रूप में भारत में उत्पादन एवं

खपत की तुलना में आयातों में अत्यधिक वृद्धि, अत्यधिक कीमत कटौती, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, सतत वित्तीय घाटे, निवेश पर आय, नकद प्रवाह, मालसूची जैसे मापदंडों से सामूहिक एवं संचयी रूप से यह पता चलता है कि आवेदक को वास्तविक क्षति हुई है। यह इस आशंका का पर्याप्त साक्ष्य है कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के पाठित आयातों के कारण प्रथम दृष्टया घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है।"

161. वास्तविक विकृति एवं घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के मुद्दे पर हितबद्ध पक्षकारों के विचारों पर गौर किया गया है। यह नोट किया जाता है कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के पैरा 12 में वास्तविक विकृति के बारे में घरेलू उद्योग के दावे का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इसके अलावा, प्रारंभिक जांच परिणामों के निष्कर्ष में इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि:

- क. संबद्ध देश से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।
- ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- ग. यह क्षति संबद्ध देश से पाठित आयातों के कारण हुई है।
- घ. घरेलू बाजार में संबद्ध देश से संवर्धित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की स्थिति वस्तुतः प्रतिकूल हुई है।

162. इसके अलावा, क्षति जांच में नियमों में अधिदेशित समस्त क्षति मापदंडों पर विस्तार से विचार किय गया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की स्थापना से संबंधित परियोजना रिपोर्ट की भी जांच की है और जांच अवधि के लिए क्षमता, क्षमता उपयोग एवं क्षति रहित कीमत की गणना की है। जांच के बाद यह नोट किया जाता है कि देश में अत्यधिक मांग होने के बावजूद घरेलू उद्योग संभावित क्षमता प्राप्त करने में असमर्थ रहा है जिससे यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग की स्थापना में वास्तविक विकृति आई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को हुई नकारात्मक लाभप्रदता से यह सिद्ध होता है कि ऐसा पाठित आयातों के कारण हुआ है। वर्तमान मामले में प्राधिकारी नोट करते हैं कि वास्तविक क्षति हुई है और घरेलू उद्योग की स्थापना में वास्तविक विकृति आई है और घरेलू उद्योग उत्पादन स्तर, विक्री स्तर, बाजार हिस्सा, लाभ, निवेश पर आय आदि को उस स्तर पर प्राप्त करने के संबंध में स्वयं को पूर्णतः स्थापित करने वंचित हुआ है जिस स्तर तक उसे प्राप्त करना चाहिए था यदि पाटन न हुआ होता।

प. निष्कर्ष

163. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों तथा प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध किए गए तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- १. संबद्ध देश से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात निर्यातक देश के घरेलू बाजार में उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।

- ii. संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन काफी अधिक और न्यूनतम सीमा से ज्यादा है।
- iii. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु की पाटित आयातों के कीमत और मात्रात्मक दोनों प्रभावों के रूप में घरेलू उद्योग को हुई है।
- iv. घरेलू उद्योग की स्थिति में भी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण वास्तविक विकृति आई है।

फ. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

164. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश से आयात पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी।

ब. सिफारिशें

165. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत की गई थी और उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी तथा निर्यातिकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच शुरू कर उसे संपन्न करने के बाद तथा संबद्ध देश के खिलाफ सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति एवं वास्तविक विकृति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी उपाय लागू करना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा 30 जुलाई, 2010 की संख्या 79/2010-सी.श. के तहत अनंतिम शुल्क संबंधी अधिसूचना जारी होने की तारीख से निम्नलिखित प्रपत्र में और ढंग से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं और उसकी सिफारिश करते हैं।

166. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में विनिर्दिष्ट राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	टैरिफ़ भद का उपशीर्ष	वस्तु विवरण	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	39201019 39201012 39204900 39219026 39219029 39269099 39269080 39199090 39181090 39189090	पी वी सी फ्लैक्स फिल्म	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	हेटेक्स टैक्नीकल टैक्सटाइल्स (ज्ञांगजियागांग) कं. लि.	हेटेक्स टैक्नीकल टैक्सटाइल्स (ज्ञांगजियागांग) कं. लि.	0.034	किग्रा.	अम.डॉ.
2	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	झेजियांग युली प्लास्टिक कं. लि.	झेजियांग युली प्लास्टिक कं. लि.	0.441	किग्रा.	अम.डॉ.
3	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपरोक्त क्र. सं. 1 तथा 2 से इतर उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		0.538	किग्रा.	अम.डॉ.
4	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर कोई देश	कोई	कोई	0.538	किग्रा.	अम.डॉ.
5	- वही -	- वही -	चीन जन.गण. से इतर कोई देश	चीन जन.गण.		कोई	0.538	किग्रा.	अम.डॉ.

167. उपर्युक्त शुल्क तालिका में की गई संस्तुति के अनुसार निम्नलिखित उत्पादों को पाटनरोधी उपायों के दायरे से अलग रखा जाता है :

- पी वी सी रिजिड फिल्में
- कॉटन/केनवस तिरपालें
- पी वी सी फिल्म
- सेल्फ एडहेसिव विनायल
- वन वे विजन फिल्म/परफोरेटिड विडो फिल्म
- रंगीन विनायल
- मैस बैनल/फैब्रिक

168. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी 22 जून, 2010 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं ।

169. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क तथा प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित आकलनीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3, 8 ।, 9 और 9 के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

170. केन्द्र सरकार द्वारा इस जांच परिणाम को स्वीकार किए जाने के बाद इसके खिलाफ कोई अपील वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियम, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सेस्टेट) में दायर की जा सकेगी ।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th July, 2011

Final Findings

Sub. : Anti-dumping investigation involving imports of PVC Flex Films originating in or exported from China PR.

NO. 14/4/2010-DGAD: - Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the Rules) thereof;

A. Background Of The Case:

- Whereas M/s Pioneer Polyleathers Pvt. Ltd (hereinafter referred to as the petitioner) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Act and the Rules alleging dumping of PVC Flex Films (hereinafter referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country) and requested for initiation of anti-dumping investigation for levy of anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.
- And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence, submitted by the applicant issued a Public Notice dated 1st February, 2010, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, in accordance with the Rule 5 of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry. The Authority had notified the Embassy of the subject country in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with Rule 5(5) of the Rules.

3. The Authority had issued the Preliminary Findings vide Notification No.14/4/2010 - DGAD dated 22nd June, 2010 recommending provisional anti-dumping duties on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country. The provisional duties were imposed by the Central Government vide Notification No. 79/2010-Customs, dated the 30th July, 2010.
4. Subsequent to the issue of the preliminary findings, the Authority had issued corrigendum notifications dated 7th July, 2010 and 19th October, 2010.

B. Procedure

5. The procedure described below has been followed by the Authority:
 - i. The Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
 - ii. The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 1.02.2010 to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, importers, consumers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
 - iii. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassy of subject country in accordance with Rule 6(3) supra.
 - iv. The Embassy of the subject country in India was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.
 - v. The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the following known exporters in subject country in accordance with Rule 6(4).

S. No.	Name of the Company
1.	Zhejiang MSD Warp knitting and Coating Co. Ltd., China
2.	Shanghai LanQuan Plastic Products Co. Ltd., China
3.	Zhejiang Minglong Holding Ltd., China
4.	Zhejiang Tianxing Technical Textiles Co. Ltd., China
5.	Haining ganglong Knitting Clothes Co. Ltd., China
6.	Hangzhou Hongze New Material Co. Ltd., China
7.	Julong Tent & Advertisement Materials Industrial Co. Ltd., China
8.	Shanghai oursign Indutrial Co. Ltd., China
9.	Zhejiang Chengbang New Materials Co. Ltd., China
10.	Habei Hongding Plastic Manufacturing Co. Ltd., China

- vi. The Authority extended the time limits till 31st March, 2010 for the submission of the response on the request of the interested parties.

- vii. In response to the above notification, following exporters/producers of the subject country have responded to the initiation notification:

S. No	Name of the Company
1.	Jiangjin Nanwei Plastics Co. Ltd., China (Producer) & Jiangjin Nanwei International Trade Co. Ltd., China (Exporter)
2.	Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd., China
3.	Zhejiang Botai Plastic Co. Ltd., China
4.	Zhenjiang Tianchang Plastic Fabric Co. Ltd., China
5.	M/s Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd, China
6.	M/s Shanghai Nar Industrial Co. Ltd (NAR), China (Producer) and M/s Shanghai Infex Signage Co. Ltd, China (Exporter)
7.	M/s Zhejiang Hailide New Material Co. Ltd., China
8.	M/s Guangzhou Dina Membrane Structure Co. Ltd, China (Producer) & M/s Guangzhou Hongxin Economic Development Co. Ltd., China (Exporter)
9.	Shanghai Lanquan Plastic products Co. Ltd, China
10.	Zhejiang Minglong plastic Cement Co. Ltd, China
11.	Cixi Linyun Plastics Wart Co. Ltd, China
12.	M/s Zhejiang Yuli Plastic Co. Ltd, China

- viii. M/s Hebei Yuxin Industry & Trade Co Ltd had submitted an incomplete questionnaire response at a very belated stage which was not accepted by the Authority.

- ix. Questionnaire was sent to the following known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

S. No	Name of the Company
1.	Graphic Aids Print Sales Company, Kolkata
2.	Goldstone Imaging Pvt. Ltd., Delhi
3.	X Print RBCPL, New Delhi
4.	Hi-Sign Durga International, Delhi
5.	E sys Information Technologies Pvt. Ltd.
6.	Kumar Distributors, Pariamet, Chennai
7.	Shubh Plastics, Mumbai
8.	Tech-Zone Global Trading Co., Chennai
9.	Aditya International, Mumbai
10	Spectrum, Delhi
11.	Krishna tarpaulin Industries, Chennai.

- x. In response to the above notification, following importers have responded to the initiation of the investigation and submitted importers questionnaire response/ submissions:

S. No	Name of the Company
1.	M/s Rationale Business Corporation Pvt Ltd.
2.	M/s Max Flex & Imaging Systems Pvt Ltd.

- xi. The following interested parties have also made submissions during the course of the investigation:
- a. Revel Compu_Con Pvt Ltd
 - b. eSys Information Technologies Pvt Ltd.
 - c. 3 M India Ltd
 - d. Tower Overseas Ltd
 - e. Canadian Speciality Vinyls
 - f. All India Sinage Printers & Merchants Association (Subsequently renamed as Sinage Printers & Merchants Association (India))
 - g. Unity International Foundation
 - h. Avery Dennison (India) Pvt Ltd
 - i. Technova Imaging Systems Pvt Ltd.
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xiii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation.
- xiv. Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty, lower than the dumping margin, would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- xv. Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2008 to 30th September 2009 (18 months, POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered each quarter of POI (April-June 2008, July-September 2008, October-December 2008, January-March 2009, April-June 2009 and July September 2009), considering that the petitioner has commenced production only in April 2008.
- xvi. Transaction-wise data in respect of the imports of the subject goods under various customs classifications for the period of investigation and preceding three years has been provided by Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S). Domestic Industry has furnished data based on IBIS (Secondary Source) in respect of imports of the subject goods from the subject country under various custom classifications. On examination of the import data from both the above stated sources, the Authority notes that the data from IBIS source shows substantially higher volume of imports than

- the DGCIS source. In view of the above position, the Authority has relied upon IBIS (secondary source) data for volume as well as price effect analysis.
- xvii. The confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them were examined and duly considered by the Authority. The information, which is by nature confidential or which has been provided by an interested party on a confidential basis has been treated as confidential in this finding and has not been disclosed to other interested parties. However, the non-confidential version of such confidential information has been disclosed in this finding to such an extent that the same permits a reasonable understanding of the substance of information provided on confidential basis.
 - xviii. Market Economy Treatment (MET) questionnaire was forwarded to all the known exporters and Embassy of China PR. Exporters were informed that authority proposes to examine the claim of the applicant in the light of para 7 and para 8 of Annexure I of Anti Dumping Rules, as amended. The exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish the necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment be granted to the co-operating exporters/producers.
 - xix. Authority recorded preliminary finding on 22nd June, 2010, a copy of which was forwarded to all the interested parties including the Embassy of the subject country in India. All interested parties were asked to file their comments on preliminary findings.
 - xx. The Authority held oral hearings on 20th August, 2010 and 2nd May, 2011 to hear the interested parties, which were attended by representatives of interested parties. The submissions received from interested parties, to the extent considered relevant, have been considered in this finding.
 - xxi. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry.
 - xxii. On the spot verification of the data of the responding exporters who filed their submissions and invited the Authority for verification, was carried out to the extent necessary.
 - xxiii. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts were disclosed to the known interested parties vide disclosure statement of even No. dated 20th July, 2011 and the comments received on the same to the extent considered relevant by the Authority have been addressed in this finding.
 - xxiv. *** In this finding represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
 - xxv. The exchange rate adopted for the POI is 1 US \$ = Rs. 46.95.

6. The Submissions made by domestic industry and other interested parties during the course of the investigation have been examined and addressed in the respective areas of this finding.

C. Product under Consideration and Like Article

7. In the initiation notification the product under consideration (PUC) was defined by the Authority as follows:

"The product under consideration for the present investigation is PVC Flex Films, also known as PVC Flex Banners, PVC Flex Sheets for advertising signage, billboards, PVC films and tarpaulins etc., (hereinafter referred to as subject goods). The product is a multi-layered PVC film with sand-witch lamination of reinforcement textile. This laminated product called flex is used for advertisement industry. The PVC Flex Film can be of different types depending upon its quality and characteristics like front lit or back lit and glossy or Mattie."

4. PVC Flex Films are classified under Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975, under Tariff Heading Nos. 3920 and 3921. The information received from IBIS shows that the material is being imported and cleared under a large number of other customs classifications, which includes 39201019, 39201012, 39204900, 39219026, 39219029, 39269099, 39199090, 39181090, 39189090, and 39269080. The customs classification is however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation."

8. In the preliminary findings the product under consideration (PUC) has been defined by the Authority as follows:

"5. The product under consideration is 'PVC Flex Film' PVC Flex Films are also known as PVC Flex Banners, PVC Flex Sheets for advertising signage, billboards, PVC films and tarpaulins etc., (hereinafter referred to as subject goods). The product is a multi-layered PVC film with sand-witch lamination of reinforcement textile. This laminated product called flex is used for advertisement industry. The PVC Flex Film can be of different types depending upon its quality and characteristics like front lit or back lit and glossy or Mattie. The product is used by advertising industry for applications such as hoardings, billboards, POP, banners, sign boards etc. However PVC Rigid Films and Cotton / Canvas Tarpaulins are outside the purview of this investigation."

6. PVC Flex Films are classified under Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975, under Tariff Heading Nos. 3920 and 3921. The information received from IBIS shows that the material is being imported and cleared under a large number of other customs classifications, which includes 39201019, 39201012, 39204900, 39219026, 39219029, 39269099, 39199090, 39181090, 39189090, and 39269080. The customs classification is however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation."

9. After issue of Preliminary Findings on 22nd June, 2010, the Authority issued a Corrigendum Notification on 7th July, 2010 vide which it was notified inter alia as follows:

*“*The imports are also reported under ITC (HS) codes 39201019, 39201012, 39219026, 39219029, 39269099, 39199090, 39181090, 39189090, and 39269080 as well. Therefore the Customs Classification is indicative only.*

***PVC Flex Film are also known as PVC Flex Banners, PVC Flex Sheets for advertising signage, billboards, PVC films and tarpaulins, PVC Flex sheets in Rolls (Flex banner Frontlit/Backlit), and all these are within the purview of this investigation.*

***PVC Rigid Films and Cotton/Canvas Tarpaulins are outside the purview of this investigation.”*

10. The Authority issued a further Corrigendum Notification on 19th October, 2010 amending the PUC to read inter alia as under

*“**PVC Flex Film are also known as PVC Flex Banners, PVC Flex Sheets for advertising signage, billboards, tarpaulins, PVC Flex sheets in Rolls (Flex banner Fronlit/Backlit), and all these are within the purview of this investigation*

***PVC films and Cotton/Canvas Tarpaulins are outside the purview of this investigation.”*

Submissions made by Interested Parties on PUC and Like Article

Submissions made by Exporters/Importers/Other Interested parties

11. The following are the submissions made by the exporter/producers/importers/other interested parties regarding scope of the PUC and like article:

- Since, as per definition, the subject product is a ‘sand-witched’ one, the product variants like “One-side-lamination (OSL)”, “Coated flex”, “High density flex” and other non-sand-witched variants must be excluded from this anti-dumping case.
- Since the domestic industry has lamination technology for manufacturing the subject products, the products manufactured through coated technology must be excluded from this case.
- Since the domestic industry produces the product concerned from the calendaring stage, the product types produced from the lamination stage should be excluded from the purview of the investigation.
- There is a significant quality difference in the imported product and the ones produced by the Domestic Industry. The products of the exporters are catering to a different segment.

- e. Because domestic Industry has excluded Self-Adhesive Vinyl, One way vision film/Perforated Window Film, Coloured Vinyl, Mesh Banner/fabric, Cotton or canvas Tarpaulins and PVC Rigid Film from the scope of the PUC, injury analysis should be done by Authority by excluding these products.
- f. The different grades of PVC Flex Films Black-back Frontlit Banners, Mesh Banner, Block-out banner, 18 Oz Banner and RoHS compliant banner, not manufactured by the Domestic Industry, must be excluded from the scope of the PUC and the purview of this case.

Submissions made by domestic industry

12. The Domestic industry has made the following submissions with regard to product under consideration and like article:

- The technology and the production process of the domestic industry and the subject producers from the subject country are comparable.
- There are two processes of manufacturing of PVC Flex viz. Coated Process and Laminated Process. The PVC flex films produced by both the processes of manufacturing are one and like products.
- Differences in the production process, technology and quality do not make the output different. While it is possible that some PVC Flex Films might have some specific end applications and catering to some market segments, all PVC Flex Films have application in advertising industry such as making hoardings, billboards, POP, banners, sign boards, etc.
- The subject goods produced by the domestic industry and those produced and exported by the subject country are technically and commercially substitutable and used by the consumers interchangeably.
- The scope of the product under consideration (PUC) should not be modified as no sufficient evidence for such exclusion has been submitted by these interested parties. Merely because the product can be described by different names, it does not become a different product.
- Different types of PVC Flex Films fall in the same tariff classification. However, the material is being imported and cleared under a large number of other customs classifications.
- Following are the various types/nomenclature of the product under consideration prevalent in the market. The raw materials and manufacturing process are same with minor differences to suit the desired output:
 - ❖ PVC Flex Film
 - ❖ PVC Flex Banners
 - ❖ Banners (Front lit/backlit/Glossy/ Mattie)

- ❖ PVC Flex Sheets
- ❖ PVC Flex Billboards
- ❖ PVC films and tarpaulins
- ❖ PVC Flex sheets in Rolls
- ❖ Black-back Frontlit Banner (Glossy/Mattie)
- ❖ Blockout Banner
- ❖ Coated PVC Flex Film
- ❖ Laminated PVC Flex Film
- ❖ 18 OZ Banner
- ❖ RoHS Compliant Banner with a low heavy metal content
- ❖ One Sided laminated (OSL)

- The following Product types have been produced and supplied by the domestic industry during the Period of investigation:
 - ❖ **Frontlit Flex/ Backlit Flex – Glossy/Matty**

There are two types of PVC Flex Films/banners/sheets, the Frontlit wherein the banner is illuminated from the front side and the Backlit wherein the illumination is provided from the backside. Depending on customer's preference these can be made Mattie or Glossy.

❖ **Tarpaulin made of PVC Flex Film**

Tarpaulin is one of the types of the PVC Flex film which is of higher GSM with the only difference that it cannot be sold in roles but only in cut-pieces with mounted eyes on all the four sides of the sheet. This needs to be included under purview of investigation to avoid circumvention.

- The following Product types have been produced and supplied by the domestic industry post POI:

❖ **Black Back Flex**

When a black coloured film is used on the backside and a white coloured film on the front side, with reinforcement fabric, it is called Blackback Frontlit Flex banner. The only difference between the normal Flex Banner and Blackback Flex banner is the difference in colour of the backing film.

❖ **Grey Out Flex**

Grey out PVC Flex film is with the grey coloured backing film. The only difference is the change in the pigment used for manufacturing the backing film.

❖ **One Sided laminated (OSL)**

One side laminated film is nothing but one of the types of PVC Flex Films with the difference that it is laminated only from one side. Till the period of investigation there was neither such type of PVC Flex Film known in the

market nor it was imported. The nomenclature is generated after the imposition of provisional duty with the intention to circumvent the duty. The manufacturing process, raw materials, technology and end use of the product are same.

- The following Product types have not been produced and supplied by the domestic industry but domestic industry has the capacity to produce the same:

❖ **Block Out Flex**

The product is nothing but the product under consideration with a slight difference in the lamination process. In case of black back banner or both sided white coloured banner, two layers of film are laminated with fabric in between, whereas, in the case of Block-out banner, there are three different layers of PVC films i.e. Front film which is milky white colour, back film which is again milky white colour with one additional film in black colour inserted between the two. This is effective to stop the passage of light from the back side to the front side and also from the front side to back side, as a result of which the Flex Banner can be printed on both the sides independently. The manufacturing process is same; the raw material required is same with the additional black film.

❖ **18 OZ Banner**

18 OZ Banner means PVC Flex film Banner in 18 Oz weight, which is equivalent to 610 GSM.

❖ **RoHS types**

This is a standard imposed by some European countries to reduce metal contents in PVC Flex film to make it environment friendly. The domestic industry has the capacity and ability to produce the same considering the demand in the market.

- The following products may be excluded since they do not constitute PUC:

- ❖ Self Adhesive Vinyl
- ❖ One way vision film/Perforated window film
- ❖ Coloured Vinyl
- ❖ Mesh Banner/Fabric for fencing
- ❖ Cotton or Canvas Tarpaulins
- ❖ PVC Rigid Film

- The product under consideration is being sold in different GSMS. Petitioner also sells the same in different GSMS starting from 220 GSM up to 550 GSM depending upon the product mix and customers' preference.
- The material is being imported and cleared under a large number of other customs classifications. Petitioner therefore requests the Authority that the definitive anti-dumping duty may kindly be recommended on imports of the product under consideration falling under all relevant Chapters and in any case under Chapter 39, 47, 48, 53 and 59.

Examination by the Authority

13. The Authority has examined the submissions of interested parties on the issue of product under consideration and like article. The Authority notes that the various type/nomenclatures of the product under consideration in market parlance, as claimed by the interested parties, are as follows:
- PVC Flex Film
 - PVC Flex Banners
 - Banners (Front lit/backlit/Glossy/ Mattie)
 - PVC Flex Sheets
 - PVC Flex Billboards
 - PVC Flex sheets in Rolls
 - Black-back Frontlit Banner (Glossy/Mattie)
 - Blockout Banner
 - Coated PVC Flex Film
 - Laminated PVC Flex Film
 - 18 OZ Banner
 - RoHS Compliant Banner with a low heavy metal content
 - One Sided laminated (OSL)
 - PVC Flex Tarpaulin.
14. The Authority notes that the domestic industry has produced and supplied Frontlit/Backlit Flex – Glossy/Matty types of PVC Flex Films and PVC Flex Tarpaulin during the period of investigation. It is further noted that post FOI the domestic industry has produced and supplied the Black Back Flex, Grey out Flex and One Side laminated (OSL) PVC Flex Films.
15. The Authority notes that the Domestic Industry has the capacity to produce Block Out Flex, 18 OZ Banner and RoHS types of PVC Flex Films.
16. Since the various types/nomenclature/grades of the PVC Flex Films are like articles and technically and commercially substitutable and can be manufactured through the same manufacturing process, plant and machinery and the same basic raw materials, as being adopted by the Domestic Industry, the Authority considers Black Back Flex, Grey Out Flex, One Side laminated (OSL) PVC Flex Films, Block Out Flex, 18 OZ Banner and RoHS as part of the PUC.

17. The Authority notes that the PVC Flex Films are primarily used as signage material in advertising sector. The product is manufactured through two processes- Laminating process and Coating Process. The Authority further notes that the major raw materials used in both the process of manufacturing are the same. Further, as far as the various types/nomenclature/grades of the PUC is concerned, they are manufactured through either of the processes and by using same raw materials, with modification in the product mix to suit the requirement. The Authority considers that they are technically and commercially substitutable and like articles in terms of the Rules and therefore cannot be excluded from the purview of the present investigation. Besides, exclusion of any such type/nomenclature/grade of the PUC may.
18. In view of the above position, the Authority considers that the following types/nomenclature/grades of PVC Flex Films constitute PUC and are like articles:
- PVC Flex Film
 - PVC Flex Banners
 - Banners (Front lit/backlit/Glossy/ Mattie)
 - PVC Flex Sheets
 - PVC Flex Billboards
 - PVC Flex sheets in Rolls
 - Black-back Frontlit Banner (Glossy/Mattie)
 - Blockout Banner
 - Coated PVC Flex Film
 - 12 OZ Banner
 - RoHS Compliant Banner with a low heavy metal content
 - One Sided laminated (OSL)
 - PVC Flex Tarpaulin.
 - Grey Out Flex
19. After examining the submissions of various interested parties, the Authority clarifies that PVC Rigid Films, Cotton/Canvas Tarpaulins, PVC Film, Self-Adhesive Vinyl, One way vision film/Perforated window film, Coloured Vinyl and Mesh Banner/Fabric are not within the ambit and scope of the present investigation.
20. In view of the above, the product under consideration (PUC) within the scope of this investigation is as follows :

The product under consideration is ‘PVC Flex Film’. PVC Flex Films are also known as PVC Flex Banners, PVC Flex Sheets for advertising signage, billboards and PVC Flex Tarpaulins, etc., (hereinafter referred to as subject goods). However, PVC Films, PVC Rigid Films, Cotton/Canvas Tarpaulins, Self Adhesive Vinyl, One way vision film/Perforated window film and Mesh Banner/Fabric do not constitute PUC and therefore are outside the purview of this investigation.

PVC Flex Films are classified under Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975, under Tariff Heading Nos. 3920 and 3921. The Authority notes that the material is being imported and cleared under a large number of other customs classifications as well, which includes 39201019, 39201012, 39204900, 39219026, 39219029, 39269099, 39199090, 39181090,

39189090, and 39269080. The customs classifications are however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

21. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD Rules provides *inter alia* as under: -

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

22. The Authority notes that the PVC Flex films are manufactured through two manufacturing processes i.e. Laminating Process and Coating Process. While in the coating process the PUC is manufactured by coating the fabric with PVC, in the Laminating process the PVC Films are produced through calendering process and then the fabric get laminated as a continuous process. The Authority further notes that the PUC can also be manufactured from the stage of lamination by procuring PVC Films and Fabric and then getting the same laminated. The Authority notes that some of the Chinese producers/exporters are manufacturing the subject goods from the stage of lamination by procuring PVC Films and Fabric. However, the Authority notes that the PUC produced through either of the processes or stages are technically and commercially substitutable and like article under the Rules. Moreover, interested parties have not been able to establish with positive evidence that the difference in manufacturing process/stage make the products as dislike products.
23. The Authority notes that PVC Flex Films primarily have application in advertising sector for making hoardings, billboards, POP, banners, sign boards, etc. Although the PUC is being imported and cleared under a large number of other customs classifications, the products produced and supplied by the domestic industry are comparable in terms of essential product characteristics to the various other types of PUC imported in to India. The Authority notes that there is no known difference between subject goods produced by the Domestic Industry and imported from China. The subject goods produced by the Domestic Industry and those imported from the subject country are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. In view of the above, the Authority notes that subject goods produced by the Domestic Industry are like article to the subject goods imported from subject country, in accordance with the Rules.

D. Scope of the Domestic Industry & Standing

Submissions by the domestic industry

24. The Domestic Industry has submitted that they hold 100% share in the domestic production during POI and therefore constitutes Domestic Industry and satisfies the standing requirement under the Rules.

Submissions by Exporters, Importers and other interested parties

25. The following are the submissions made by the Exporters, Importers and other interested parties with regard to standing and scope:

- a. Petitioner has no right to claim to be a Domestic Industry since they import a major constituent of the subject goods.
- b. Only a bald statement has been made by the domestic industry that two companies commenced production of the subject goods after the POI. The details about those manufacturers have not been provided.
- c. Designated Authority has erred in accepting the Petitioner's submission that it is the sole producer of the product under consideration and accounts for 100% of the production.

Examination by the Authority

26. Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rule, as amended by Notification No. 18/2010-Customs (N.T.) – New Delhi dated 27th February, 2010, provides as follows:

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term "domestic industry" may be construed as referring to the rest of the producers only."

27. From the information available on record, the Authority notes that the petitioner is the sole producer of the subject goods in the country and accounts for 100% of domestic production of the subject goods during the POI. No information to the contrary was brought before the Authority by any interested party with substantive evidence. It is further noted that domestic producers, who have come to the notice post POI, do not fall within the purview of the present investigation as per the Rules. The Authority further notes that importing raw materials/components of the PUC from the subject country does not tantamount to disqualification for the status of domestic industry under the Rules. Therefore, the Authority notes that the applicant constitutes the domestic industry in terms of Rule 2(b) and being the sole producer of the subject goods in the country commands the standing in terms of Rule 5(3).

E. Confidentiality**Submissions by the Domestic Industry**

28. The following are the submissions made by the Domestic Industry with regard to confidentiality:

- a) The rules clearly permit confidentiality treatment to certain information which has been rightly exercised by the domestic industry.
- b) The information relating to cost of production, cost of sales, project report etc are highly sensitive and cannot be disclosed.
- c) Project report contains highly sensitive commercial information and therefore cannot be disclosed.
- d) Other interested parties demanding disclosure of commercially sensitive information pertaining to the domestic industry have themselves not disclosed many information in their responses/submissions.

Submissions by Exporters/ Importers/ Other Interested Parties

29. The following are the submissions made by the Exporters, Importers and other interested parties with regard to confidentiality:

- a. The information provided to Designated Authority on confidential basis is not required to be treated as confidential merely because it is provided to the Designated Authority on a confidential basis. Substantial information such as date of trial production, date of commercial production, production process flow chart, annual reports, transaction wise import data received from IBIS, detailed project report, source and information for Korean price, evidence for ocean freight, adjustments, details of plant and machinery, variety and types of subject goods produced, production quantity(actual and projected), actual capacity utilisation, domestic sales quantity(actual and projected), export sales quantity, market share of subject countries, etc have been kept confidential.
- b. The Designated Authority has not disclosed the details regarding the export price, dumping margin, injury margin, computation of Normal Value, Non Injurious Price, etc.

Examination by the Authority

30. The Authority has examined the confidentiality claims of the interested parties. The Authority made available to all interested parties the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection, upon request as per Rule 6(7).
31. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule (2), (3) (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5,

or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

32. The provision for disclosure of essential facts before giving final findings has been laid down at Rule 16 of the Anti-dumping Rules. Even under Rule 16, the confidential facts are required to be disclosed to "respective interested parties", while non-confidential facts are required to be disclosed to all interested parties. At no stage the Designated Authority is empowered to disclose the confidential information to the parties with competing and conflicting interests. Thus it would be sufficient if full explanation of the reasons for the methodology used in the establishment and comparison of the export price, normal value and Non-injurious price are disclosed by the Designated Authority instead of disclosing the actual figures. Normal Value, export price and non-injurious price are based on the confidential information submitted by the parties and disclosure of computation of the same would be of significant competitive advantage to a competitor and its disclosure could have a significantly adverse effect upon the person supplying the information.
33. It is noted that disclosure of the commercially sensitive and confidential information, provided by the interested parties to the Designated Authority, by reposing trust and confidence, to facilitate the investigation, will completely vitiate the market atmosphere both in the domestic as well as international fronts. The disclosure of confidential information relating to the cost of production, cost of sales, project report, etc. of the domestic industry will provide undue advantage to its domestic as well as overseas competitors and place the domestic industry in a disadvantageous position before the consumers. Likewise disclosure of the confidential information relating to the exporters such as normal value, net export price, landed price etc. will jeopardize their commercial interest vis-à-vis their competitors as well as buyers.
34. The Authority notes that details regarding export price, dumping margin, injury margin, CNV, NIP, etc, which are based on commercially sensitive information of the Domestic Industry and producers/exporters cannot be disclosed. Further, a conclusion drawn by the Authority based on confidential information also becomes confidential, if disclosure of such conclusion can in any way effectively lead to disclosure of information provided on confidential basis. However, as per practice NIP is disclosed to the concerned domestic industry and export price is disclosed to the concerned

exporters only. However, methodology of calculation of dumping margin, injury margin and Constructed Normal Value (CNV) is disclosed in this finding.

F. Miscellaneous Issues

Submission made by Exporters/Importers/Other Interested Parties.

35. The following are the submissions made by the Exporters, Importers and other interested parties with regard to miscellaneous issues:

- The Petitioner has claimed in the 1st Public Hearing that its capacity is 50,000 MT per annum. The Petitioner is now claiming in effect that the capacity of 12500 MT shown by it is a quarter breakup of its total capacity. However, its production figures clearly belie such an argument.
- The production capacity claimed by domestic industry is false. The domestic flex producing plant set up by the petitioner consists of two Laminators. The total production that the total number of Lamination Machine(s) finishes in a day in any flex manufacturing unit would amass the total production of that day. A laminator finishes (laminates) 25 mtrs of PVC flex sheet in one minute at its optimum. If the biggest width size PVC flex roll i.e. 3.20 Mtrs. is produced, then its one day's production will be 96,000 Sqm. If the Average width size PVC flex roll i.e. 1.93 Mtrs. is produced, then its one day's production will be 57,900 Sqm. Therefore, the total production in MT in a quarter year will be 2770 MT per quarter. The petitioner's claim of 12500 MT per quarter as their total production capacity is false.
- Preliminary finding was issued by the Authority without verifying the data.
- The domestic sales figures are shown in range whereas the import figures are shown in specific numbers. How any specific number can be compared with a figure in range?
- *The petitioner had purchased second-hand laminator from Aditya Rajasthan in 2010.*
- The month of start of domestic factory was April 2008 & the Anti-dumping Initiation application was moved during the same month (April 2008) too. It is evident that the petitioner started off with this new manufacturing unit with an ill-intention of getting anti-dumping duties imposed.
- The basic issue as to when do the dumping start has remained unanswered. It is apparent that the applicant has purposely avoided the critical information from the Designated Authority which could have a serious bearing on the issue of initiation itself.
- Investigation is not in accordance with the Trade Notice No.2/2004. It is submitted that the domestic industry in the present case has given the

information for the period April 2008 to September 2009 (18 Months) only. There is no reason as to why at least the transaction-wise import data could not be supplied for the previous years.

- It is submitted that the POI for dumping has to be different from the POI for injury analysis. If the two coincide, then there is no possibility of any comparison.
- 18 months POI is inadmissible because POI for dumping has to be different from POI for injury. For proper comparison of injury and dumping, the POIs for both the analysis should be different.
- The cost or injuries, if suffered by the domestic industry are the result of normal start up problems faced by any new company, poor infrastructure, and implementation.
- The Authority has recommended duty on the basis of kilograms while the data provided by the interested parties is based on square meters. The basis of conversion has also not been provided by the Authority.
- No deduction towards non-refundable portion of VAT is required to be made from the export price in China.
- Despite substantial imports from Korea, petitioner has deliberately kept it out to destroy competition vis-à-vis China PR.
- The domestic industry does not have production capacity to cater to the domestic market demand.
- The levy of AD duties would adversely affect SMEs.
- This is a case of under-invoicing and not anti-dumping.
- The anti-dumping duty, if any, may be imposed on reference price basis as the prices of PVC Flex have increased phenomenally in the recent past and there is huge difference in price between various grades of PVC Flex.
- Calculation of domestic industry's capacity during POI by authority as 359 million SQM at an average thickness of 277 GSM gives a production of 99443 MT of production, which is incorrect. Further, the conclusion of the authority that DI's actual capacity utilization during POI works out to 21.64% as against 13.81% is baseless.
- Capacity of the domestic industry is wrongly calculated taking in to consideration the capacity of 2 calendars where as it should be as per the laminating machines. The actual production capacity should be the production capacity of laminator and not the production capacity of calendar machine.

- The domestic industry had installed only 2 laminators during POI. Admittedly, the 3rd laminator was not in working condition since machines imported from Korea was not suitable for production in Indian conditions.
- DGAD should not place reliance on project report alone to compare the performance of the domestic industry. Even otherwise, a non-confidential version of such reports should be made available to other interested parties.
- Methodology has not been provided for computation of dumping margin. DGAD has merely listed out the components considered while computing normal value.
- In order to determine a proper margin of injury, it is essential to compare both, NIP and landed value, at the same level of trade. As a rule of thumb, DGAD calculates the NIP and landed value without considering the local excise duty or its equivalent duty imposed on imports, i.e., CVD. Since the duties are numerically equal, no distortion is caused in the accounting treatment if both are offset against each other or not considered. Domestic Industry is benefiting from an area based exemption on payment of local excise tax, whereas CVD continues to be applicable on the imports. As a result, excise duty on domestic manufacture and CVD on imports cannot be offset against each other and thus, fair determination of injury margin is impeded.
- Annexure III to the AD Rules makes it obligatory on the part of DGAD to determine non injurious price of the domestic like product as per the principles laid therein.
- Material injury and material retardation cannot co-exist. Alleged economic and financial impact of the alleged dumped imports and determination of alleged material injury to the domestic industry/ material retardation of the establishment of the domestic industry must be based on evaluation of all relevant economic factors.

Submission by Domestic Industry

36. The following are the submissions made by the Domestic Industry with regard to the miscellaneous issues:

- The interested parties are deliberately trying to mislead the Designated Authority. The domestic industry had achieved a production level 1128.72 MT in the month of March 2009 during the period of investigation itself. Post period of investigation, the domestic industry achieved a production level of 1758.18 MT in March 2011. This leads to an annualized production of 31650 MT respectively, as against which the actual production during the period of investigation (on annualized basis) was 8389 Mt only in last four quarters of the POI. This significant difference between achievable production and achieved production further establishes volume injury.
- The capacity as shown in the project report submitted by the Company is 50000 MT on weight basis. This project report has been appraised and a loan

of Rs.*** Crores has been sanctioned by the State Bank of India. Further, the certificate issued by the Pollution Control Board shows capacity of 150 MT per day which comes to 50000 MT per annum and the certificate issued by Secretarial for Industrial Assistance – Ministry of Commerce and industry also shows capacity of the Company as 50000 MT.

- The petitioner had two calendar machines and three laminators prior to the commencement of commercial production and POI.
- PUC of higher GSM on 3rd laminator has been produced and supplied during POI.
- The level of capacity in absolute terms is not a factor on which the Designated Authority is required to record a finding. What the Designated Authority is required to consider is that whether dumping has adversely impacted utilization of production capacities and whether the domestic industry could have produced significantly beyond the levels achieved.
- None of the laminators were purchased from any concern called Aditya – Rajasthan. The domestic industry had purchased some spare parts from Aditya (Rajasthan) post POI.
- As per the WTO guidelines, the Authority is required to consider a longer injury period subject to the condition that the party should have been in existence for a longer period. In case the company has existence for shorter period, the guideline itself makes it evident that the Designated Authority is required to consider such shorter period.
- Quarterly comparison is not prohibited under the Rules.
- Some interested parties assumed that the petitioner holds a production capacity of mere 12,500 MT/annum. Petitioner submits that it has capacity to produce 50,000 MT PVC Flex Film in a year. Given that the demand for the product in the period of investigation on annualized basis was 40745 (actual demand - POI -61118) MT, it is evident that the petitioner would have been in a position to cater to the entire demand of the product in the market. In other words, in the absence of dumping, petitioner could have achieved 100% market share in the Country. However, the petitioner could achieve hardly 24.25% market share in Q4 of POI, which also declined significantly thereafter. Given that petitioner has set up a new plant, it was the normal expectation of the petitioner that its market share would gradually increase. The same however substantially declined in the last quarter.
- Petitioner submits that it has the capacity to meet the entire Indian demand and imports are wholly unnecessary on this account. Further, two more companies have already come in production after the POI. Combined Indian capacity is therefore sufficient to meet the entire Indian demand. However, these capacities are lying significantly unutilized due to dumping of the product in the Country.

- Interested parties have argued that project report should not be attached absolute sanctity. The Project Report of the company was approved by competent authorities for finalizing the project.
- The quantum of interim anti-dumping duty recommended by the Authority in its preliminary determination on some of the exporters is considerably low. Further, benchmark or variable form of anti dumping duty would lead to evasion of anti dumping duties. While the interim duties are in the form of fixed duties and the same itself justifies recommendations of fixed form of duty, petitioner submits that given the disclosure statement relating to export price claims by the foreign producers and Indian importers, it is evident that any benchmark form of duty shall be easily evaded by these parties by over reporting the import values. In view of the same, petitioner requests to recommend fixed form of anti dumping duty.
- Only interested parties should be allowed to participate in the investigation. The Authority should reject the submissions made by eSys, 3M, the All India Signage Printers & Merchants Association (AISFMA), etc on the same ground.
- Dumping margin and injury margin in respect of Shanghai NAR industrial Co. Ltd and Shanghai Infex Signage Co. Ltd may be reviewed since they have suppressed vital information that one of their related companies namely M/s Shanghai NAR international Development Co. Ltd has exported the product under consideration to India during POI.
- Unless the exporters show full evidence of payment having been made by the importer concerned, it must be concluded that export price is not fully established to the extent claimed.

Examination by the Authority

37. The Authority notes that the Domestic Industry had commenced its commercial production on 22nd April, 2008 and the period of investigation is from April, 2008 to September 2009. The unit has reported in its audited accounts, project report and other documents that its capacity is 50000 Mt. It is observed from the details provided by the Company in the project report that it had installed 2 calendar lines capable of producing 115 million sqm of finished products on 3 shift basis for 330 days. Taking the average weight of the thickness of the film as 435 grams per square meter, the capacity of the plant in terms of Mt was computed as 50000 Mt per annum.
38. The Authority notes that the capacity of the plant is dependent on the weight as well as the sqm of the product produced and change in any one of the parameters will alter the capacity of the plant. During POI the Domestic Industry has produced 35.9 million sqm of the finished product with average thickness of 277 grams per square meter.

Since the products produced are not identical and homogenous and the assumptions made at the time of declaring installed capacity and at the time of actual production significantly vary, the installed capacity needs to be reassessed in terms of the actual mix of products produced during POI.

39. The capacity so reassessed works out to 31890 Mt per annum and the actual capacity utilization during POI works out to 21.64% as against 13.81% based on original declared capacity of 50000 Mt per annum.
40. The Authority further notes from the bill of entry and other relevant documents that the domestic industry had purchased two calendar machines, other associated machines and three laminators prior to the commencement of commercial production and the POI (and not two laminators as claimed by the opposing parties). It is noted that the domestic industry produced Chartered Accountants certificate showing that it had indeed put to use 3 laminators as on 22nd April 2008. The Authority further notes that the domestic industry had supplied PUC of 220-560 GSM during the period of investigation.
41. It was also observed by the Authority during the verification that the Laminator which was purchased in 2007 was not in operation. The domestic industry explained that the particular laminator is suitable for higher GSM product and due to change in market scenario the demand for higher GSM product has declined and therefore, this laminator is being converted to make it suitable for manufacture of lower GSM products.
42. The Authority further observed that the domestic industry has procured and installed the 4th laminator post POI meant for lower GSM, which was observed to be operational during on the spot verification.
43. Authority notes that domestic industry had initially submitted an anti-dumping application to the DGAD in September, 2009, whereas the Company had commenced commercial production w.e.f. 22nd April, 2008. Thus the argument of the interested parties that the month of start of domestic industry was April 2008 & the Anti-dumping Initiation application was moved during the same month (April 2008) does not hold good.
44. The Authority has considered actual number while determining demand market share and sale.
45. As regards the argument in respect of period of investigation and injury period cannot be the same and 18 months period adopted by the Authority is incorrect. The Authority notes that there is no bar under the Rules for taking period of investigation as 18 months.
46. The Authority further notes that there is no specific period for period of investigation and period of injury examination mentioned either in the AD Rules or the WTO's AD Agreement. It is noted that the Authority has been considering a period ranging from 6 months to 18 months as the POI based merits of each case. Considering the facts in the instant matter, particularly that the domestic industry in the present case has

commenced commercial production only in April 2008, the POI for 18 months has been appropriately considered.

47. With regards the argument that investigation is not in accordance with the Trade Notice No. 2/2004, the Authority notes that the need for providing data for 3 years prior to POI is not applicable in the case of petitions claiming material retardation.
48. As regards the argument that during initiation, DI has not provided information regarding the issue as to when did the dumping start, The Authority notes that petitioner has provided relevant information as to the dumping both in the confidential and non-confidential versions of the petition.
49. As regards the argument that as per 2008 proposal to WTO which states that an industry can under no circumstance be considered to be in establishment if the collective production capacity of the established producers exceeds 10% of the domestic demand, the Authority notes that the proposal is not yet part of AD Agreement and AD Rules.
50. The interested parties have argued that the cost or injuries, if suffered by the domestic industry are the result of normal start up problems. The Authority has examined the matter and notes that the claim of injury is not due to start up problems.
51. As regards the argument that imports from South Korea, despite being significant, has not been taken in to consideration in present investigation, the Authority notes that about 93% of imports are from subject country during POI. Although imports from Korea are above deminimis, the prices are much higher as compared to the prices from the subject country.
52. As regards the argument of gap between demand and supply the Authority notes that imposition of anti dumping duty would not restrict the imports in any manner, and therefore, would not affect the availability of the product to the domestic consumers.
53. As regards the issue of under invoicing, the Authority notes that under invoicing is an offence under the Customs Act and other relevant Acts and is beyond the mandate of the DGAD.
54. As regards the issue of injury period in the instant matter, the Authority notes that the period of data collection for injury analysis could be less than three years in a case where the domestic industry from which data is being gathered has existed for a lesser period. However, in such a case the injury period should include the entirety of the period of data collection for the dumping investigation which has been followed in this case as well. This view is also buttressed by the recommendations of the WTO's Committee on Anti Dumping practices of May, 2000.
55. Post disclosure some interested parties submitted that anti-dumping duty, if any, should be imposed on reference price basis. However, the submission was not corroborated with supporting documents. The Authority notes that during the course of the investigation the interested parties have alleged under invoicing in the imports of the subject goods from the subject country and the Authority has not granted individual dumping margin to many respondent exporters of the subject goods from

the subject country in view of mismatches in the export data and failure of such exporters to furnish documents towards receipt of payment from the Indian importers. The Authority notes that in such a situation imposition of reference price duty may result in circumvention of anti-dumping measures through over invoicing of export prices. Further, the provisional duty was imposed by the Central Government on fixed duty basis and the Authority does not find any reason to recommend otherwise.

56. The Authority has not relied only upon the project report to compare the performance of the domestic industry. The performance of the domestic industry has been assessed on the basis of various economic parameters and verified data.
57. As already mentioned, the Domestic Industry had three laminators in operation during POI. The Authority has considered the speed of the two laminators observed during verification as well as the technical data made available by the domestic industry and found that the Domestic industry is capable of producing a maximum of 97.3 million square meters or 27000 Mt (based on 277 GSM) of the subject goods per annum by using the two new laminating machines installed before commercial production. In addition the domestic industry was having one more laminating machine capable of producing higher GSM of the subject goods. The Authority therefore observes that even if one goes by the installed capacity based on two laminating machines the domestic industry's capacity utilization would be about 25% and therefore would not affect the injury analysis made in this finding. Further, the Authority notes that capacity utilization is not the only parameter for determination of material injury and material retardation to the domestic industry.
58. Post disclosure the opposing interested parties submitted that in order to determine a proper margin of injury, it is essential to compare both, NIP and landed value, at the same level of trade and calculate the landed value by considering the local excise duty or its equivalent duty imposed on imports, i.e., CVD. The Authority notes that the excise duty exemption benefit given by the Central Government is intended to compensate and encourage the industries to come up in geographically disadvantageous areas. The Authority therefore observes that such duties can not be taken while calculating landed value.

G. Methodology for determination of Dumping Margin

Market Economy Claims

Submissions by the Domestic Industry

59. The following are the submissions made by the Domestic Industry with regard to market economy claim:
 - The Authority shall consider China and Chinese producers as not entitled for market economy treatment; unless one or more Chinese producers establish that they are entitled for market economy treatment.

- Market economy status cannot be granted unless the responding exporters satisfy each & every of the following conditions:
 - i. Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity.
 - ii. Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.
 - iii. Market economy status cannot be given unless the responding exporter establishes that their books are audited in line with international accounting standards.
 - iv. Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied.
 - v. Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected.
 - vi. Market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
- Grant of market economy treatment by EU is not mandatory on the Designated Authority.
- The question of company specific normal value shall arise only if the Chinese companies are able to establish that they are entitled for market economy treatment.

Submissions by Exporters, Importers and other interested parties

60. The following are the submissions made by the Exporters, Importers and other interested parties with regard to market economy claim:

- Blanket denial of MET claims and construction of normal value is wrong.
- Rejection of market economy claims of the exporters on the basis of ‘impossible standards’ set by the Authority.

Examination by the Authority

61. The Authority notes that in the past, China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules.
62. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China

PR provides information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China PR are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

G1. Zhejiang Botai Plastic Co., Ltd

- 63. After the provisional findings, an on the spot verification was conducted at the premises of the producer and exporter. A detailed verification report was issued to the company asking for their comments. In particular, the company was asked about various deficiencies found in their submissions and also the fact that the company was not able to produce relevant records in support of their claim for market economy treatment.
- 64. Post disclosure the subject company stated that the verification team asked for several documents but it was physically impossible for them to provide all the documents. The Authority notes that the comments received from the subject company were incomplete, evasive and therefore unacceptable. In particular, the company was not able to rebut the presumptions mentioned under para 8(3) of the Annexure 1 of the Anti-dumping Rules as it was not able to submit relevant records required for rebutting the presumptions of market economy at the time of verification. In view of the above reasons, the Authority does not grant market economy status to the subject company.

G2. Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd

- 65. The following are the observations of the Authority:

- As per the response filed with the Authority, M/s Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd. is a 100% owned subsidiary of Heytex Bramsche GmbH, Germany, established in the year 2006.

- From the information submitted by the subject company subsequent to verification of data by the Authority, it has come to the notice of the Authority that the company had procured substantial quantum of the major raw materials from some companies namely M/s Haining Tianchang Plastic Fabric Co Ltd, M/s Hainjing Ganglong Knitting Clothes Co, etc who are respondents in the present investigation and have been declared as non-market economy by the Authority.
- In the response filed by M/s Zhejiang Ganglong New Material Co., it is stated that prior to May 2009 the company was known as M/s Hainjing Ganglong Knitting Clothes Co.Ltd. Further, from the public domain information of M/s Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd., it is evident that this company is also known as M/s Hainjing Ganglong Knitting Clothes Co. Ltd. As per the information furnished by the subject company they have procured significant quantum of PVC Films from M/s Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd.(M/s Hainjing Ganglong Knitting Clothes Co. Ltd) at a price lower than the prices of other suppliers.
- They have also procured significant quantum of polyester mesh from a company named Haining Tianchang plastic Fabric Co. Ltd in China. It is noted that this company is none other than M/s Zhejiang Tianchang Plastic Fabric Co. Ltd., a respondent producer/exporter in the present investigation, who has been accorded non-market economy status by the Authority.

66. Post disclosure the subject company stated that the ground on which the Authority has rejected the MET claim of the subject company is factually incorrect and legally untenable. However, the subject company has not disputed the observations of the Authority that they have procured substantial quantum of the major raw materials from non-market sources. The Authority notes that the subject company has not conclusively and substantively proved that the raw materials procured by the subject company from non-market sources are not impacted by non-market forces. In view of the above, the Authority does not grant market economy status to M/s Hytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd.

G3. Shanghai NAR Industrial Co., Ltd & Shanghai INFLEX Signage Co. Ltd

67. The following are the observations of the Authority:

- Shanghai NAR Industrial Co., Ltd is the parent company of Shanghai INFLEX Signage Co., Ltd. MET claim has been made by the parent company, but the subsidiary company has not made MET claim.
- Shanghai NAR was claimed to have been established in the year 2005. The first Articles of Association was issued on 20th October

2005. The Capital Verification of the Company was carried out on the same date as the issue of Articles of Association i.e. 20th October, 2005. On being asked about the same, there was no satisfactory reply. Thus the genuineness of the CVR of the company, which was issued before the incorporation of the Company itself, is doubtful.

68. After the provisional findings, an on the spot verification was conducted at the premises of producer and exporter. A detailed verification report was issued to the company asking for their comments. In particular, the company was asked about various deficiencies found in their submissions and also the fact that the company was not able to produce relevant records in support of their claim for market economy treatment.
69. It is noted that no comments were received from the subject company on the verification report. In particular, the company was not able to rebut the presumptions mentioned under para 8(3) of the Annexure 1 of the Anti-dumping Rules as it was not able to submit relevant records required for rebutting the presumptions of market economy at the time of verification. Post disclosure, the subject companies reiterated their market economy claim without furnishing any substantive supportive documents. In view of the above reasons, the Authority does not grant market economy status to the subject company.

G4. Zhejiang Tianchang Plastic Fabric Co., Ltd

70. After the provisional findings, an on the spot verification was conducted at the premises of producer and exporter. Despite advance intimation the company did not keep required documents ready for verification. Further, the costing related documents were not produced for verification. The subject company claimed to have been established in the year 2004 as a Sino-Foreign Joint Venture. However, in the Product Brochure of the Company made available to the verification team, it is noticed that the Company was established in the year 2002 by the name of "ATC (Zhejiang Tianchang) Plastic Fabric Company Ltd." Further, it also came to notice of the verification team during interaction with the officials that the company had been set up initially in the Year 1994. The Authority notes from the web based information that the company was originally set up in 1997. The Authority notes that none of the available information appears to be reliable to establish the formation and the growth of the company.
71. A detailed verification report was issued to the company asking for their comments. In particular, the company was asked about various deficiencies found in their submissions and also the fact that the company was not able to produce relevant records in support of their claim for market economy treatment.
72. Post disclosure the subject company stated that the verification team asked for several documents but it was physically impossible for them to provide all the documents. The Authority notes that the comments received from the subject company were incomplete, evasive and not satisfactory. The Authority further notes that the company did not provide required documents, including costing related documents,

- for verification. Further, the origin and growth of the subject company has not been substantiated with adequate material evidence and record. Moreover, the subject company failed to furnish the details of fixed assets acquired by them since its inception, with details of the source of procurement and requisite payments made to suppliers.
73. In particular, In particular, the company was not able to rebut the presumptions mentioned under para 8(3) of the Annexure 1 of the Anti-dumping Rules as it was not able to submit relevant records required for rebutting the presumptions of market economy at the time of verification. In view of the above reasons, the Authority does not grant market economy status to the subject company.

G5. Zhejiang Yuli Plastic Co. Ltd

74. M/s Zhejiang Yuli Plastic Co. Ltd, originally named as Haining Yuli Plastic Co., Ltd, was claimed to be originally set up in Nov. 11 2005 as a limited liability company. The major shareholders of the subject company, who have invested in cash, are the employees of another respondent non-market economy company in the present investigation. After the provisional findings, an on the spot verification was conducted at the premises of producer and exporter. A detailed verification report was issued to the company asking for their comments. In particular, the company was asked about various deficiencies found in their submissions and also the fact that the company was not able to produce relevant records in support of their claim for market Economy Company.
75. The Authority notes that the much belated comments received from the subject producer/exporter are incomplete, irrelevant, evasive and therefore not acceptable. The Authority notes that the majority of the shareholders are connected to another respondent non-market economy company. The Authority further notes that the subject Company has procured substantial quantum of major raw materials from another respondent non-market economy company. Moreover, the financial accounts of the company show discrepancy in terms of shareholding and income statement. In particular, the company was not able to rebut the presumptions mentioned under para 8(3) of the Annexure 1 of the anti dumping rules as it was not able to submit relevant records required for rebutting the presumptions of market economy at the time of verification. Post disclosure the subject company disputed the observation of the Authority and reiterated its market economy status. However, the arguments of the subject company were without any supportive documentary evidence. The subject company has not disputed the observations of the Authority that they have procured substantial quantum of the major raw materials from non-market sources. The Authority further notes that the subject company has not conclusively and substantively proved that the raw materials procured by the subject company from non-market sources are not impacted by non-market forces. In view of the above, the Authority does not grant market economy status to M/s Zhejiang Yuli Plastic Co. Ltd.

G6. Zhejiang Haile New Material Co., Ltd.

76. After the provisional findings, an on the spot verification was conducted at the premises of producer and exporter. A detailed verification report was issued to the company asking for their comments. In particular, the company was asked about various deficiencies found in their submissions and also the fact that the company was not able to produce relevant records in support of their claim for market economy treatment.
77. The Authority notes that the comments received from the subject company were incomplete, evasive and not satisfactory. The Authority further notes that the company did not provide required documents, including costing related documents, for verification. In particular, the company was not able to rebut the presumptions mentioned under para 8(3) of the Annexure 1 of the anti dumping rules as it was not able to submit relevant records required for rebuiting the presumptions of market economy at the time of verification. Post disclosure the subject company reiterated its market economy claim. However, the Authority notes that the Company has not disputed the fact that they have procured the major raw materials from non-market sources. Further, the post-disclosure rebuttal of non-market status is not satisfactory. In view of the above reasons, the Authority is not able to grant market economy status to the subject company.

G7. Cixi Linyun Plastic Wart Co. Ltd

78. During the on the spot verification by the Authority Cixi Linyun Plastic Wart Co. Ltd submitted a written statement that they abandon the claim of MET status. Subsequently, at a much belated stage, the subject company had informed through their new legal representatives that they had abandoned their MET claim under duress. Post disclosure they reiterated that they have not abandoned their MET claim. However, the Authority notes that the company had consciously and willingly foregone their MET claim during the verification.

G8. M/s Guangzhou Dima Membrane Structure Co Ltd. (Dima)

79. M/s Guangzhou Dima Membrane Structure Co Ltd, a producer of the subject goods, has foregone their claim for Market Economy Treatment.

G9. Guangzhou Hongxin Economic Development Co. Ltd. China PR

80. M/s Guangzhou Hongxin Economic Development Co. Ltd. China PR (Hongxin) has foregone their claim for Market Economy Treatment.

Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd. China PR (Ganglong)

81. M/s Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd, China PR (Ganglong) has foregone their claim for Market Economy Treatment.

G10. M/s Jiangyin Nanwei Plastic Co. Ltd., Jiangyin, China PR & M/s Jiangyin Nanwei International Trade Co. Ltd., Jiangyin, China PR (Nanwei International)

82. M/s Jiangyin Nanwei Plastic Co. Ltd., Jiangyin, (producer) and M/s Jiangyin Nanwei International Trade Co. Ltd. (exporter) have foregone their claim for Market Economy Treatment.

H. De Minimis Limits

83. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources, as well as the data furnished by the cooperating exporters from China PR, the import volume of the subject goods from the subject country are above the de minimis level.

I. Normal Value, export price and dumping margin.

Submission by domestic industry

84. The following are the submissions of the domestic industry regarding the normal value, export price and dumping margin:

- The Exporters' data should be accepted only after verifying with the Indian Customs Data.
- The fact of unabsorbed VAT cost is well accepted by the Chinese producers and needs to be adjusted.
- Profits of the related trading parties should be deducted. The normal value includes SGA & profit, which is in respect of production and sale of the product under consideration. Trading company performs only function of sales of the product. Therefore, the SGA & profit included in the normal value determination are not sufficient to account for the expenses involved in selling of the goods.
- While different grades have significantly different associated cost and price if the unit of measurement is SQM, associated cost and price do not significantly vary if the unit of measurement is weight.
- None of the exporters has established that weight of the product is not an appropriate parameter for establishing normal value, export price and dumping margin.

Submissions by Exporters, Importers and other interested parties

85. The following are the submissions by Exporters, Importers and other interested parties regarding the normal value, export price and dumping margin:

- The grounds on which Korea is proposed to be selected as the third country market economy should be disclosed. The Korean material is significantly different from the material produced by the Chinese companies and the petitioner.
- Adopting a single normal value, export price, non injurious price for all grades of subject goods is inappropriate. The calculation of dumping and dumping margin are erroneous.
- The Authority has recommended duty on the basis of kilograms while the data provided by the interested parties is based on square meters. Adoption of weight as the common unit of measurement is highly inappropriate.
- Deduction of non-refundable portion of VAT from the export price is not warranted.
- Consumption norms of different specifications differ in great measure based on the weight of PVC and fabric and different companies have different product structures. It is hence unfair to calculate constructed normal value based on domestic industry's data or other exporter's norms.
- The parameters, Normal Value and NIP, should be exporting country specific and importing country specific.

Examination by the Authority issues relating to Normal value

86. As regards selection of the third country market economy, the Authority had indicated in the Initiation Notification that the applicant has proposed South Korea as an appropriate market economy third country. However, some of the interested parties have objected to the appropriateness of South Korea as surrogate country stating that the goods imported from South Korea are primarily of expensive variety, viz., backlit, whereas China mainly exports relatively cheaper type i.e. frontlit variety. Neither the Domestic Industry nor other interested parties have made available the required information to the Authority.
87. The opposing interested parties have argued that adopting a single normal value, export price, non injurious price for all grades of subject goods is inappropriate. Subsequent to the provisional findings, the domestic industry has also requested the Authority to examine the dumping margin by taking into account GSM of the subject goods. The matter has been examined and it is noted that the subject goods have been exported to India under various GSM and they are also denominated in Square meters. It is noted from the information submitted by exporters that if squares meters of subject goods are converted into weight (Kgs) after taking into account the GSM of subject goods, then the prices per Kg of different GSM do not vary significantly.
88. With regard to the argument that Authority has recommended duty on the basis of kilograms whereas the data has been provided by interested parties on square meter

basis, the Authority notes that the weight of the product is dependent on the GSM of the product. The interested parties have furnished required data for the PUC in terms of GSM as well as SQM and on this basis the weight has been arrived at and adopted as the unit of measurement.

89. The opposing interested parties have argued that deduction towards non-refundable portion of VAT from the export price is not warranted since in Appendix 1, exporters are required to report the basic price without including VAT component. The Authority notes that there is a VAT differential which is paid to the Chinese Government and hence needs to be adjusted while calculating Net Export Price.
90. The opposing interested parties have argued that Consumption norms of different specifications differ in great measure based on the weight of PVC and fabric and different companies have different product structures. It is hence unfair to calculate constructed normal value based on domestic industry's data or other exporter's norms and exporter specific consumption norms ought to be used. The Authority notes that none of the responding exporters have established during the on the spot verification. Besides weight of the product is an appropriate parameter for establishing normal value, export price and dumping margin, as already explained above.
91. The opposing interested parties have argued that the parameters i.e normal value and NIP, cannot be importers or exporters specific, but rather exporting country specific and importing country specific (India). The authority notes that the CNV and NIP have been calculated and determined as per the Rules and methodology in practice. The Authority has followed the prescribed procedure and consistent practice for determining the normal value, export price, dumping margin and the non-injurious price and the methodology for determination of the same has been disclosed.
92. The Authority would have determined individual normal value for each of the co-operating producer/exporter from China PR in accordance with Section 9A of Customs Tariff Act, 1975, amended from time to time, had they been able to rebut the NME presumption to the satisfaction of the Authority. Since in the present investigation none of the responding producers/exporters could rebut the NME presumption to the satisfaction of the Authority, the Authority has determined the normal value as per Para 7 of Annexure 1 of the anti-dumping Rules. In this connection Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules provides that:-

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable

delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

93. After verification of the producer/exporter's data from the subject country and in view of the non-market economy status meted out to them and since no interested party has provided the data of any appropriate third country, the Authority in the absence of relevant data, adopted the third option available in the Rules, which provides for adoption of any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin and constructed the normal value in respect of the subject country. The Normal Value has been constructed taking into account international prices of all the major inputs. The conversion cost and SGA expenses adopted on the basis of the best information available after due adjustments for optimum level of production, and after adding a reasonable profit margin of 5% of ex-factory cost excluding interest. The constructed normal value has been determined as under:-

US\$ per Kg

Cost of raw materials	***
Conversion Cost	***
SGA Expenses and Finance cost	***
Profit margin	***
Constructed Normal Value	***

J. EXPORT PRICE

94. M/s Shanghai Lanquan Plastic products Co. Ltd, China and M/s Zhejiang Minglong Plastic Cement Co. Ltd, China were not given individual dumping margin in the Preliminary Findings on the ground of mismatch between the export data provided by them and the Customs data. It is noted that both the producers/exporters have not submitted replies to the deficiency letters issued by the Authority after the preliminary findings. Post disclosure both the companies insisted on individual dumping margin. However, in view of the reasons stated above, the Authority does not grant individual dumping margin to M/s Shanghai Lanquan Plastic products Co. Ltd, and M/s Zhejiang Minglong Plastic Cement Co. Ltd.
95. Subsequently, M/s Zhejiang Minglong Plastic Cement Co Ltd requested the Authority to accept the price undertaking offered by them. However, the Authority does not consider it appropriate to accept the price undertaking in view of practical difficulties in monitoring price undertaking.
96. The Authority conducted on the spot verification in respect of the following producers/exporters:
1. Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co.Ltd., China
 2. Zhejiang Botai Plastic Co. Ltd., China

3. Zhenjiang Tianchang Plastic Fabric Co. Ltd., China
4. M/s Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd, China
5. M/s Shanghai Nar Industrial Co. Ltd (NAR), China (Producer) and M/s Shanghai Inflex Sighnage Co. Ltd, China (Exporter)
6. M/s Zhejiang Hailide New Material Co. Ltd., China
7. M/s Guangzhou Dima Membrane Structure Co. Ltd, China (Producer) & M/s Guangzhou Hongxin Economic Development Co. Ltd., China (Exporter)
8. Cixi Linyun Plastics Wart Co. Ltd, China
9. M/s Zhejiang Yuli Plastic Co. Ltd, China.
10. Jiangjin Nanwei Plastics Co. Ltd., China (Producer) & Jiangjin Nanwei International Trade Co. Ltd., China (Exporter)

J.1 Zhejiang Botai Plastic Co. Ltd., China

97. The following are the observations of the Authority:

- a. As per the details provided in Appendix 2 submitted along with the Exporters Questionnaire Response the subject producer/exporter has claimed to have exported *** Sq. Meters, (***) KG's) of PUC to India during POI through *** transactions. Total Gross invoice value declared in appendix 2 in respect of these *** transactions is US \$ ***. During verification they furnished revised Appendix 2, stating that they had missed to report some transactions and the same was un-intentional. In the revised Appendix, they have reported *** transactions, accounting for export of *** Sq. M. (***)kg with total gross invoice value of US \$ ***.
 - b. During the on the spot verification it was noticed that the realization certificates produced for verification did not tally with invoice value. During the course of verification, they were provided with the details of Customs data obtained by the Authority from ICD Tughalakabad. These exports were also made during POI but were not found reported in the revised appendix 2 submitted to the verification team.
98. In their response to the verification report, the subject producer/exporter stated that they have no control over the data mismatch. However, the Authority notes that there are mismatches in the data provided by the stated producer/exporter. The Authority further notes that the mismatches in export data and factual discrepancies have not been explained by the said producer/exporter satisfactorily. In view of the above the Authority does not grant individual dumping margin to Zhejiang Botai Plastic Co. Ltd. Post disclosure the subject company stated that the details regarding mismatches in the information/data were not provided to them by the Authority after the verification. In this connection the Authority notes that the detailed verification report sent to the subject company was self explanatory.

99. Subsequently, the subject company has expressed their willingness to offer price undertaking. However, the Authority does not consider it appropriate to accept the price undertaking in view of the mismatches in the data furnished by the subject producer/exporter, non market economy nature of the company and practical difficulties in monitoring price undertaking.

J.2 Zhenjiang Tianchang Plastic Fabric Co. Ltd, China

100. The following are the observations of the Authority:

- a. It is noted that the original documents including proforma invoices, commercial invoices, packing lists, bills of lading, invoices for the inland transportation and other related charges were not provided during verification. It was also noted that a number of customs declarations had not been reported in appendix 2, filed with the Authority. Further, for more than 50% of transactions, they were unable to provide invoices and invoice wise sale payment receipts/realization certificates. It was also noted that exports made to an Indian importer as reported in Customs data in ICD Tughalukabad, was also not found reported in the response filed with the Authority.
- b. Significantly lower prices of subject goods exported by them to India during POI for which bills of entries of lower values have been filed by the Indian importers.
- c. In their comments by exporters, it has been submitted that
 - a. The quantity and value reported in some of the Customs Declaration documents has been incorrectly reported due to an inadvertent error.
 - b. The goods exported vide some of the unreported invoices are not for the product under consideration.

101. The Authority notes that there were unreported transactions and mismatches in respect of the exports related data provided by the said producer/exporter. During verification it was noted that the company had not been able to present the details of the payments received from Indian importers. Moreover during exporter's verification, they could not furnish original export documents for verification purpose. The explanation given by the subject producer/exporter in response to verification report is found to be incomplete, evasive and unsatisfactory. In view of the above the Authority does not grant individual dumping margin to M/s Zhenjiang Tianchang Plastic Fabric Co. Ltd. Post disclosure the subject company stated that the details regarding mismatches in the information/data were not provided to them by the Authority after the verification. In this connection the Authority notes that the detailed verification report sent to the subject company was self explanatory.

102. Subsequently, the subject company has expressed their willingness to offer price undertaking. However, the Authority does not consider it appropriate to accept the price undertaking in view of the mismatches in the data furnished by the subject

producer/exporter, non market economy nature of the company and practical difficulties in monitoring price undertaking.

J.3 M/s Zhejiang Hailide New Material Co. Ltd., China

103. The following are the observations of the Authority:

- During verification of records, they provided a revised response including appendix 2, showing changed Gross invoice value. However they failed to provide original documents for verification.
 - During verification discrepancies were noticed in the various transactions reported in Appendix-2, and reported in Invoices.
 - During verification it was noted that the company had not been able to present the details of the payments received from Indian importers through normal banking channel and also has not been able to present or corroborate export volumes and prices with Indian customs port data.
104. The Authority notes that the explanation given by the subject producer/export in response to verification report is incomplete, evasive and unsatisfactory. The Authority further notes that during verification of records the company failed to provide original documents for verification. Post disclosure the subject company stated that they have been fully paid irrespective of the channel of payment. However, the Authority observes that the subject exporter has failed to corroborate receipt of required payments from the Indian importers by producing documents. In view of the above, the Authority does not grant individual dumping margin to M/s Zhejiang Hailide New Material Co. Ltd.

J.4 M/s Guangzhou Dima Membrane Structure Co. Ltd, China (Producer) & M/s Guangzhou Hongxin Economic Development Co. Ltd, China (Exporter)

105. The following are the observations of the Authority:

- During verification of Dima it was noticed by the Authority that there were some entries recorded in the sales to Hongxin which were not exported to India during the POI.
- During verification the exporter was asked to provide copies of Ledger Accounts. It was found that since the exporter has exported other products (non subject material), it was not possible to match the transaction to transaction payments from the Exporter.
- An analysis of the ledger accounts revealed that payments have been received from parties other than the importers and therefore, it could not be reconciled with the individual invoices raised for export of the subject goods.
- During verification differences in the invoice values of the subject goods and the landing price of the subject goods, as per port data

available with the Authority were pointed out to the exporter. But no justification with documentary proof could be provided by the subject exporter.

106. The following are the comments received from M/s Guangzhou Dima Membrane Structure Material Co., Ltd., and M/s Guangzhou Hongxin Economic Development Co., Ltd., China PR:

- M/s Guangzhou Dima Membrane Structure Material Co., Ltd., and M/s Guangzhou Hongxin Economic Development Co., Ltd., China PR., have exported subject as well as non subject goods to the importers in India. Accordingly, it is not possible to match sales realization on invoice to invoice basis. It was also pointed out in their reply that the extra credits are advances received from clients for further orders for ongoing business. It was also stated that M/s Guangzhou Dima Membrane Structure Material Co., Ltd. and M/s Guangzhou Hongxin Economic Development Co., Ltd., China PR., issued one invoice for which the importers paid, based on importers convenience and their export value is strictly as per their invoice and as declared to Chinese Customs.
- 107. During verification it was noted that the company had not been able to present the details of the payments received from Indian importers and also has not been able to present or corroborate export volumes and prices with Indian customs port data. The explanation given by the subject producer/exporter in response to verification report is found to be incomplete, evasive and unsatisfactory. In view of the above the Authority does not grant individual dumping margin to the subject exporter.

J.5 Cixi Linyun Plastics Wart Co. Ltd, China

108. The following are the observations of the Authority:

- Subject producer/exporter submitted revised appendix 2 twice, once before the PF and another amended version after the issue of Preliminary Findings.
- During verification glaring discrepancies were noticed in data reported in Customs Unified invoices vis-a-vs Appendix 2 presented to the Authority.
- During the verification they failed to provide original commercial invoices and other relevant documents related to the transactions reported in appendix 2.
- Glaring discrepancies between the transactions claimed in Appendix 2 and those reported in Indian Customs data were detected by the Authority during verification.

109. The following are the belated comments received from the subject producer/exporter:

- Adequate time was not given to the responding exporter for verification.
- Due to change of manpower (employee) and office premises the requisite data/record could not be arranged at the time of verification.

110. The Authority notes that during verification of records, they provided a revised appendix 2, showing changed Gross invoice value. However they failed to provide original documents. The justification for the discrepancies in the various transactions reported in Appendix-2 and those reported in Indian Customs data, noticed by the Authority during verification, have not been explained by the company with documentary proof. In view of the above the Authority does not grant individual dumping margin to Cixi Linyun Plastics Wart Co. Ltd.
111. Subsequently and post disclosure the subject company has expressed their willingness to offer price undertaking. However, the Authority does not consider it appropriate to accept the price undertaking in view of the mismatches in the data furnished by the subject producer/exporter, non market economy nature of the company and practical difficulties in monitoring price undertaking.

J.6 Jiangjin Nanwei Plastics Co. Ltd., China (Producer) & Jiangjin Nanwei International Trade Co. Ltd., China (Exporter)

112. The following are the observations of the Authority:

- All the export sales were made through a related trading company namely, Jiangyin Nanwei International Trade Co. Ltd. (Nanwei International).
- During the verification the Authority observed that in many cases the payments were received from sources other than the purchaser of the goods. During verification, the company was asked about the other importers who have imported the subject goods from Nanwei during the POI. Indian Customs port data indicated that Nanwei had exported the subject goods to other importers. In particular, the information was sought about other Indian importers as per Indian customs port data, who had imported the subject goods from M/s Nanwei during the POI. It was informed by the company that they have no information about these importers and they were not their customers.
- During the verification, it was noted that some exports to India have been through another trader from Hong Kong whose information and details were not submitted by the company in their response. During verification, it was noted that M/s Sun Global was one such trader whose information and details of its export prices to India were not provided to the Authority.
- The company was asked to produce customer wise ledger for verification of payments against individual invoices. The company explained that it does not maintain customer wise ledger. Instead it maintains only country wise ledger. In the absence of individual accounts of the customers (Importers), the details of realizations against individual importers could not be verified.

- As per terms of payment informed by the company, the payments against individual invoices are remitted by individual customers only by the TT/ DP or by LC Bond.
113. The following comments have been received from M/s. Jiangyin Nanwei International Trade Co. Ltd, China:
- Nanwei International is concerned with the price at which they have exported the goods to India and realization of the entire export proceeds from those sales. They are not concerned about the manner and source from where the export proceeds are received.
 - Nanwei International sold goods to traders in Hong-Kong who in turn could have exported the goods to the Indian traders for which no information is available with Nanwei International.
114. During verification it was noted that the company had not been able to present the full details of the payments received from Indian importers and also has not been able to present or corroborate export volumes and prices with Indian customs port data. Post disclosure the subject producer/exporter reiterated its request for individual dumping margin stating that all payments have been received irrespective of the channel of payment and they have no control over the importers. However, the Authority notes that the contention of the subject exporter is devoid of merit and therefore does not grant individual dumping margin to the subject exporter.

J.7 M/s-Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd, China PR

115. The following are the observations of the verification team:
- During the verification, the company could not establish that it has received the payments from Indian importer for its total invoiced amount through normal banking channels from India. In some cases, it was noticed that payments were received from countries other than India or entities other than Indian importers and in the case of many transactions invoice numbers could not be found.
 - The company could not produce customer wise ledger for verification of payments against individual invoices.
 - Some of the transactions recorded in Appendix 2 have been sent to traders on way to exports to India, but the exporter has not filed details with regard to the prices at which these payments have been made by Indian importers. Also, no information was made available to the Authority with regard to export prices of these traders to Indian importers.
 - Subject goods were exported to Indian customers at significantly lower prices.
116. The following comments have been received from M/s-Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd, China PR:

- M/s-Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd is concerned only about the payments received by them and is not concerned whether these are being made against particular invoice numbers or not, whether coming from the same importers or someone else and whether payments are being made from India or others.
 - During verification it was noted that the company had not been able to present the details of the payments received from Indian importers and also has not been able to present or corroborate export volumes and prices with Indian customs port data.
117. No satisfactory justification along with documentary proof was provided by the subject producer/exporter. The explanation given in response to verification report and disclosure statement is found to be evasive and unsatisfactory. In view of the above the Authority does not grant individual dumping margin to the subject exporter.
118. Subsequently, the subject company requested the Authority to accept the price undertaking offered by them. However, the Authority does not consider it appropriate to accept the price undertaking in view of the mismatches in the data furnished by the subject producer/exporter, non market economy nature of the company and practical difficulties in monitoring price undertaking.

J.8 Shanghai Nar Industrial Co Ltd & Shanghai Infex Sinage co ltd

119. M/s Shanghai NAR Industrial Co., Ltd is the parent company of M/s Infex. While Nar is both a producer and exporter of subject goods, Infex is purely a trading company. Post disclosure it has come to the notice of the Authority that one company namely M/s Shanghai NAR International Development Co Ltd, China PR, having the same address, company logo and website address as that of M/s Shanghai NAR Industrial Co Ltd, had exported the subject goods to India during the POI. However, despite being related company, neither any response was filed by M/s Shanghai NAR International Development Co Ltd, China PR, nor the responses filed by the subject companies provided details about M/s Shanghai NAR International Development Co Ltd. The subject companies were requested by the Authority to clarify the position with supporting documents. In response, it was clarified that M/s Shanghai NAR International Development Co Ltd, China is no longer related to the subject companies since 2nd January, 2008. In support of their claim they furnished an unsigned non-sealed copy of the shareholders resolution of M/s Shanghai NAR International Development Co Ltd. However, the subject companies could not explain how M/s Shanghai NAR International Development Co Ltd, China PR continues to share the address, logo and the website address with M/s Shanghai NAR Industrial Co Ltd. The Authority further notes as per available information that M/s Shanghai Nar International Development Co. Ltd. had exported the subject goods to India during the POI and the payment for such exports were to be made to their Company Nar (Hongkong) Co. Ltd., which is a related company of M/s Shanghai NAR Industrial Co Ltd. The Authority therefore observes that the subject companies have concealed the vital facts about their related company as well as the exports of subject goods to India made by them during POI. In view of the above stated reasons, the Authority

does not grant individual dumping margin to M/s Shanghai Nar Industrial Co Ltd and M/s Shanghai Inflex Sinage Co Ltd, China PR.

J.9 Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co.Ltd., China

120. M/s Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co.Ltd has reported export of *** Sqm amounting to *** MT of the subject goods to India through *** transactions for the gross invoice value of *** during the POI. The exports were claimed to be on FOB/CNF basis. Adjustments were made on account of VAT loss, inland freight and other charges like handling, customs fee to arrive at ex-factory export price. The Authority has determined net export price (NEP) in respect of the subject producer/exporter after making adjustments as submitted by the producer/exporter and as verified by the Authority.

J.10 Zhejiang Yuli Plastic Co Ltd

121. As per the details provided in Appendix 2, the company has exported *** Sq. Meters of PUC to India during POI through *** transactions. Total Gross invoice value declared in appendix 2 in respect of these *** transactions is US \$ **. The exports were claimed to be on FOB / CIF / basis. The adjustments were made on account of Ocean Freight and Insurance, Inland Transportation, VAT and handling Charges. The Authority has determined net export price (NEP) after making adjustments as submitted by the producer/exporter and as verified by the Authority.
122. Subsequently and post disclosure, the subject company has expressed their willingness to offer price undertaking. However, the Authority does not consider it appropriate to accept the price undertaking in view of the non market economy nature of the company and practical difficulties in monitoring price undertaking.

J.11 Export price for Non-cooperating Exporters

123. The Authority has determined Export Price for the Non-cooperating Exporters as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti Dumping Rules.

K. Dumping margin

124. Considering the normal value and export price determined, as explained above, the Authority has determined dumping margin as follows;

Particulars	Unit	<u>Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co.Ltd., China</u>	<u>Zhejiang Yuli Plastic Co Ltd</u>	Other Exporters
Normal value	US\$/Kg	***	***	***

Export price	US\$/Kg	***	***	***
Dumping margin	US\$/Kg	***	***	***
Dumping margin	%	***	***	***
Dumping margin Range	%	10-15	35-45	50-60

K. Injury Determination

Submissions by the domestic industry

125. The Domestic Industry has made the following submissions with regard to the Injury and causal link:

- The imports from China PR have increased in absolute terms and remained at a very significant level even when the petitioner has commenced the new production facilities for the product under consideration.
- The dumping of the product under consideration is materially retarding the establishment of the domestic industry in India.
- The rules clearly recognize three forms of injury – material injury, threat of material injury and material retardation to establishment of domestic industry. The fact that the petitioner commenced commercial production establishes that material injury cannot be examined in the present case, except for an examination within the investigation period itself. Thus, either the interested parties must agree for examination of injury inter se investigation period, or must agree that material injury cannot be examined & considered in the present case. In the former situation, the performance clearly shows that the domestic industry has suffered material injury.
- Threat of material injury exists in those situations where there is no material injury so far, but the circumstances are such that an imminent threat of injury exists. Thus, in such cases as well, past history (of no material injury) is must. Since the petitioner does not have past history, the Authority cannot examine threat of material injury in the present case. Thus, the only form of injury applicable/relevant in the present case is material retardation to establishment of domestic industry.

- Inspite of the significant increase in the demand of the country and commissioning of the production by the petitioner, the sales of the domestic industry have declined due to the presence of the dumped imports in the market.
- Landed price of imports is far below the cost of production of the domestic industry. Further, the selling price of the domestic industry is considerably below its cost of production.
- Exporters from the subject country are exporting the subject goods at prices substantially lower than the prices at which the imports from the other countries are entering in India.
- The weighted average import price even after including the basic customs duties have been significantly below the net sales realization of the domestic industry, thereby resulting in significant price undercutting.
- There is a decline in the capacity utilization and subsequently the production, sales and market share of the domestic industry due to the ill effect of the increased dumped imports. Productivity of the domestic industry showed the similar trend.
- Profitability, cash flow and return on capital which were positive during the commencement of the plant turned negative in the period of investigation due to increase in the imports from the subject country.
- The domestic industry is deprived of the opportunity to grow and establish itself in the light of growing demand in the domestic market on the other hand there has been a considerable level of inventories with the domestic industry.
- With respect to the sanctity of the project report it is argued that the Project Report of the company was approved by competent authorities for finalizing the project. The Authority may examine the project report, actual performance so far and draw its own benchmark of reasonable level of performance that the domestic industry could have expected in the absence of dumping.
- With respect to the argument of interested parties that dumping period of investigation and injury period cannot coincide, the WTO guidelines requires the Authority to consider a longer injury period, which is subject to the condition that the party should have been in existence for a longer period. In fact, the interested parties at the time of hearing conceded the fact that the Authority would have been justified in considering a period shorter than 12 months as the dumping period of investigation.
- Import volumes may not be appropriately reflected on quarterly basis in view of the fact that there might be some over importation in some periods. In the present case, the consumption has been determined considering domestic

sales & imports. This may not imply actual consumption during the quarter. However, since actual consumption is difficult to be established, the Investigating Authorities tend to consider imports plus domestic sales as consumption. Even when imports could be considered as consumed, it is to be considered that such pattern may show a high or low volume in one quarter as compared to other quarter.

- Further, the Designated Authority is not restricted to consider 6 months as the period of investigation. In fact it would have been more appropriate to fix 6 months as a period of investigation in the present case. The deterioration in the performance of the domestic industry in Q5 and Q6 of period of investigation is sufficient enough to establish material injury given that this comprises of the minimum period of 6 months.
- The performance of the domestic industry shows that the company commenced commercial production in 22nd April 2008 and thereafter steadily increased its production till Q4 of POI. This further establishes that the domestic industry was in the process of establishing itself. A situation of continued increase in production and sale will happen only in a new company. In the past cases as well, the Authority considered the performance of the domestic industry to the extent the domestic industry was in production and sale of the product considering it the material retardation.
- As per the guidelines of the Committee on Anti Dumping Practices with regard to period of data collection, it is evident that the Authority must consider injury assessment for as much period as possible and in case the domestic industry was in existence for a period shorter than the minimum, the actual period of existence of domestic industry should be taken into account. Merely because the domestic industry has been in existence for several months does not mean that it cannot be a case of material retardation.
- Petitioner contends that the sub-optimal performance of the domestic industry up to Q1 of the POI, when the petitioner achieved production level of 1.08% can be termed as part of start up operations. However, once the petitioner achieved production level of 22.27%, there is no reason why the same should thereafter decline due to start up factors. The subsequent fall in production is entirely due to presence of dumped imports in the market and inability of the domestic industry to produce and sell the product.
- There is no 10% threshold capacity utilization considered by the WTO. The position of DGAD was that if the current domestic industry is not meeting entirety of the demand, addition of fresh capacities should be construed as material retardation to establishment of domestic industry. Evidently 10% threshold was never agreed by WTO members nor appears reasonable.
- The claim of the interested parties that the petitioner's capacity is only 12,500 MT per annum and the same is wholly utilized is without any factual basis. The capacities held by the petitioner are far more than contested. Petitioner has the capacity to meet the entire Indian demand and imports are

wholly unnecessary on this account. However, these capacities are lying significantly unutilized due to dumping of the product in the Country.

- It would be seen that the market share of the domestic industry improved till Q4. Market share achieved by domestic industry was substantially below the levels that a company with present capacities and market demand should have achieved. Further, the decline in market share after Q4 is clearly a result of intensified dumping. Domestic industry has lost sales disproportionately higher than decline in demand.
- It has been argued by the interested parties that whereas import prices increased over the period, the selling prices of the domestic industry declined and therefore, causal link is missing. The petitioner submits that it fixed the initial price for its product while going commercial. The price was obviously fixed at a much higher level as compared to the import price. This resulted in significant undercutting. Gradually, as the petitioner found difficulty in selling the product and as the consumers continued to resort to imported material, the petitioner kept lowering its prices gradually by offering discount in order to attract the customers thereby reducing price undercutting gradually.
- With respect to the argument advanced by the opposing parties that petitioner cannot produce more than 2661 MT per quarter is without any factual basis. The same can be verified by the Authority with the production actually achieved by the petitioner.
- Even when the imports-share remained constant, the market share of Domestic Industry was fluctuating. Also there is no evidence that the Domestic Industry has suffered on the basis of loss in the market share.
- An industry is said to be in establishment where a genuine and substantial commitment of resources has been made to the domestic production of a like product not previously produced in the territory of the importing member, but the production has not yet been achieved in commercial volumes.
- Authority may consider feasibility studies and investment plans to examine the case of material retardation.
- With respect to the allegation regarding capacity, petitioner submits that the information submitted to the Authority clearly established the fact that it has already produced much higher volume in comparison to what is claimed by the opposing parties.
- Authority has already observed that the establishment of the petitioner is materially retarded and in light of the performance of the domestic industry during the period of investigation it is suffering material injury. Material retardation to the domestic industry led to material injury to the domestic industry.

- The argument with respect to the non-disclosure of date of commercial production is baseless as it was disclosed in written submissions subsequent to the first oral hearing.
- The fact that domestic industry produced much higher levels and production declined in H3 establishes that the difficulties of the domestic industry are not with regard to technical constraints.
- Given the fact that the petitioner had gone into commercial production of a import substitute product with no past production in the country, it follows that the imports were bound to decline in a fair market situation. In fact, this is clearly established post imposition of the anti-dumping duty. Once dumping has been checked through imposition of anti dumping duties, the volume of imports has substantially come down and the market share of domestic industry has substantially increased.
- It has been argued by the opposing interested parties that quarter-wise data analysis showed distorted image of the injury. However, Petitioner provides the injury information on semester basis, which shows the same results.
- Post disclosure the domestic industry submitted that NIP should not be determined by considering notional production volumes. In any case, the expenses other than raw materials and utilities cannot be divided by such notional production as the level of expenditure is directly dependent on the level of operations.

Views / Submissions made by opposing interested parties

126. Interested parties opposing the petition have made submissions on injury which are summed up as follows:

- The entire case for material retardation cannot be sustained as the initiation notification itself does not invoke the provision of material retardation. It is submitted that no industry can logically claim material retardation when admittedly they have been in commercial production for over 18 months. In this context; it may be seen that the concept of "material retardation to the establishment of industry". An industry which has been in commercial existence for such a long period cannot possibly claim to be in the process of "establishment".
- The facts of the present case do not support a finding of material retardation and accordingly the present investigation deserves to be forthwith terminated. The domestic industry cannot be considered to be in establishment as a 'developing' or even as a 'nascent' industry for purposes of an allegation of material retardation and injury based thereon.
- Material injury and material retardation are mutually exclusive and do not co-exist. While the Domestic Industry has itself claimed material retardation, the investigation could not have been initiated considering that there was evidence of 'material injury'.

- Test of material retardation relied by the petitioner is inapplicable to the petitioner as it has already found its place in the market.
- There is a difference in material retardation and a material injury. The initiation notification states that DI is suffering from material injury. The investigation could not have initiated as the evidence pertains to material injury and not retardation. Even in preliminary finding the Authority failed to appreciate this difference. Material retardation might lead to material injury whereas vice-versa is impossible.
- Price injury is not made available on quarterly basis, which leads to an inappropriate comparison.
- Domestic industry has provided unrealistic projected figures. The requirements as pointed out in 2008 proposal to WTO are not met. The production, capacity or volume as presented by Domestic industry is impossible with the kind of plant and machinery and the infrastructure.
- Failure to seek AD investigation against South Korea despite significant imports is indicative of the flaw in the petitioner's case.
- The argument that the level of imports should have come down as a result of domestic production is without logic as there was an increase in the domestic demand for the subject goods. Rather, imports are unavoidable and levy of AD duty would only mean burdening the end users.
- There is no adverse volume or price effect of the imports. The goods are being exported to India above its normal value.
- The share in the demand/market of the imports from China PR has shown decline of 20% in POI as compared to previous year whereas that of the domestic industry has grown more than 10 times.
- Even when the imports-share has remained constant, the market share of DI is fluctuating. Also there is no evidence that the DI has suffered on the basis of loss in the market share.
- Petitioner even in full capacity cannot meet more than approx 15-20% of even the present demand.
- The prices at which imports are coming in are high and there is no price suppression, depression, underselling or undercutting.
- The petitioner has failed to indicate which sources were relied in calculation of market share & demand data.
- The information on prices has not been provided on a monthly basis. Such changes in comparison parameters lead to incorrect results.
- The performance of DI has improved in terms of production, sales, capacity utilization, market share, etc. There is no injury or material retardation as claimed by the petitioner.
- No causal link has been established. Injury if any, caused to the domestic industry is not attributable to imports.
- DGAD failed to carry out a non-attribution analysis.

- No import is made during the PNL and therefore no importers questionnaire is filed by 3M India ltd.
- There is no causal link established by the domestic industry and has observed positive growth in most of the injury parameters.
- If correct capacity is taken into consideration, the domestic industry did not suffer any volume effect. Petitioner has achieved almost 100% capacity utilization and merely because it achieved a lower utilization in Q6 does not suffice the material injury claim of the domestic industry.
- No injury has been caused to the domestic industry especially by the imports from Hailide.
- Imports are being made at a high price and there is no price suppression, depression, underselling or undercutting and there is a massive decline in imports.
- In Q6 low domestic sales is to be viewed in the light of lower domestic demand.
- No. of employees are increased with capacity being constant. This would certainly decrease the productivity per employee.
- There has been a contraction in demand in Q5 to Q6.
- It is clearly evident that from 95% of market share catered by China (during the nascent stage) declined to 71.59% which could have declined further only if DI had more production capacity (facility) to cater to ever-growing existing market demand of PVC flex film in India. Moreover, DI (right from the commencement of domestic production) has been enjoying a constant growth trend in sales (i.e. the total domestic production used to get sold out/consumed). Hence, there has been no injury or dumping from China of subject goods.
- If any analytical study has to be done, a quarter has to be compared with the same quarter of any year and not between quarters with any quarter of choice. For instance the petitioner has compared Q2 (2009-10) with Q4 (2008-09). Therefore, this clearly indicates steep decline in imports from China PR and increase in domestic industry share in Indian Market & imports from other countries.
- Sub-optimal performance of the domestic industry may be due to start up operations.
- The Domestic Industry has faced loss in its new business of PVC Flex Films, due to its own reasons i.e. lack of technical know-how, use of obsolete manufacturing technology, mis-management, Import/purchase of raw material at a higher cost, etc.

Examination by the Authority

127. The Authority has noted the submissions made by the interested parties in respect of the injury claims of the domestic industry and examined them to the extent considered relevant. Further, the mandatory factors for the purpose of injury determination and causal link analysis have also been examined in the respective headings. The

Authority has considered the post disclosure comments/submissions of the domestic industry as well as other interested parties with regard to determination of Non Injurious Price (NIP). The Authority has considered the principles laid down in Annexure III to the AD Rules in determining the non injurious price of the PUC produced by the domestic industry to the extent applicable in the instant case as the domestic industry has started commercial production only during POI and there is no data available about their best capacity utilization prior to POI. In view of the above, Authority has considered the capacity utilization of 80% as projected in the Project report as the optimum capacity utilization. The Authority further notes that the level of salaries and wages, manufacturing overheads and administrative overheads to be incurred by the company for the production level of 80% capacity utilisation may not be same as the one it had incurred during POI. The Authority has therefore examined the degree of variability of the aforesaid expenses with reference to the audited accounts and the Project report and determined the variability of the aforesaid expenses like salaries and wages, manufacturing overheads and administrative overheads. The level of variability as determined above has also been considered for determining the NIP of the domestic industry.

K.1 Import volumes and Market Share of Subject Country

128. With regard to the volume of dumped imports, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the volume of dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the Anti-dumping Rules provides as under:

"While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative to the production or consumption in India"

129. The year wise, half yearly and quarterly import data from the subject country and other countries are given in the tables below:

Year-wise Imports

S. No	Country	Units	2005-06	2006-07	2007-08	POI	POI Annualised
1.	China	MT	7,928	12,628	23,630	48,680	32,453
	Trend	Index	100	159	298	614	409
2.	Others	MT	514	640	553	3,400	2,267
	Trend	Index	100	124	108	661	441
3.	Total	MT	8,443	13,268	24,183	52,081	34,720
	Trend	Index	100	157	286	617	411

4.	Share of Subject Country	%	93.91	95.18	97.71	93.47	93.47
	Trend	Index	100	101	104	100	100

Quarter-wise Imports for the POI

S. No	Country	Units	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6
1.	China	MT	7,030	9,436	7,334	7,860	9,886	7,135
	Trend	Index	100	134	104	112	141	101
2.	Others	MT	425	397	243	599	905	832
	Trend	Index	100	93	57	141	213	196
3.	Total	MT	7,455	9,833	7,577	8,459	10,791	7,967
	Trend	Index	100	132	102	113	145	107
4.	Share of Subject Country in imports	%	94.30	95.96	96.80	92.92	91.62	89.55
	Trend	Index	100	102	103	99	97	95

Half Yearly Imports for the POI

S. No	Country	Units	2008-09		2009-10
			H1	H2	H1
1	China	MT	16,465	15,194	17,021
	Trend	Index	100	92	103
2	Others	MT	822	842	1,737
	Trend	Index	100	102	211
3	Total	MT	17,287	16,035	18,758
	Trend	Index	100	93	109
4	Share of Subject Country	%	95.25	94.75	90.74
	Trend	Index	100	99	95

- Year wise the imports of the subject goods from subject country have increased consistently and significantly through the injury period. Particularly during the POI the imports have doubled as compared to the immediate preceding year and increased by six fold vis-a-vis the base year. Though the volume of imports from other countries increased during the POI as compared to the immediate preceding year, it is insignificant as compared to the volume of imports from subject country.
- The volume of imports of subject goods from subject countries though marginally declined in 2nd half of 2008-09, it had increased in 1st half of 2009-10 as compared to base period (1st half of 2008-09).
- The above data indicates that imports of the subject goods from the subject country have increased substantially in Q2 and Q5 of the Injury period and in other quarters had remained at more or less the same level. However, when considered over a period of 4 years, including POI and preceding three years, the imports have increased 6 times.
- If the imports are considered for the four years period, it would be seen that the imports have increased significantly over the period. If the imports should not be seen for the four years period and must be seen only from the time the domestic industry commenced commercial production (22nd April, 2008), the natural trend of imports should have been decline in imports. Instead, the volume of imports has remained at the significant level during POI.

K.2 Market Share and Demand

130. The year wise, half yearly and quarterly market share and demand are given in the tables below:

Market share in Demand

S. No	Share in Demand	Units	2005-06	2006-07	2007-08	POI
1.	Subject Country	%	93.91	95.18	97.71	79.22
		Index	100	101	104	84
2.	Other Countries	%	6.09	4.82	2.29	5.53
		Index	100	79	38	91
3.	Domestic industry	%	-	-	-	15.25
4.		Index	-	-	-	-

Market share in Demand

S. No	Share in Demand	Units	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6
1.	Subject Country	%	92.87	87.50	76.94	68.66	71.02	76.88
		Index	100	94	83	74	83	83
2.	Other Countries	%	5.61	3.68	2.55	5.23	7.05	8.97
		Index	100	66	45	93	126	160
3.	Domestic industry	%	1.52	3.82	20.52	26.11	15.93	14.16
		Index	100	579	1,346	1,713	1,045	929

Market share in Demand (Half Yearly)

S. No	Share in Demand	Units	2008-09		2009-10
			H1	H2	H1
1	China	%	89.71	72.42	76.96
	Trend		100	81	86
2	Others	%	4.48	4.01	7.85
	Trend		100	90	175
3	Domestic Industry	%	5.81	23.57	15.18
	Trend		100	406	261

- In terms of yearly analysis, the market share of imports from the subject country has increased from the base year till the POI and declined in the POI, after the Domestic Industry has commenced production.
- In terms of Quarterly analysis, the market share of the imports from subject country, which was declining up to Q4, increased during Q5 and then marginally declined in Q6. On the contrary market share of the domestic industry, which was steadily increasing till Q4 once again declined significantly.
- In terms of half yearly analysis, the market share of the imports from subject country has declined in H2 of 2008-09 and then increased in H1 of 2009-10.

On the contrary market share of the domestic industry, which has increased substantially during H2 of 2008-09, has declined significantly during H1 of 2009-10.

K.3 Actual and potential effect on production and capacity utilization

131. The half yearly and quarterly data regarding the actual and potential effect on production and capacity utilization are given in the tables below:

Production, Capacity & Capacity utilization (Quarterly)

S. No	Particulars	Unit	Q1*	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	POI
1	Installed Capacity	MT	6112	7973	7973	7973	7973	7973	45975
	Indexed		100	100	100	100	100	100	
2	Production	MT	148	1,143	1,868	3,049	2,440	1,305	9952
	Indexed		100	773	1,264	2,063	1,651	883	
3	Capacity Utilization	%	2.42	14.33	23.42	38.25	30.60	16.37	21.65
	Indexed		100	592	968	1581	1264	676	
4	Domestic Sales	MT	115	951	1,956	2,989	2,044	1,314	9369
	Indexed		100	824	1,695	2,591	1,772	1,139	
5	Other producers	MT	-	-	-	-	-	-	-
6	Imports	MT	7,455	9,833	7,577	8,459	10,791	7,967	52081
	Indexed		100	132	102	113	145	107	
7	Total demand	MT	7,570	10,783	9,532	11,447	12,835	9,281	61449
	Indexed		100	142	126	151	170	123	

* Commercial production started on 22.4.2008

Production, Capacity & capacity utilization(Half Yearly)

S. No	Particulars	Unit	2008-09		2009-10
			H1*	H2	H1
1	Installed Capacity	MT	14085	15945	15945
	Indexed		100	100	100
2	Production	MT	1,291	4,917	3,745
	Indexed		100	381	290
3	Capacity Utilization	%	9.16	30.83	23.49
	Indexed		100	337	256
4	Domestic Sales	MT	1,066	4,945	3,358
	Indexed		100	464	315
5	Other producers	MT	-	-	-
6	Imports	MT	17288	16036	18758
	Indexed		100	93	109
7	Total demand	MT	18,353	20,980	22,116
	Indexed		100	114	121

*Commercial production started on 22.4.2008

- The volume of domestic production and effects of dumped imports on the domestic operation of the domestic industry have been examined in terms of total production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry. In terms of Quarterly analysis, it is noted that the production, sales and capacity utilization of the domestic industry, which was increasing till Q4, declined thereafter.
- In terms of Half Yearly analysis, it is noted that the production, sales and capacity utilization of the domestic industry, which was increasing till H2 of 2008-09, declined during H1 of 2009-10.

K.4 Actual and potential effect on market share:

132. Effects of the dumped imports on the domestic sales and market shares have been examined as follows:

Market Share

S. No	Share in Demand	Units	2005-06	2006-07	2007-08	POI	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6
1.	Subject Country	%	93.91	95.18	97.71	79.22	92.87	87.50	76.94	68.66	77.02	76.88
		Index	100	101	104	84	99	93	82	73	82	82

2.	Other Countries	%	6.09	4.82	2.29	5.53	5.61	3.68	2.55	5.23	7.05	8.97
		Index	100	79	38	91	92	60	42	86	116	147
3.	Domestic industry	%	-	-	-	15.25	1.52	8.82	20.52	26.11	15.93	14.16
		Index	-	-	-		100	579	1,346	1,713	1,045	929

Market Share(Half Yearly)

S.N	Share in Demand	Units	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09		2009-10
						H1	H2	
1	Subject Country	%	93.91	95.18	97.71	89.71	72.42	76.96
		Index	100	101	104	96	77	82
2	Other Countries	%	6.09	4.82	2.29	4.48	4.01	7.85
		Index	100	79	38	74	66	129
3	Domestic industry	%	-	-	-	5.81	23.57	15.18
		Index	-	-	-	100	406	261

- The share of the subject country in domestic demand has remained significant and increased consistently from 2005-06 to 2007-08. But, with the commencement of production by the Domestic Industry, share of the subject country in domestic demand has declined. It is obvious that when a new production facility has come up in the country, some amount of market share will be captured by them.
- In terms of Quarterly analysis, share of the subject country in domestic demand has declined up to Q4 and then increased thereafter. On the contrary, the share of the Domestic Industry has increased up to Q4 and then declined.

L. Price effect of imports

133. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

L.1 Price undercutting and underselling effects

134. The price undercutting and underselling effects are analysed as below:

Price Undercutting

S. No.	Particulars	Unit	POI
1	Imports-Quantity	MT	48,680
2	Imports-Value	Rs. Lacs	29,497
3	CIF Import price	Rs./MT	60,593
4	Landing Charges	Rs./MT	606
5	Assessable Value	Rs./MT	61,199
6	Basic Customs Duty rate	%	10
7	Customs Duty	Rs./MT	6,120
8	Custom Cess @ 3%	Rs./MT	184
9	Landed Price	Rs./MT	67,503
10	Net Selling price	Rs./MT	***
11	Price undercutting	Rs./MT	***
	Price undercutting	%	***
12	Price undercutting	% Range	12-17

Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject country over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty and cess to the value reported in the IBIS data of import prices from the subject country. It is observed from the table that imports are substantially undercutting the prices of the domestic industry.

Price Underselling

S. No.	Particulars	Unit	POI
1	Imports-Quantity	MT	48,680
2	Imports-Value	Rs. Lacs	29,497
3	CIF Import price	Rs./MT	60,593
4	Landing Charges	Rs./MT	606

5	Assessable Value	Rs./MT	61,199
6	Basic Customs Duty rate	%	10
7	Customs Duty	Rs./MT	6,120
8	Custom Cess	Rs./MT	184
9	Landed Price	Rs./MT	67,503
10	Non-injurious price	Rs./MT	***
11	Price under selling	Rs./MT	***
12	Price underselling	%	***
13	Price underselling Range	%	20 - 30

Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producer by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The analysis shows that the landed value of subject imports was significantly below the non-injurious price.

L.2 Price Suppression and Depression

135. Price depression exists when the industry's prices are lower than the level of the previous period. Price suppression occurs when dumping prevents price increases that would otherwise take place due to increase in costs.

Price suppression and depression (Quarterly):

\$NO	Particulars ⁽¹⁾	Units	Q1*	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	POI
1.	Domestic cost of sales	Rs./Kg	***	***	***	***	***	***	***
		Index		100	99	92	87	95	
2.	Domestic sales value	Rs./Kg	***	***	***	***	***	***	***
		Index		100	102	96	92	85	

3.	Profit/loss before Tax	Rs./Kg	***	***	***	***	***	***	***
		Index		(100)	(81)	(65)	(46)	(177)	
4.	Interest	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***	***
		Index		100	104	82	101	122	
5.	Capital employed for Domestic Sales	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***	***
		Index		100	100	102	106	113	
6	Return on Capital Employed	%		***	***	***	***	***	***
		Range		(0 - 5)	(5 - 8)	(6 - 11)	(0 - 3)	(6 - 11)	(3 - 8)

Note: * Since this quarter is the first quarter of commercial production, the cost of sales was very high and therefore not considered for analysis.

Price suppression and depression (Half Yearly):

S.NO	Particulars	Units	2008-09		2009-10
			H1	H2	H1
1	Domestic cost of sales	Rs./Kg	***	***	***
		Index	100	85	81
2	Domestic sales value	Rs./Kg	***	***	***
		Index	100	98	89
3	Profit/loss before Tax	Rs./Kg	***	***	***
		Index	(100)	(36)	(50)
4	Interest	Rs. Lacs	***	***	***
		Index	100	120	144

5	Capital employed	Rs. Lacs.	***	***	***
		Index	100	102	113
6	Return on Capital Employed	%	***	***	***
		Range	(3 - 5)	(4 - 9)	(2 - 7)

From the above table, it is evident that there is significant price depression suffered by the domestic industry during the injury period.

136. The above analysis shows that the dumped imports have caused adverse volume and price effect on the domestic industry in terms of increase in volume of dumped imports both in absolute and relative terms and by depressing the prices of the domestic industry while eroding its market share.

M. Examination of other injury factors

137. After examining the volume and price effect in the previous section, the Authority has examined the other mandatory injury parameters as follows:

M.1 Profits/Loss and Return on investments

138. Profits earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market were as follows:-

Profitability & ROCE

S.NO	Particulars	Units	Q1*	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	POI
1.	Domestic cost of sales	Rs./Kg	***	***	***	***	***	***	***
		Index		100	99	92	87	95	
2.	Domestic sales value	Rs./Kg	***	***	***	***	***	***	***
		Index		100	102	96	92	85	
3.	Profit/loss before Tax	Rs./Kg	***	***	***	***	***	***	***

		Index		(100)	(81)	(65)	(46)	(177)	
4.	Interest	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***	***
		Index		100	104	82	101	122	
5.	Capital employed for Domestic Sales	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***	***
		Index		100	100	102	106	113	
6	Return on Capital Employed	%	***	***	***	***	***	***	***
		Range		(0 - 5)	(5 - 8)	(6 - 11)	(0 - 3)	(6 - 11)	(3 - 8)

Note: * Since this quarter is the first quarter of commercial production, the cost of sales was very high and therefore not considered for analysis.

Profitability & ROCE (Half Yearly)

S. No	Particulars	Units	2008-09		2009-10
			H1	H2	H1
1	Domestic cost of sales	Rs./Kg	***	***	***
		Index	100	85	81
2	Domestic sales value	Rs./Kg	***	***	***
		Index	100	98	89
3	Profit/loss before Tax	Rs./Kg	***	***	***
		Index	(100)	(36)	(50)
4	Interest	Rs. Lacs	***	***	***
		Index	100	120	144
5	Capital employed	Rs. Lacs	***	***	***
		Index	100	102	113

6	Return on Capital Employed	%	***	***	***
		Range	(3- 5)	(4 - 9)	(2 - 7)

The Authority notes that both in Quarterly as well as Half Yearly analysis the domestic sales realization of the domestic industry has not increased in line with the increase in the cost of production. The profitability of the domestic industry has declined and resulted in net loss on the domestic sales in the POI. The return on the Capital Employed for the domestic sales of the domestic industry has been negative during the POI.

M.2 Cash profits

139. Cash profits of the domestic industry over the injury period are provided in the table below:

Cash profits (Quarterly)

S.No	Particulars	Units	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	POI
1.	Profit before Tax	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***	***
		Index	(100)	(84)	(139)	(170)	(83)	(204)	
2.	Depreciation on domestic Sales	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***	***
		Index	100	84	84	87	101	102	
3.	Cash Profit for domestic sales	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***	***
		Index	(100)	(83)	(175)	(211)	(72)	(264)	

Cash profits (Half Yearly)

S.NO	Particulars	Units	2008-09		H1
			H1	H2	
1	Profit before Tax	Rs. Lacs	***	***	***
		Index	(100)	(168)	(156)
2	Depreciation on domestic Sales	Rs. Lacs	***	***	***
		Index	100	93	111

3	Cash Profit for domestic sales	Rs. Lacs	***	***	***
		Index	(100)	(213)	(183)

It is seen from the above tables that the cash profits of the domestic industry has significantly deteriorated over the injury period and actually resulting in higher cash losses in the POI.

M.3 Employment and Wages

140. From the tables given below the Authority notes that there has been an increase in the level of employment up to Q5 in quarterly analysis and up to H2 in half yearly analysis. The wages have also increased in comparison with the base period.

Employment and Wages

S.NO	Particulars	Units	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	POI
1.	Employment	No	***	***	***	***	***	***	***
		Index	100	255	349	365	377	360	
2.	Wages & Salaries	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***	***
		Index	100	338	518	692	927	965	

Employment and Wages(Half Yearly)

S.NO	Particulars	Units	2008-09		2009-10
			H1	H2	H1
1	Employment	No	***	***	***
		Index	100	143	141
2	Wages & Salaries	Rs. Lacs	***	***	***
		Index	100	276	431

M.4 Inventories

141. Authority notes that the level of inventory with the domestic industry has gone up over the injury period as shown in the following tables:

Inventories

S.NO	Particulars	Units	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	POI
1.	Opening Stock	MT	-	32	224	109	166	562	-
2.	Closing Stock	MT	32	224	109	166	562	502	502
3.	Average Stock	MT	16	128	167	138	364	532	251
	Trend	Index	100	792	1,029	848	2,243	3,281	

Inventories (Half Yearly)

S.NO	Particulars	Units	2008-09		2009-10	
			H1	H2	H1	H2
1	Opening Stock	MT	-	224		166
2	Closing Stock	MT	224		166	502
3	Average Stock	MT	112		195	334
	Trend	Index	100		174	298

M5 Productivity

142. The productivity of the domestic industry has been examined with reference to production per day and per employee as follows:

Productivity

S.NO	Particulars	Units	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6
1.	Total Production	MT	148	1,143	1,868	3,049	2,440	1,305
		Index	100	773	1,264	2,063	1,651	883
2.	Production per Day (Considering year of 360days)	MT/Day	2	13	21	34	27	15
3.	No. of Employees	No.	***	***	***	***	***	***
		Index	100	255	349	365	377	360

4.	Productivity per Employee	MT/No	***	***	***	***	***	***
		Index	100	304	362	565	438	246

Productivity (Half Yearly)

S.NO	Particulars	Units	2008-09		2009-10
			H1	H2	H1
1	Total Production	MT	1,291	4,917	3,745
		Index	100	381	290
2	Production per Day	MT/Day	7	27	21
		Index	100	143	141
3	No. of Employees	No	***	***	***
		Index	100	266	206
4	Productivity per Employee	MT/No	***	***	***
		Index	100	266	206

The above data indicates that the productivity of the domestic industry was improving till Q4 in the quarterly analysis and H2 of 2008-09 in the half yearly analysis and it has deteriorated significantly in subsequent periods.

M.6 Growth

143. The growth in production and capacity utilization was positive till fourth quarter and H2 of 2008-09. The same trend was seen in domestic sales as well. However, this deteriorated significantly in the fifth, sixth quarters and H1 of 2009-10 during the period of investigation. The domestic industry has shown a negative growth in production and domestic sales in spite of positive growth in demand in the POI for the product under consideration. The profitability of domestic industry has significantly declined during the POI. The performance of the domestic industry has also deteriorated during the period of investigation in terms of return on investment and cash profit. Besides, the imports of subject goods are significantly undercutting the prices of the domestic industry. The price underselling was also significant.

M.7 Ability to raise fresh Investment

144. The Authority notes that there is a healthy growth in domestic demand for the subject goods but still the domestic industry is not able to make fresh capital investments for expansion due to significant losses on account of significant dumped imports from subject country.

N. Magnitude of Dumping

145. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject country, for the POI, are significant.

O. Factors affecting prices

146. It has already been seen in the foregoing paragraphs that imports are undercutting the domestic prices. Comparison of cost of production and selling price of the domestic industry shows that the imports are also depressing prices of the domestic industry. It was found that the landed value per MT in POI was lower than both the net selling price and non-injurious price of the subject goods causing price undercutting and price underselling in the Indian market. As a result of price difference between the imported products' price and domestic industry' price, the imports have taken a major share in the growth in Indian demand for the subject goods.

P. Conclusion on injury

147. The examination of above injury parameters indicates that despite overall growth in demand, both the production and sale of domestic industry declined during POI as compared to the projections made before the commencement of the plant. The Authority notes that the domestic industry could not take advantage of the increase in demand in the market due to presence of imports from subject country.
148. The examination of the imports of the subject product and performance of domestic industry clearly shows that the imports of the product under consideration have increased in absolute terms and also in relation to production and consumption in India. The imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market and the effect of the dumped imports was to depress the prices of the domestic industry in the market. The domestic selling prices have declined more than the decline in cost of sales. Further, there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India and the effect of such imports is to prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, performance of the domestic industry deteriorated from the 4th quarter in terms of sales, production, capacity utilization, market share, profits, cash profits & return on investments.
149. It is also noted that the production, sales, profits and return on capital employed as compared to the projections made in the project report should have been improved as a result of increase in demand. However, the same have instead declined significantly without giving an opportunity to the nascent domestic industry to find a place for itself in its own domestic market causing material retardation to the domestic industry.
150. On the basis of above analysis, the Authority concludes that the performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, sales volumes, capacity utilization, market share, prices, profits, return on investment, cash profits, thus

collectively and cumulatively showing that the domestic industry has suffered material injury leading to material retardation of the newly established industry.

Q. Causal Link and other factors

151. Having examined the existence of material injury and volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether the other parameters listed under the AD Rules as given below could have contributed to injury to the domestic industry:

P.1 Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices

152. It is noted from import data that about 93% imports are from subject country during POI and the balance from other countries. The imports from other countries, in comparison to the imports from the subject country are just 7%. Therefore, the imports from other countries do not affect the prices in the domestic market. In fact the imports from other countries, primarily Korea RP are at a much higher price, which do not adversely impact the prices of the DI.

P.2 Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

153. Demand for the subject goods shows a healthy growth during the entire injury investigation period and therefore, the injury to the domestic industry has nothing to do with the lack of demand in the country. The data on consumption and demand does not show any change in the pattern of consumption of the product and has not been a factor causing injury to the domestic industry.

P.3 Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

154. No evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has come to the knowledge of the Authority. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from subject country compete directly with the subject goods produced by domestic industry. The Authority also notes that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and the imported product is sold to meet the similar applications/ end uses as domestically produced subject goods.

P.4 Development of technology

155. On the basis of examination of the records of the petitioner, the Authority holds that development in technology has not been a relevant factor for the injury to the domestic industry.

P.5 Export performance

156. The Authority notes that there are negligible exports of the domestic industry during the POI. The performance with respect to various Economic indicators has therefore been determined with respect to domestic sales only. Hence, the Authority holds that material injury suffered by the domestic industry is not due to the export performance of the domestic industry.

P.6 Productivity of the Domestic Industry

157. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has shown decline both in quarterly and half yearly analysis as compared to preceding periods because of the decline in total production during the same period.
158. No other factor, which could have possibly caused injury to the domestic industry, has been brought to the knowledge of the Authority.

Q. Magnitude of Injury Margin

159. The Authority has determined non-injurious prices of the subject goods for the domestic industry taking into account cost of production of the domestic industry. The non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports to determine injury margin. The Authority has determined the injury margins as follows:

	Unit	Heytex Technical Textiles (Zhangja gang) Co. Ltd.	Zhejiang Yuli Plastic Co Ltd	Other Exporters
Non-injurious price	US\$/Kg	***	***	***
Landed price of imports	US\$/Kg	***	***	***
Injury margin	US\$/Kg	***	***	***
Injury margin as a percentage of	%	***	***	***

Landed Price				
Range of Injury Margin	%	0 - 10	25-35	35-45

R. Examination of Issues relating to Material Retardation

160. With regard to material retardation the Authority observed in the initiation notification as follows:

"12. The applicant has set up a new facility for production of the product under consideration and commenced commercial production within the investigation period. The applicant has claimed that dumping of the product under consideration in India is materially retarding the establishment of the domestic industry. The applicant has furnished information on various parameters relating to injury for the period for which it has commercial production. Further, the applicant has provided detailed information with regard to its potential performance on the basis of projections drawn by it before setting up the plant and has compared its potential performance with the actual performance achieved till the investigation period to establish its claim that its performance is substantially below the potential levels envisaged before setting up the plant. The applicant has also claimed that its performance improved initially after commencement of commercial production. However, the same deteriorated after some time in terms of production, capacity utilization, sales, market share, profits, return on investments, cash profits, etc. in spite of reduction in the selling prices. The imports are undercutting the prices of the domestic industry. The domestic industry is forced to sell the product at prices materially below the fair prices envisaged by the domestic industry before commencement of production. The applicant has thus claimed that even when its commercial production has begun, the domestic industry is yet to find its place in the market. Parameters such as significant increase in imports in absolute terms as also relative to the production and consumption in India, significant price undercutting, capacity utilization market share, continued financial losses, return on investments, cash flow, inventories, collectively and cumulatively show that the applicant has suffered material injury. There is sufficient evidence that the dumped imports of subject goods from China PR are, prima facie, causing material injury to the domestic industry."

161. The views of interested parties on the issue of material retardation and material injury to the domestic industry have been considered. It is noted that para 12 of the initiation notification explicitly describes the claim of domestic industry with regard to material retardation. Further, in the conclusion of the preliminary findings, it has been clearly mentioned that:

- a. *The subject goods have been exported to India from the subject country below its normal value;*
- b. *The domestic industry has suffered material injury;*
- c. *The injury has been caused by the dumped imports from subject country.*
- d. *Domestic industry is materially retarded due to the increased imports from the subject country in the domestic market.*

162. Further, in the injury examination, all the injury parameters as mandated by the Rules have been considered in detail. The Authority has also examined the project report relating to its establishment of the domestic industry and has worked out capacity, capacity utilization and non injurious price for the POI. After examination, it is noted that domestic industry has not been able to achieve the projected capacity in spite of significant demand in the Country, which establishes that establishment of domestic industry has been materially retarded. Further, the negative profitability suffered by the domestic industry establishes that the same is on account of the dumped imports. In the present case, the Authority notes that there is material injury and there is also material retardation to the establishment in as much as the domestic industry has been prevented from fully establishing itself in terms of achieving the production levels, sales levels, market share, profits, return on investments, etc. to the extent it should have or it would have in the absence of dumping.

S. Conclusions

163. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority, the Authority concludes that:
- i. The subject goods have been exported to India from the subject country at prices less than their normal values in the domestic market of the exporting country;
 - ii. The dumping margins of the subject goods imported from the subject country are substantial and above de minimis;
 - iii. The domestic industry has suffered material injury and the injury has been caused to the domestic industry, both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject country;
 - iv. The domestic industry has also been materially retarded due to the dumped imports of subject goods from the subject country.

T. Indian industry's interest & other issues

164. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers. The

Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures.

U. Recommendations

165. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all the known interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and completed the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the Anti-dumping Rules laid down and having established positive dumping margin as well as material injury to and material retardation of the domestic industry, caused by such dumped imports from the subject country, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping measures is required to offset dumping and injury. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of definitive anti-dumping duties on imports of the subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder from the date of issue of notification of provisional duty by the Central Government vide No.79/2010-Customs dated 30th July, 2010.
166. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed concerning all imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table

Sl. No.	Sub Heading of Tariff item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	39201019 39201012 39204900 39219026 39219029 39269099 39269080 39199090 39181090 39189090	PVC Flex Films	China PR	China PR	Heytex Technical Textiles (Zhangjia gang) Co. Ltd.	Heytex Technical Textiles (Zhangjia gang) Co. Ltd.	0.034	Kg	USD
2	- Do -	- Do -	China PR	China PR	Zhejiang Yuli Plastic Co Ltd	Zhejiang Yuli Plastic Co Ltd	0.441	Kg	USD

3.	- Do -	- Do -	China PR	China PR	Any Combination of producer and exporter other than Sl. No. 1 and 2		0.538	Kg	USD
4.	- Do -	- Do -	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	0.538	Kg	USD
5.	- Do -	- Do -	Any country other than China PR	China PR	Any.	Any	0.538	Kg	USD

167. The following products are excluded from the scope of the anti-dumping measures as recommended in the duty table given above:

- PVC Rigid Films
- Cotton/Canvas Tarpaulins
- PVC Film
- Self-Adhesive Vinyl
- One Way Vision Film/Perforated Window Film
- Coloured Vinyl
- Mesh Banner/Fabric

168. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 22nd June, 2010.
169. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs Authority under the Customs Act, 1962 and all duties of Customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
170. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority